अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

जबलपुर बुधवार 24 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष दशमी

वर्ष 31 अंक 355 मूल्य 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 35.4°C
न्यूनतम तापमान 26.5°C
सूर्योदय - 5.26 | सूर्यास्त - 7.00

संस्कृत छात्रवृत्ति में पंडित शंभूनाथ शुक्ला ⏩ 2

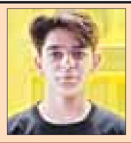
'राख' में दमदार अभिनय से चर्चा में आए विवान ⏩ 7

कलेक्टर की नागरिकों से अपील ⏩ 9

प्रदेश में 525 स्कूलों का होगा उन्नयन

मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गये अहम निर्णय

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य के सर्वांगीण विकास, जनकल्याण और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने के लिए 5 हजार 960 करोड़ रूपये की योजनाओं सहित कई जनहितैषी कार्यों को मंजूरी दी गई। बैठक में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान को गति देते हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को 1 अप्रैल 2026 से आगामी 5 वर्षों तक निरंतर संचालित रखने के लिए 1,740 करोड़ 57 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाते हुए राज्य में शासकीय माध्यमिक और हाई स्कूलों के उच्च स्तरीय उन्नयन की योजना को सैद्धांतिक सहमति दी गई, जिससे विद्यार्थियों की शैक्षणिक पहुँच बढ़ेगी और ड्रॉप आउट दर में कमीं आएगी। इसके अतिरिक्त, किसानों के आर्थिक संबल के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पावधि फसल ऋण योजना की नई शर्तों, शुजालपुर (शाजापुर) में नवीन शासकीय विधि महाविद्यालय की स्थापना, लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत 3 हजार 580 करोड़ रूपये से अधिक की राशि की निरंतरता तथा जनजातीय क्षेत्रों के विद्युतीकरण संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रि-परिषद ने 225 शासकीय माध्यमिक शाला का हाई स्कूल और 300 हाई स्कूल का हायर सेकेण्डरी में उन्नयन को सैद्धांतिक स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार वर्ष 2026-27 में 75 माध्यमिक शालाओं का हाई स्कूल तथा 100 हाई स्कूल का हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन किया जाएगा। आगामी 2 वर्षों 2027-28 एवं 2028-29 में भी इसी प्रकार प्रतिवर्ष 75 माध्यमिक एवं 100 हाईस्कूलों के उन्नयन पर सैद्धांतिक सहमति दी गई है। साथ ही विद्यालयों के उन्नयन के लिए अनुमानित व्यय राशि 635 करोड़ 24 लाख रूपये के प्रस्ताव पर सहमति दी। विकसित मध्यप्रदेश-2047 के तहत वर्ष 2029 तक 100 प्रतिशत सकल नामांकन दर प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। मापदण्डों के आधार पर जिला स्तर से मैपिंग अनुसार 315 हाई स्कूल एवं 214 हायर सेकेण्डरी स्कूल खोले जाने की आवश्यकता है।

खुद के भवन में लगेंगे स्कूल

सांदीपनि विद्यालयों के कैचमेंट एरिया में विद्यालयों का उन्नयन नहीं किया जाएगा। सांदीपनि विद्यालय के कैचमेंट एरिया में आने वाले विद्यालयों के समस्त विद्यार्थियों का प्रवेश सांदीपनि विद्यालय में होने पर विद्यालय को अन्य आवश्यकता वाले स्थानों पर युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। उन्नत विद्यालय अपने वर्तमान भवन या अन्य शासकीय भवन में संचालित होंगे। आवश्यकता एवं बजट उपलब्धता के अनुसार अतिरिक्त कक्ष स्वीकृत किए जाएंगे। वास्तविक रूप से आवश्यक विद्यालयों की संख्या का आंकलन गति शक्ति पोर्टल, जनसंख्या एवं यू-डाइस के आंकड़ों के आधार पर की जायेगी।

किसान हित में शर्तों की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना अंतर्गत किसानों के हित में शर्तों की स्वीकृति दी गई। स्वीकृति अनुसार खरीफ एवं रबी सीजन के लिए पृथक-पृथक देय तिथि (ड्यू डेट) नहीं रखते हुए उसके स्थान पर वार्षिक एकल ऋण सीमा रखी जाएगी, जिसमें नगद एवं वस्तु ऋण की उप-सीमा निर्धारित रहे। योजनान्तर्गत देय तिथि कृषकों को स्वीकृत वार्षिक एकल लिमिट से प्रथम ऋण आहरण से 12 माह निर्धारित की जाएगी और अल्पावधि फसल ऋण लेने वाले किसानों को 1.25 प्रतिशत (सामान्य) ब्याज अनुदान तथा निर्धारित ड्यू डेट तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों को 4 प्रतिशत प्रोत्साहन स्वरूप अतिरिक्त ब्याज अनुदान राज्य शासन द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह सहायता

मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह सहायता योजना और कल्याणी विवाह सहायता योजना को 1 अप्रैल 2026 से 5 वर्षों तक निरंतर संचालन के लिए 1,740 करोड़ 57 लाख रूपये की स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह सहायता योजना प्रदेश में 1 अप्रैल 2006 से प्रभावशील है। योजना का क्रियान्वयन राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। योजना अंतर्गत गरीब जरूरतमंद, निराश्रित और निर्धन परिवारों की विवाह योग्य कन्या, विधवा, परित्यक्ता के सामूहिक विवाह में आर्थिक सहायता के रूप में राशि 55 हजार रूपये प्रति कन्या के मान से दी जाती है। योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक 1 लाख 72 हजार 905 हितग्राहियों को 989 करोड़ 80 लाख 62 हजार रूपये से अधिक सहायता राशि प्रदान की गई है।

धरने पर भड़के धर्मेंद्र प्रधान

जंतर-मंतर पर टुकड़े-टुकड़े ताकतें बजा रही डफली

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट परीक्षा, पेपर लीक विवाद और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने संकेत दिया कि अगले वर्ष से नीट परीक्षा कंप्यूटर आधारित प्रारूप में आयोजित की जा सकती है। साथ ही उन्होंने पेपर लीक मामलों में शामिल पेपर माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया देते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन का अधिकार सभी को है, लेकिन कुछ संगठनों की मंशा पर सवाल उठाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग देश को तोड़ने की बात करते हैं, वही लोग आज जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि वहां वास्तव में कितने छात्र मौजूद हैं। उन्होंने कहा, जो लोग देश को टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हैं, वही लोग आज जंतर-मंतर पर डपली बजा रहे हैं। क्या वहां कोई स्टूडेंट भी है? धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों के आधार पर नीट को कंप्यूटर आधारित परीक्षा बनाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। उन्होंने छात्रों और अभिभावकों से कहा कि वे अभी से इसकी तैयारी शुरू कर दें। उन्होंने यह भी बताया कि परीक्षा को अधिक विकेंद्रीकृत बनाने के विकल्पों पर भी चर्चा चल रही है।

पेपर माफिया पर कार्रवाई का भरोसा

पेपर लीक की घटनाओं पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार परीक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी ताकि पेपर माफिया सक्रिय न रह सके। उनके अनुसार परीक्षा की पारदर्शिता केवल सरकार की नहीं, बल्कि समाज, परिवार, शिक्षकों और संस्थानों की भी साझा जिम्मेदारी है।

65 हस्तियों को मिले पद्म अवॉर्ड

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में पद्म अवॉर्ड के दूसरे फेज में 65 हस्तियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में 2 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 56 पद्मश्री दिए गए। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस केटी थॉमस को जनसेवा, सीनियर मलयालम जर्नलिस्ट पी नारायणन को साहित्य के लिए पद्म विभूषण दिया गया। झारखंड के पहले मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण दिया गया। अवॉर्ड लेने उनकी पत्नी रूपी सोरेन पहुंची। सिंगर अलका याग्निक ने अवॉर्ड लेने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी के पैर छुए। क्रिकेटर रोहित शर्मा, एक्टर आर माधवन को पद्मश्री से नवाजा गया। पुरस्कार पाने वालों में एक्टर ममूटी और पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज भी शामिल रहे। 2026 के पद्म पुस्कारों के लिए कुल 131 लोगों को चुना गया था। इससे पहले 25 मई को पहले चरण में भारतीय वुमन क्रिकेट टीम कैप्टन हरमनप्रीत कौर, एक्टर धर्मेंद्र समेत 66 हस्तियों पद्म अवॉर्ड दिए गए थे।

होर्मुज से निकले 11 भारतीय जहाज

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान में शांति समझौता होने के साथ ही होर्मुज जल मार्ग के हालात काफी तेजी से सामान्य होने लगे हैं। 17 जून, 2026 को अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता करने की सहमति बनी और उसके बाद से अभी तक होर्मुज जलमार्ग से 11 जहाज भारत की तरफ रवाना हो चुके हैं। वैसे अभी भी 10 भारतीय जहाज होर्मुज में हैं लेकिन वह भी जल्द ही भारत की ओर निकल सकते हैं। इन जहाजों में काफी सारा कच्चा तेल और उर्वरक है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने दी है।

सड़क किनारे खड़े तीन लोगों को कार ने रौंदा

मुरैना। अंबाह के किशनपुरा रोड स्थित नेशनल हाईवे-552 पर सोमवार देर रात एक तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले अंबाह अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान मंगलवार सुबह जिला अस्पताल में तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई

एमपी-एमएलए कोर्ट ने पेश किया जवाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मानहानि मामले से जुड़ी याचिका पर मंगलवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। भोपाल एमपी-एमएलए कोर्ट ने अपना जवाब पेश किया, जिसे हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड पर लेते हुए अंतरिम राहत की मांग पर कल सुनवाई तय की है। ऐसे में राहुल गांधी पर लगे मानहानि पर तय हो जाएगा कि ट्रायल कोर्ट में पेश होने से उन्हें छूट मिलती है या फिर उन्हें सुनवाई के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। बता दें कि राहुल गांधी ने भोपाल कोर्ट से जारी समन को चुनौती दी है, क्योंकि शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह ने राहुल गांधी पर मानहानि का दावा किया है। मामला केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान द्वारा दायर मानहानि केस से जुड़ा है। भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी को समन जारी किया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। राहुल गांधी का कहना है कि समन जारी करने की प्रक्रिया और उसके आधार की न्यायिक जांच होनी चाहिए। उन्होंने कोर्ट से समन रद्द करने की मांग की है।

कान्हा में सीडीवी वायरस से एक और बाघ की मौत

मंडला (स्वतंत्र मत)। मंडला में कान्हा टाइगर रिजर्व में केनाइन डिस्टेम्पर वायरस (सीडीवी) का खतरा लगातार गहराता जा रहा है। मंगलवार को मुक्की क्वॉरेंटाइन सेंटर में उपचार के दौरान एक और बाघ की मौत हो गई। इसके साथ ही पिछले दो महीनों में इस वायरस से मरने वाले बाघों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। जानकारी के अनुसार, 4 जून 2026 को किसली परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 777 स्थित संदूक खोल क्षेत्र में एक बाघ गंभीर रूप से बीमार अवस्था में मिला था। हाथी गश्ती दल की सूचना पर वन विभाग की टीम ने उसका रेस्क्यू कर मुक्की क्वॉरेंटाइन सेंटर में भर्ती कराया था। प्रारंभिक जांच में बाघ में केनाइन डिस्टेम्पर वायरस के लक्षण पाए गए थे। इसके बाद विशेषज्ञों की निगरानी में उसका उपचार शुरू किया गया। बाघ के उपचार में कान्हा टाइगर रिजर्व, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा एवं विज्ञान विश्वविद्यालय और वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशवन ट्रस्ट के विशेषज्ञ शामिल थे। लगातार इलाज और निगरानी के बावजूद मंगलवार को बाघ ने दम तोड़ दिया। कान्हा में सीडीवी का असर सबसे पहले सरही परिक्षेत्र में सामने आया था। अमाही क्षेत्र की बाघिन टी-141 के चार शावकों में से एक का शव 21 अप्रैल को मिला था। इसके बाद 24 और 25 अप्रैल को दो अन्य शावकों की भी मौत हो गई। स्थिति को देखते हुए बाघिन और उसके एकमात्र जीवित शावक को रेस्क्यू कर मुक्की क्वॉरेंटाइन सेंटर में रखा गया था, लेकिन 29 अप्रैल को पहले बाघिन और फिर उसके शावक की भी मौत हो गई। इस तरह नौ दिनों के भीतर एक बाघिन और उसके चारों शावकों की जान चली गई थी।

147 सदस्यों की बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति घोषित

भोपाल (स्वतंत्र मत)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा कर दी है। इस बार प्रदेश कार्यसमिति में 106 सदस्यों को शामिल किया गया है। इसके अलावा 41 नेताओं को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। वहीं भाजपा ने फिलहाल विशेष आमंत्रित सदस्यों की नियुक्ति नहीं की है। इधर, 106 सदस्यों में सिर्फ एक मुस्लिम महिला बिलकिस जहां को प्रदेश कार्य समिति में जगह मिली है। प्रदेश कार्यसमिति में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ दोनों उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा को शामिल किया गया है। इसके अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके और सावित्री ठाकुर को भी कार्यसमिति में जगह मिली है। मध्यप्रदेश सरकार के मंत्रियों में कैलाश विजयवर्गीय, प्रह्लाद पटेल, राकेश सिंह, संपतिया उइके, विजय शाह, इंदर सिंह परमार, उदय प्रताप सिंह, तुलसीराम सिलावट, एदल सिंह कंसाना, निर्मला भूरिया, गोविंद सिंह राजपूत, विश्वास सारंग, नारायण सिंह कुशवाह, चेतन कश्यप और कृष्णा गौर को कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है।

चढ़ावा चोरी: चंपतराय भी गबन के आरोपी

एफआईआर की सिफारिश, चोरी में 25 से 30 लोगों की सीधी भूमिका

लखनऊ

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। मंगलवार को गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद को सौंपी गई 20 पन्नों की जांच रिपोर्ट में एसआईटी ने जिम्मेदारों पर सवाल उठाने के साथ ही एफआईआर दर्ज कराने, ट्रस्ट के पुनर्गठन और किसी वरिष्ठ अधिकारी को मंदिर का मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त करने की सिफारिश की है।

एसआईटी ने ट्रस्ट महासचिव चंपतराय, सदस्य डॉ. अनिल मिश्र, व्यवस्थापक गोपाल राव, व्यवस्था से जुड़े रामशंकर यादव टिन्नू सहित कुल 14 लोगों को आरोपी बनाया है। जांच के दौरान दर्ज किए गए कई बयान ट्रस्ट के उपलब्ध अभिलेखों से मेल नहीं खा रहे हैं।

अब तक दो करोड़ रुपये बरामद

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पांच आरोपितों लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू की निशानदेही पर दो करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं। एक सप्ताह की जांच में कई प्रकार की खामियां मिलीं हैं और दानपात्रों की चाबी रामशंकर यादव टिन्नू के पास पाई गई। यह भी पता चला है कि सेवादारों को गबन की जानकारी पहले से थी।

बम विस्फोट के दोषी राशिद खान की रिहाई पर रोक

नई दिल्ली

1993 के कोलकाता के बहूबाजार बम विस्फोट कांड के मुख्य दोषी राशिद खान की रिहाई के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अंतरिम रोक लगा दी। शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर नोटिस भी जारी किया। दिल्ली हाई कोर्ट ने 33 साल के कारावास, 77 वर्ष की आयु बीमारियां और जेल में अच्छे आचरण को देखते हुए राशिद खान की समय पूर्व रिहाई का आदेश दिया था। कोलकाता में 1993 में रात के वक्त बहूबाजार में बड़ा विस्फोट हुआ था जिसमें दो इमारतें पूरी तरह ध्वस्त हो गईं थी इस विस्फोट में 69 लोग मारे गए थे जबकि 100 से ज्यादा घायल हुए थे। पश्चिम बंगाल सरकार ने विस्फोट के मास्टरमाइंड राशिद खान की रिहाई के हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और संजीव सचदेवा की पीठ के समक्ष लगी थी। प्रदेश सरकार की ओर से पेश एडीशनल सालिसिटर जनरल एसवी राजू ने हाई कोर्ट के आदेश का विरोध करते हुए कहा कि ये कोई सामान्य मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि बम धमाकों में 70 लोगों की मौत हुई और 100 से ज्यादा घायल हुए थे, विस्फोट के कारण दो इमारतें पूरी तरह ढह गईं थीं।

देश के 315 जिलों पर कमजोर मानसून का खतरा

सरकार तैयार, किसानों को कम पानी वाली फसलों की सलाह : शिवराज

नई दिल्ली (वार्ता)

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अल नीनो के प्रभाव के कारण मानसून की चाल पर असर पड़ा है और देश में अब तक सामान्य से 43 प्रतिशत कम बारिश हुई है और दो जुलाई तक की जानकारी के अनुसार आगे भी मानसून के कमजोर रहने के आसार हैं। सरकार इस स्थिति से निपटने को तैयार है तथा आकस्मिक योजना तैयार कर ली गयी है। केंद्रीय मंत्री चौहान मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि स्थिति की समीक्षा के लिए राज्यों के कृषि मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और संभावित रूप से प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक की गयी और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि

देश के 315 जिलों को कमजोर मानसून से प्रभावित होने की श्रेणी में आंका गया है। सरकार ने इन जिलों को उनकी सिंचाई व्यवस्था के आधार पर प्राथमिकताओं में बांटा है। इनमें विशेष प्राथमिकता वाले 111 जिले हैं। ये ऐसे संवेदनशील जिले हैं, जहां सिंचाई की व्यवस्था केवल 25 प्रतिशत क्षेत्र में ही उपलब्ध है। सरकार का पूरा ध्यान सबसे पहले इन्हीं जिलों पर है। इसके बाद मध्यम प्राथमिकता वाले जिलों की 76 है। इन जिलों में केवल 25 से 50 प्रतिशत क्षेत्र में ही सिंचाई की सुविधा है जबकि निम्न प्राथमिकता वाले जिले 128 है। इनमें सिंचाई की बेहतर व्यवस्था मौजूद है, इसलिए इन्हें कम जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है।कृषि मंत्री ने सभी प्रभावित जिलों के प्रशासन को स्थानीय स्तर पर बनी आकस्मिक योजनाएं सख्ती से लागू करने के निर्देश दिये हैं। सरकार का मुख्य उद्देश्य यह है कि किसी भी परिस्थिति में किसानों के खेत खाली न रहने पायें।

सरकार के पास पर्याप्त भंडारण

केंद्रीय मंत्री ने सभी राज्यों को अपने यहां नियंत्रण कक्ष बनाने और नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिये गये हैं। वे केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेंगे। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने देशवासियों को भरोसा देते हुए कहा कि कमजोर मानसून की आशंका के बावजूद देश की खाद्य सुरक्षा पूरी तरह मजबूत है। सरकार के पास पर्याप्त भंडारण है और किसी भी संकट से निपटने की पूरी तैयारी कर ली गयी है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, बल्कि मौसम के पूर्वानुमान और वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार ही खेती के कार्य करें।

कीमतों पर निगरानी के निर्देश

केंद्रीय मंत्री ने राज्यों से फसल बीमा योजना का दायरा बढ़ाने और अधिक से अधिक किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने के निर्देश दिये हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर किसानों को तुरंत वित्तीय ऋण या मुआवजा मिल सके। उन्होंने कहा कि कमजोर मानसून की आशंका के बावजूद देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत है। पर्याप्त भंडारण और बेहतर तैयारी के कारण किसी संकट की स्थिति नहीं बनने दी जाएगी। उन्होंने मंडी और खुदरा कीमतों की लगातार निगरानी के निर्देश दिए हैं। कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने सख्ती बरतने को कहा गया है।

हितकारिणी महिला महाविद्यालय और योगासन स्पोर्ट्स के विद्यार्थियों ने किया सामूहिक योग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र योगासन स्पोर्ट्स एसोशिएशन के तत्वाधान में हितकारिणी महिला महाविद्यालय एवं जबलपुर डिस्ट्रिक योगासन स्पोर्ट्स एसोशिएशन के संयुक्त तत्वाधान में विश्व योग दिवस के अवसर पर कान्हा स्पोर्ट्स एरीना आदर्श नगर में कॉमन योगा प्रोटोकॉल के तहत योगासन स्पोर्ट्स के एथलीट तथा हितकारिणी महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने योग का प्रदर्शन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योग आयोग के अध्यक्ष राघवेंद्र शर्मा, मप्र योगासन स्पोर्ट्स एसोशिएशन के महासचिव एवं खेल अधिकारी हितकारिणी महिला महाविद्यालय दिनेश सिंह ठाकुर, जबलपुर

डिस्ट्रिक योगासन स्पोर्ट्स एसोशिएशन के अध्यक्ष राकेश नेमा, कान्हा स्पोर्ट्स एरीना के डायरेक्टर रामरतन यादव की उपस्थिति में किया गया । इस अवसर पर विभिन्न योग संस्थाओ द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया।

विजेताओं को दी बधाई

अपने अतिथिय उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने कहा भारत विश्व गुरु के साथ योगासन स्पोर्ट्स में भी संपूर्ण विश्व की सहभागिता अहमदाबाद में आयोजित वर्ल्ड योगासन चैंपियन शिप में देखने मिला।

उन्होंने इस अवसर पर भारत के सभी विजेताओं को बधाई भी प्रेषित की। इस अवसर पर युवा भारत की ओर से निशा राजपूत, हितकारिणी महिला महाविद्यालय की प्रो प्रगति शुक्ला, नागेश राव, उपाध्यक्ष डिस्ट्रिक योगासन स्पोर्ट्स एसोशिएशन रुक्मणि राव, कोषाध्यक्ष डिस्ट्रिक एसोशिएशन डॉ रचना जैन, राष्ट्रीय जज योगासन स्पोर्ट्स,शिवम गुप्ता, देवेंद्र मिश्रा, राष्ट्रीय कोच योगासन स्पोर्ट्स आदि उपस्थित रहे।

वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर हो जबलपुर एयरपोर्ट का नाम: राकेश सिंह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर एयरपोर्ट का नाम वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर किए जाने हेतु लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से भेंट कर इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार से स्वीकृति दिलाने हेतु आग्रह किया। मंत्री राकेश सिंह के साथ प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूली शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह, उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार, ऊर्जा मंत्री प्रदुमय तोमर, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री लखन पटेल, पर्यटन मंत्री एवं संस्कृति राज्यमंत्री मंत्री धर्मेन्द्र लोधी, चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने भी इस प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री से भेंट की। उल्लेखनीय है कि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के प्रयासों के परिणामस्वरूप मप्र विधानसभा से यह प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा जा चुका है, इस प्रस्ताव को केन्द्र सरकार से स्वीकृति दिलाने हेतु मंत्री मंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है।

मप्र के लिए गौरव का विषय

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर जबलपुर एयरपोर्ट का नाम का प्रस्ताव जनजातीय गौरव और सम्मान का प्रतीक है क्योंकि वीरांगना रानी दुर्गावती केवल एक पराक्रमी योद्धा ही नहीं थीं, बल्कि उनका जल प्रबंधन और कृषि प्रबंधन आज के वैज्ञानिकों को भी आश्चर्यचकित करता है।

डॉ मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपा ने अर्पित की पुष्पांजलि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा उनकी गुलौआ चौक स्थित प्रतिमा पर मालायर्पण कर एवं सभी महानगर के सभी 1041 बूथों पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रीकान्त साहू, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी, महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, सोनू बचवानी, सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक चेतना के लिए समर्पित रहा।

घरेलू सामान लेने गई महिला के घर चोरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लार्डगंज थाने में 42 वर्षीय आरती दाहिया निवासी पुष्पनगर ,कछपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि दोपहर यादव कालोनी किराया लेने के लिये गयी थी घर से जाते समय दरवाजे की कुंडी लगाई ताला नहीं लगाया था।15 मिनिट बाद घर वापस आयी देखी कुडी लगी हुयी थी घर के अंदर जाकर देखा सामान बिखरा हुआ नहीं था थोड़ी देर बाद पति अजय दाहिया ने फोन कर कहा कि मिस्त्री आ रहा है पेमेंन्ट कर देना, उसने पैसे निकालने के लिये आलमारी खोली देखी आलमारी का लॉकखुला हुआ था तथा लॉकर टूटा हुआ था लाकर में नगदी 50 हजार रूपये, सोने का 1 हार, 6 अंगूठी, 1 चैन, 5 नग बाले, 2 नग लोंग तथा चांदी की पायल, बिछिया, गायब थे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। जिसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए मामले की जाँच शुरू कर दी है।

दीक्षांत समारोह की सफलता पर कुलगुरू ने जताया कर्मचारियों का आभार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के उपरांत विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को धन्यवाद प्रस्ताव बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में दीक्षांत समारोह की तैयारियों एवं सफल संचालन में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा विभिन्न समितियों के संयोजकों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। बैठक में कुलगुरु प्रो. वर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय का 36वां दीक्षांत समारोह अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण रहा। समारोह में भारत की महामहिम

राष्ट्रपति श्रीद्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कुलगुरु ने कहा कि दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य ने समर्पण एवं टीम भावना के साथ कार्य किया। माननीय राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए सुरक्षा, प्रोटोकॉल, मंच संचालन, अतिथि सत्कार, परिसर सज्जा, मीडिया समन्वय, परिवहन एवं अन्य व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट ढंग से संपादित किया गया, जिसकी सराहना सभी स्तरों पर हुई।इस अवसर पर प्रो. अलका नायक, परीक्षा नियंत्रक प्रो. एसके दुबे, प्रो. ममता राव आदि उपस्थित रहे।

एक जुलाई को होगा सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। ब्राह्मण समाज सिहोरा द्वारा ब्राह्मण बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार आगामी 1 जुलाई को खितौला के माता महाकाली मंदिर में आयोजित होगा। परम श्रद्धेय गुरुदेव सुरेंद्र दास महाराज के सानिध्य होने वाला यह समाज का 14 वां आयोजन है। समाज के उपाध्यक्ष नरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि जिन भी पालकों ने अपने बटुकों का पंजीयन पूर्व में कराया है वे तथा अन्य नवीन बटुक भी यज्ञोपवीत संस्कार में शामिल हो सकते है।

2 पक्षों में मारपीट एफआईआर दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । चौकी बरगी नगर में 35 वर्षीय कन्हैया लाल साहू निवासी शासकीय अस्पताल के पास बरगी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह पुरानी कलारी के पास बरगीनगर में खडा था। उसके साथ में सोहित बर्मन उर्फ छोटू बर्मन भी था तभी शरद यादव उर्फ बैला शराब के नशे में आकर उसके साथ गाली गलौज करने लगा, गलियां देने से मना करने पर उसके साथ मारपीट कर जमीन पर पटक दिया जिस कारण उसके हाथ में चोट आयी है। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए मामले की जाँच शुरू कर दी है। वहीं 21 वर्षीय शरद यादव उर्फ बैला निवासी लेबर हाट बरगीनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह बरगीनगर में जा रहा था वहां अंकित बेलगे व गुड्डा चक्रवर्ती थे वह दोनों से बात करने लगा तभी कन्हैया साहू शराब के नशे आकर उससे पार्टी करने के लिये रूपये मांगने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो गाली गलौज करने लगा था एवं फोन कर अंकित पटैल और बाबू उर्फ कृष्णकुमार धौसेल को बुलाया फिर तीनों उससे रुपयों की मांग करते हुये बोले कि पैसे देने पड़ेंगे, उसने पैसे देने से मना किया तो अंकित पटेल, बाबू उर्फ कृष्णकुमार एवं कन्हेया साहू तीनों गाली गलौज कर मारपीट किये। जिसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवक पर चाकू से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिहोरा थाने में 19 वर्षीय सतीश निवासी ग्राम गनियारी, कटनी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह पौड़ा सिहोरा निवासी रामजी चौधरी के यहां बारात में गया था । जहां उसे आशीष चौधरी, सूरज चौधरी मिले जो उससे शराब पीने के लिये रूपये मांगने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो दोनों गाली गलौज कर चाकू से हमलाकर भाग गये।

भारतीय संस्कृति में सनातन सर्वोपरि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

लोकधारा संस्था द्वारा भारतीय संस्कृति, धर्म एवं साहित्य को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रामायण गीता प्रश्न मंच का भव्य आयोजन साहित्य परिसर, कचनार सिटी विजय नगर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रीरामचरितमानस एवं श्रीमद्भगवद्गीता पर आधारित 51 प्रश्नों के उत्तर उपस्थित दर्शकों ने दिए। प्रतिभागियों को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी अनुभव प्राप्त हुआ।

इंजी. विनोद नयन ने बताया कि भारतीय संस्कृति में सनातन सर्वोपरि है इसके पश्चात मुख्य वक्ता भागीरथ शर्मा ने शबरी और केवट प्रसंग सुन कर सभी को आनंदित किया।

सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सेन ने दी तथा नृत्य निर्देशन का दायित्व स्वाति मोदी ने निभाया। कार्यक्रम का संचालन बसंत कुमार शर्मा एवं डॉ. विनोद बाजपेयी ने किया।

सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ओमती थाने में सुधीर बुधरानी निवासी अनंतारा मंडला रोड थाना गोराबजार ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह सुधीर लाईफ साईंस प्रायवेट लिमिटेड नाम से सत्कार भवन घंटाघर बड़ी ओमती में अपनी कार्यालय चलाता है 18 जून की रात वह अपना कार्यालय बंद कर घर चला गया था अगले दिन सुबह कार्यालय खोलने उसका कर्मचारी राकेश कनोजिया आया जिसने अंदर जाकर देखा तो शेड के पास टूटी हुयी थी। छोटी छोटी जगह जले हुये कागज के टुकड़े दिखे और ड्राअर टूटे एवं खुले हुये मिले यह बात राकेश ने उसे मोबाइल पर कॉल कर बतायी तो वह अपने कार्यालय पहुंचा। जहां उसने देखा की अज्ञात चोर उसके फर्म के पीछे से शैड का गेट तोड़कर फर्म के अंदर घुसकर खड़ी आटो में तोड़फोड़ कर आटो के टूल्स, एसेसरीज, पानी के नल की टोटी, व फर्म के कैश ड्राअर में रखी नगदी राशि चोरी कर ले गया।

पूर्ण तत्परता की स्थिति में रहें क्विक रिस्पांस टीमें

मानसून के मद्देनजर एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक ने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन के उपक्रम मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने निर्देश दिए कि प्रदेश में क्रियान्वित राष्ट्रीय महत्व एवं राष्ट्रीय हित से जुड़ी सभी पारेषण परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा से पूर्व तथा उच्चतम गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 सहित प्रदेश में संचालित सभी पारेषण विस्तार एवं अधोसंरचना विकास कार्यों की नियमित एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि परियोजनाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सकें।मुख्यालय जबलपुर में आयोजित दो दिवसीय उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विभागाध्यक्षों एवं मुख्यालय व फील्ड के अधीक्षण अभियंताओं को संबोधित करते हुए प्रबंध संचालक ने कहा कि मानसून के दौरान संभावित अतिवृष्टि एवं प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों को देखते हुए राज्यभर में फैले 43 हजार सर्किट किलोमीटर से अधिक के ट्रांसमिशन नेटवर्क तथा 417 एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) सबस्टेशनों के सुचारु संचालन एवं निर्बाध विद्युत पारेषण के लिए क्विक रिस्पांस टीमों को पूर्ण तत्परता की स्थिति में रखा जाए।

डिफॉल्टर वेंडर्स, ठेकेदारों पर होगी कार्यवाही

प्रबंध संचालक ने निर्देश दिए कि वेंडर्स एवं ठेकेदारों के वैध और स्वीकृत बिलों का भुगतान निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए। भुगतान में अनावश्यक विलंब के लिए उत्तरदायी अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

15 वर्षों से कार्यरत आउट सोर्स कर्मियों को मिले 50 प्रतिशत आरक्षण

मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के क्षेत्रीय बैठक में उठी मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के क्षेत्रीय बैठक, सम्मेलन एवं सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि फेडरेशन संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कर्मचारियों, नियमित कर्मचारियों, कंपनी केडर कार्मिकों और पेंशनर्स साथियों की समस्यायों के समाधान हेतु हर स्तर पर एकजुट होकर सकारात्मक प्रयास और कार्य लगातार कर रहा है और भविष्य में भी करेगा। राकेश पाठक ने कैशलैस बीमा, फ्रिंज बेनीफिट, वेतन विसंगति, सेवा आयु एक समान आदि अनेक विषयों पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि बिजली सेक्टर में लम्बे समय के बाद नवीन ओ एस में 51 हजार से अधिक नियमित पदों का सृजन कर भर्ती हेतु

स्वीकृति प्रदान की गई है जो कि बिजली सेक्टर की सभी कंपनियों के लिए नया जीवन दान है, अर्थात पुनर्जीवन है। इसी तरह 20 वर्षो बाद नये फ्रिंज बेनी फिट स्वीकृत हुए।

उन्होंने कहा कि बिजली कंपनियों में 15 वर्षो से कार्यरत आउट सोर्स कर्मचारियों को 50 का आरक्षण दिया जाएं। पाठक ने शासन से मांग की राज्य बंटवारे की धारा 49 को शीघ्र समाप्त कर राज्य के कर्मचारियों और पेंशनर्स को केंद्र के समान महंगाई भत्ता, महंगाई राहत, परिवार पेंशन राहत दी जाएं। इस अवसर पर फेडरेशन के क्षेत्रीय सचिव पं उमाशंकर दुबे को राष्ट्रीय स्तर पर अखाड़ा परिषद द्वारा महंत की उपाधि प्रदान किए जाने पर फेडरेशन द्वारा भव्य स्वागत सम्मान शाल, श्रीफल, सम्मान पत्र भेंटकर और उपस्थित सभी जनों ने पुष्प माला पहनाकर स्वागत, सम्मान किया।

रिमझिम फुहारों से थमी जून की तपिश, बाजारों में लौटी रौनक

तापमान में आई भारी गिरावट, मौसम हुआ खुशनुमा

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

संस्कारधानी में मंगलवार को मौसम का एक बेहद दिलकश और मिजाज बदलने वाला रूप देखने को मिला। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही उमस और तीखी धूप से परेशान शहरवासियों को राहत मिली। सुबह से ही आसमान में बादलों और सूरज के बीच लुकाछिपी का दौर चलता रहा। धूप-छांव के इस उतार-चढ़ाव भरे खेल के बीच, शहर का मिजाज पूरी तरह बदल गया और लोगों को चिलचिलाती गर्मी से बड़ी राहत मिली। दोपहर होते-होते

आसमान में घने बादलों ने डेरा डाल लिया और फिर रुक-रुक कर हुई रिमझिम बारिश ने पूरे शहर को सराबोर कर दिया। बादलों की इस अठखेलियों ने न सिर्फ धूल और गर्मी को शांत किया, बल्कि हवाओं में एक खनकती हुई ठंडक घोल दी। रुक-रुक कर हुई इस हल्की बारिश और ठंडी हवाओं के चलने से मौसम सुहाना और खुशनुमा हो गया, जिससे लोगों को मई-जून के पारंपरिक गर्मी से थोड़ी देर के लिए निजात मिल गई। मौसम में आए इस अचानक बदलाव का सीधा असर शहर के तापमान पर देखने को मिला। जहां अधिकतम तापमान 35.4 तो वहीं न्यूनतम तापमान 26.5 दर्ज किया गया। ठंडी हवाओं और मानसूनी फुहारों के कारण पारे में भारी गिरावट दर्ज की गई, इस सुहाने और ठंडे मौसम ने उमस भरी गर्मी से बेहाल शहर वासियों के चेहरों पर मुस्कान ला दी और लोग घरों से बाहर निकलकर इस खुशनुमा बदलाव का आनंद लेते नजर आए।

बाजारों में दिखने लगी चहल-पहल

गर्मी के थमते ही और मौसम के गुलजार होते ही शहर के मुख्य बाजारों का नजारा भी बदल गया। शाम ढलते ही मालवीय चौक, सदर और कमानिया गेट जैसे प्रमुख मार्केटों में खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुहाने मौसम का लुत्फ उठाने और खरीदारी करने के लिए लोग सपरिवार बाजारों में पहुंचे, जिससे पिछले कई दिनों से गर्मी के कारण सुनसान पड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों और चाट-चौपाटियों पर एक बार फिर जबरदस्त रौनक और चहल-पहल लौट आई।

बच्चों के लिए हिंदी भाषा को सरल कैसे बनाएं

हिंदी हमारी मातृभाषा और भारत की प्रमुख भाषाओं में से एक है। बच्चों के लिए हिंदी सीखना तभी आसान और प्रभावी बनता है जब इसे सरल, रोचक और व्यावहारिक तरीके से सिखाया जाए। यदि बच्चों को केवल नियमों और कठिन शब्दों के माध्यम से नहीं, बल्कि खेल, कहानियों और गतिविधियों के जरिए सिखाया जाए, तो वे जल्दी सीखते हैं और उनकी रुचि भी बनी रहती है।

सरल शब्दों का उपयोग

बच्चों को सबसे पहले रोजमर्रा में उपयोग होने वाले सरल शब्द सिखाने चाहिए, जैसे घर, पानी, स्कूल, किताब, मित्र, खाना, खेल आदि। कठिन और जटिल शब्दों के बजाय सामान्य बोलचाल की भाषा का प्रयोग करना चाहिए। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे बिना झिझक के हिंदी बोलने लगते हैं।

कहानियों और चित्रों का प्रयोग

छोटी-छोटी कहानियाँ और रंगीन चित्र बच्चों को बहुत आकर्षित करते हैं। कहानी सुनाने के बाद बच्चों से प्रश्न पूछना और उन्हें कहानी दोहराने के लिए कहना चाहिए। इससे उनकी समझने की क्षमता बढ़ती है और शब्दावली भी मजबूत होती है। चित्रों के माध्यम से सीखना बच्चों के लिए अधिक प्रभावी और आनंददायक होता है।

खेल-खेल में शिक्षा

खेलों के माध्यम से पढ़ाई कराना सबसे अच्छा तरीका है। जैसे अक्षर जोड़ना, शब्द-पहेली, चित्र पहचानना, कविता सुनाना और अभिनय करना। इन गतिविधियों से बच्चे बिना दबाव के सीखते हैं और सीखने की प्रक्रिया उनके लिए मनोरंजक बन जाती है।

तकनीक का उपयोग

आज के समय में शिक्षा को रोचक बनाने में तकनीक का महत्वपूर्ण योगदान है। शैक्षिक वीडियो, ऑडियो, मोबाइल ऐप और डिजिटल सामग्री के माध्यम से बच्चे आसानी से हिंदी सीख सकते हैं। इससे उनकी सीखने की रुचि बनी रहती है और वे तेजी से प्रगति करते हैं।

नियमित अभ्यास और वातावरण

बच्चों को रोज हिंदी बोलने और पढ़ने का अभ्यास कराना जरूरी है। घर और स्कूल दोनों जगह सरल हिंदी में बातचीत करने से भाषा का अभ्यास स्वाभाविक रूप से होता है। छोटी कविताएँ, बाल कहानियाँ और पत्रिकाएँ पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

रजनी परोहा
शिक्षक
बीएमडी
हितकारिणी
कन्या उमा
शाला
दीक्षितपुरा,
जबलपुर

हिंदी की सामान्य वर्तनी त्रुटियाँ और उनके सही रूप

हिंदी भाषा की सुंदरता उसके शुद्ध और सटीक प्रयोग में निहित है। सही वर्तनी न केवल भाषा को प्रभावशाली बनाती है, बल्कि आपके ज्ञान, अनुशासन और भाषा पर उसकी पकड़ को भी दर्शाती है। विद्यालयी परीक्षाओं से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं, भाषण, लेखन और दैनिक संवाद तक शुद्ध वर्तनी का विशेष महत्व है। कई बार विषय का अच्छा ज्ञान होने के बावजूद केवल वर्तनी की गलतियों के कारण अंक कम हो जाते हैं। इसलिए शुद्ध लेखन की आदत शुरू से ही विकसित करना आवश्यक है।

वर्तनी की गलतियाँ क्यों होती हैं?

अधिकांश वर्तनी संबंधी त्रुटियाँ बोलचाल की भाषा के प्रभाव, पढ़ने की कम आदत, लिखने का अभ्यास न होने और जल्दबाज़ी में लिखने के कारण होती हैं। आज के डिजिटल दौर में मोबाइल की ऑटो-करेक्ट सुविधा पर अत्यधिक निर्भरता भी विद्यार्थियों की शुद्ध लेखन क्षमता को प्रभावित कर रही है। परिणामस्वरूप कई सामान्य शब्द भी गलत लिखे जाने लगे हैं।

सबसे अधिक गलत लिखे जाने वाले शब्द

हिंदी में कुछ शब्द ऐसे हैं जिनकी वर्तनी बार-बार गलत लिखी जाती है। उदाहरण के लिए, चाहिये, गलत वर्तनी है। सही वर्तनी है चाहिए, कृप्या की जगह होता है कृपया, जायेगा की जगह होता है जाएगा, आशिर्वाद गलत वर्तनी है, सही वर्तनी है आशीर्वाद, स्वास्थ की जगह सही वर्तनी है स्वास्थ्य, उज्जवल की जगह उज्ज्वल तथा वस्तुयेँ की जगह वस्तुएँ लिखा जाता है। हम जाने अनजाने अक्सर ऐसी गल्तियां करते हैं। ऐसे शब्दों की सूची बनाकर नियमित अभ्यास करना बहुत उपयोगी होता है।

शुद्ध वर्तनी कैसे सीखें?

वर्तनी सुधारने का सबसे अच्छा तरीका है नियमित अध्ययन और निरंतर अभ्यास। प्रतिदिन अच्छी हिंदी की पुस्तकें, समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ पढ़ें। नए शब्दों को अपनी नोटबुक में लिखें और उनका प्रयोग वाक्यों में करें। यदि किसी शब्द की वर्तनी को लेकर संदेह हो, तो शब्दकोश की सहायता लें। इसके साथ ही, जो भी लिखें उसे एक बार अवश्य पढ़ें, ताकि छोटी-छोटी त्रुटियाँ समय रहते सुधारी जा सकें।

विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सुझाव

परीक्षा की तैयारी करते समय केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ना ही पर्याप्त नहीं है। कठिन शब्दों की अलग सूची बनाकर उनका नियमित लेखन अभ्यास करें। प्रतिदिन पाँच से दस नए शब्द सीखने का लक्ष्य रखें। निबंध, पत्र, अनुच्छेद या उत्तर लिखते समय शुद्ध वर्तनी पर विशेष ध्यान दें। इससे भाषा पर पकड़ मजबूत होगी और परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त करने में भी सहायता मिलेगी।

कैसे सुधारें हिंदी लेखन कौशल

हिंदी लेखन कौशल सुधारने के लिए सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम है नियमित रूप से पढ़ना। जब आप हिंदी किताबें, अखबार, पत्रिकाएँ या ब्लॉग पढ़ते हैं, तो आपको नए शब्द, वाक्य संरचना और विचारों को समझने का अवसर मिलता है। पढ़ने से आपकी शब्दावली मजबूत होती है और आप बेहतर तरीके से अपने विचारों को व्यक्त करना सीखते हैं। विशेष रूप से अच्छे लेखकों की रचनाएँ पढ़ने से लेखन शैली में सुधार आता है। यह आदत धीरे-धीरे आपके सोचने और लिखने के तरीके को भी बेहतर बनाती है, जिससे आप प्रभावी लेख लिख सकते हैं।

रोज़ाना लेखन का अभ्यास करें

लेखन कौशल को सुधारने का सबसे अच्छा तरीका है नियमित अभ्यास। रोज़ाना थोड़ा-थोड़ा लिखने की आदत डालें, जैसे कि डायरी लिखना, निबंध लिखना या किसी विषय पर अपने विचार व्यक्त करना। शुरुआत में गलतियाँ होना सामान्य है, लेकिन धीरे-धीरे सुधार आता है। रोज़ अभ्यास करने से आपके विचार स्पष्ट होते हैं और आप बिना रुके बेहतर तरीके से लिख पाते हैं। अभ्यास करने से आपकी गति और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं। इसलिए रोज़ कम से कम 15 से 20 मिनट हिंदी लेखन को जरूर दें।

शब्दावली और व्याकरण पर ध्यान दें

अच्छा लेखन तभी संभव है जब आपकी शब्दावली और व्याकरण मजबूत हो। नए-नए हिंदी शब्द सीखें और उनका सही उपयोग समझें। साथ ही हिंदी व्याकरण के नियम जैसे संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और वाक्य संरचना को अच्छे से समझना जरूरी है। यदि व्याकरण सही नहीं होगा तो लेख का प्रभाव कम हो जाता है। आप व्याकरण की किताबों या ऑनलाइन संसाधनों की मदद से इसे सुधार सकते हैं। सही शब्दों का चयन और स्पष्ट वाक्य लेखन को प्रभावशाली बनाते हैं।

छात्रों के लिए क्यों जरूरी है समाचार पत्र पढ़ना

सुबह की शुरुआत यदि समाचार पत्र के साथ हो, तो दिन की शुरुआत ज्ञान और जागरूकता से होती है। समाचार पत्र केवल देश-दुनिया की घटनाओं की जानकारी नहीं देता, बल्कि यह विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान, भाषा कौशल, तार्किक सोच और व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डिजिटल युग में भी समाचार पत्र का महत्व कम नहीं हुआ है, क्योंकि यह प्रमाणिक और व्यवस्थित जानकारी का विश्वसनीय स्त्रोत माना जाता है।

सामान्य ज्ञान और समसामयिक घटनाओं का ज्ञान

समाचार पत्र पढ़ने से देश-विदेश, विज्ञान, शिक्षा, खेल, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और तकनीक से जुड़ी नवीनतम जानकारी मिलती है। इससे विद्यार्थी समसामयिक घटनाओं से जुड़े रहते हैं, जो प्रतियोगी परीक्षाओं, क्विज़ और समूह चर्चाओं में भी बहुत उपयोगी होती है।

भाषा और शब्द-भंडार में सुधार

समाचार पत्र नियमित पढ़ने से नए शब्द, सही वाक्य निर्माण और प्रभावी लेखन शैली सीखने का अवसर मिलता है। इससे हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं पर पकड़ मजबूत होती है। साथ ही, शुद्ध वर्तनी और व्याकरण का ज्ञान भी स्वाभाविक रूप से विकसित होता है।

सोचने और विश्लेषण करने की क्षमता का विकास

समाचार पत्र केवल खबरें नहीं देता, बल्कि विभिन्न विषयों पर विश्लेषण और विशेषज्ञों के विचार भी प्रस्तुत करता है। इन्हें पढ़ने से किसी भी मुद्दे को अलग-अलग दृष्टिकोण से समझने और अपने विचार तर्कसंगत ढंग से रखने की क्षमता विकसित होती है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में मिलता है लाभ

बोर्ड परीक्षाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं, साक्षात्कार और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में समसामयिक घटनाओं का ज्ञान महत्वपूर्ण होता है। नियमित समाचार पत्र पढ़ने वाले विद्यार्थी इन क्षेत्रों में अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख पाते हैं।

अच्छी आदत और अनुशासन का विकास

प्रतिदिन कुछ समय समाचार पत्र पढ़ने की आदत समय का सदुपयोग करना सिखाती है। यह पढ़ने की रुचि बढ़ाती है, एकाग्रता विकसित करती है और निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा देती है। समाचार पत्र केवल सूचनाओं का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान, भाषा और व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। यदि विद्यार्थी प्रतिदिन 10 से 20 मिनट भी समाचार पत्र पढ़ने की आदत बना लें, तो उनका सामान्य ज्ञान, भाषा कौशल और आत्मविश्वास निरंतर बढ़ता रहेगा। आज की छोटी-सी पढ़ने की आदत, भविष्य की बड़ी सफलता का आधार बन सकती है।

डिजिटल युगः इंटरनेट पर हिंदी का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में इंटरनेट ने पूरी दुनिया को एक दूसरे से जोड़ दिया है। पहले जहाँ इंटरनेट पर अधिकतर सामग्री अंग्रेजी में होती थी, वहीं अब हिंदी भाषा का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। आज कई वेबसाइटें, ब्लॉग और न्यूज़ पोर्टल हिंदी में उपलब्ध हैं, जिससे आम लोगों को जानकारी समझना आसान हो गया है। हिंदी कंटेंट की लोकप्रियता इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि भारत में बड़ी संख्या में लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। अब लोग अपनी मातृभाषा में जानकारी प्राप्त करना अधिक पसंद करते हैं, जिससे हिंदी इंटरनेट की एक मजबूत भाषा बनती जा रही है। यूट्यूब और ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी वीडियो और लेखों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे हिंदी भाषा को डिजिटल पहचान मिल रही है।

सोशल मीडिया में हिंदी का प्रभाव- सोशल मीडिया ने हिंदी भाषा को एक नया मंच दिया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर लोग अब खुलकर हिंदी में अपने विचार साझा कर रहे हैं। पहले लोग अंग्रेजी में लिखने को ज्यादा महत्व देते थे, लेकिन अब हिंदी में पोस्ट करना भी उतना ही सामान्य हो गया है। मीम्स, शायरी, प्रेरणादायक विचार और जानकारीपूर्ण पोस्ट हिंदी में खूब वायरल होती हैं। इससे न केवल हिंदी भाषा का प्रचार हो रहा है, बल्कि युवा वर्ग भी हिंदी से जुड़ रहा है। सोशल मीडिया ने हिंदी को एक आधुनिक और ट्रेंडिंग भाषा बना दिया है, जो हर उम्र के लोगों को आकर्षित कर रही है।

डिजिटल शिक्षा में हिंदी की भूमिका

डिजिटल शिक्षा के बढ़ते दौर में हिंदी का महत्व और भी बढ़ गया है। ऑनलाइन क्लासेस, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और यूट्यूब चौनलों ने हिंदी में शिक्षा को आसान बना दिया है। अब छात्र किसी भी विषय को अपनी भाषा में समझ सकते हैं, जिससे सीखने की प्रक्रिया सरल और प्रभावी हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के लिए यह बहुत लाभदायक साबित हुआ है, क्योंकि उन्हें अब अंग्रेजी पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना पड़ता। हिंदी में उपलब्ध अध्ययन सामग्री छात्रों को आत्मविश्वास देती है और शिक्षा को अधिक समावेशी बनाती है। डिजिटल शिक्षा ने हिंदी को ज्ञान का एक मजबूत माध्यम बना दिया है।

तकनीक और हिंदी का विकास

तकनीक के क्षेत्र में भी हिंदी ने महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। आज कई मोबाइल ऐप, वॉइस असिस्टेंट और ट्रांसलेशन टूल्स हिंदी भाषा को सपोर्ट करते हैं। गूगल असिस्टेंट, वॉइस टाइपिंग ने हिंदी का उपयोग बेहद आसान बना दिया है। अब लोग हिंदी में बोलकर भी टेक्स्ट लिख सकते हैं और जानकारी खोज सकते हैं। इससे डिजिटल दुनिया में हिंदी का उपयोग और अधिक बढ़ गया है। तकनीक के विकास ने हिंदी को केवल पारंपरिक भाषा न रखकर उसे एक आधुनिक डिजिटल भाषा के रूप में स्थापित किया है।

आधुनिक हिंदी व्यंग्य के जनकः हरिशंकर परसाई

जन्म और प्रारंभिक जीवन

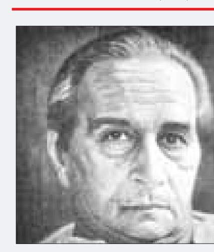

हरिशंकर परसाई का जन्म 22 अगस्त 1924 को मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के जमानी गाँव में हुआ था। उनका बचपन ग्रामीण वातावरण में बीता, जहाँ उन्होंने जीवन की वास्तविकताओं को करीब से देखा। साधारण परिवार में जन्म लेने के कारण उन्होंने संघर्ष और सामाजिक परिस्थितियों को गहराई से समझा, जिसका प्रभाव आगे चलकर उनकी लेखनी में स्पष्ट दिखाई देता है। बचपन से ही वे विचारशील स्वभाव के थे और समाज की घटनाओं को गहराई से देखने-समझने की आदत रखते थे।

शिक्षा और प्रारंभिक करियर

परसाई जी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय विद्यालयों से प्राप्त की और बाद में उच्च शिक्षा नागपुर विश्वविद्यालय से पूरी की। पढ़ाई के बाद उन्होंने कुछ समय तक अध्यापन कार्य भी किया, लेकिन उनका झुकाव साहित्य और लेखन की ओर अधिक था। इसलिए उन्होंने नौकरी छोड़कर पूरी तरह लेखन को अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह निर्णय उनके साहित्यिक जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

साहित्यिक योगदान और लेखन यात्रा

हरिशंकर परसाई हिंदी के सबसे प्रभावशाली व्यंग्यकारों में गिने जाते हैं। उन्होंने व्यंग्य को केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि समाज की सच्चाई दिखाने का माध्यम बनाया। उनकी रचनाओं में राजनीति, धर्म, भ्रष्टाचार और सामाजिक पाखंड पर तीखा व्यंग्य देखने को मिलता है। उनकी लेखनी में हास्य और गंभीरता का अद्भुत संतुलन होता था, जो पाठकों को सोचने पर मजबूर कर देता था।

प्रमुख कृतियाँ

- भूत के पाँव पीछे
- विकलांग श्रद्धा का दौर
- तट की खोज
- सदाचार का ताबीज
- जैसे उनके दिन फिरे
- ठिठुरता हुआ गणतंत्र

इन कृतियों में उन्होंने समाज की वास्तविक समस्याओं को सरल लेकिन प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत किया है।

बाल-कहानी

हाथी और चूहे की सच्ची दोस्ती

एक घना और सुंदर जंगल था जहाँ बहुत सारे जानवर खुशी-खुशी रहते थे। उसी जंगल में एक विशाल हाथी रहता था जो बहुत ताकतवर था, लेकिन कभी-कभी अपनी बड़ी कद-काठी के कारण छोटे जानवरों को अनजाने में नुकसान पहुँचा देता था। उसी जंगल में एक छोटा सा चूहा भी रहता था जो बहुत चंचल और समझदार था। एक दिन चूहा अपने घर में भोजन इकट्ठा कर रहा था। अचानक हाथी वहाँ से गुज़रा और अनजाने में उसका पूरा घर अपने पैर से कुचल दिया। चूहे की मेहनत से बनाया हुआ घर पूरी तरह टूट गया। चूहा बहुत दुखी हो गया और उसने गुस्से में हाथी से कहा, कि तुम बहुत बड़े हो, लेकिन तुम्हें ध्यान नहीं रहता, मेरा घर टूट गया। हाथी को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने तुरंत झुककर चूहे से माफी मांगी और कहा, मुझे माफ कर दो, यह गलती अनजाने में हो गई। मैं तुम्हारा घर फिर से बनाने में मदद करूंगा। चूहा थोड़ा शांत हुआ और उसने हाथी को माफ कर दिया। दोनों ने मिलकर चूहे का नया घर बनाया। इसके बाद दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। कुछ समय बाद जंगल में एक बड़ा संकट आ गया। कुछ शिकारी जंगल में आए और उन्होंने हाथी को पकड़ने के लिए एक मजबूत जाल बिछा दिया। हाथी अनजाने में उस जाल में फंस गया। वह जितना भी कोशिश करता, उतना ही ज्यादा फंसता जाता।

हाथी जोर-जोर से चिंघाड़ने लगा, लेकिन कोई उसकी मदद नहीं कर पा रहा था। उसकी आवाज सुनकर पूरा जंगल इकट्ठा हो गया, लेकिन जाल बहुत मजबूत था। तभी चूहा वहाँ पहुँचा। उसने देखा कि उसका दोस्त हाथी मुश्किल में है। बिना देर किए वह तुरंत जाल के पास गया और अपने तेज दाँतों से रस्सियाँ काटने लगा। वह लगातार मेहनत करता रहा और धीरे-धीरे उसने जाल को कमजोर कर दिया। बहुत मेहनत के बाद आखिरकार जाल टूट गया और हाथी आज़ाद हो गया। हाथी बहुत खुश हुआ और उसने चूहे को अपनी सूंड से प्यार से उठाकर धन्यवाद दिया।

उस दिन हाथी को समझ आया कि ताकत से बड़ा कोई नहीं होता, बल्कि सच्ची दोस्ती और मदद की भावना सबसे बड़ी होती है। चूहा भी समझ गया कि गुस्से की जगह माफ करना बेहतर होता है।

कहानी की सीख

किसी को उसके आकार या ताकत से नहीं आंकना चाहिए। सच्ची दोस्ती मुश्किल समय में मदद करने में होती है और माफी और सहयोग से रिश्ते मजबूत बनते हैं। हर छोटा-बड़ा व्यक्ति महत्वपूर्ण होता है। सबका आदर और सम्मान करना चाहिए।

आवास योजना में फर्जीवाड़ा हितग्राही के नाम निकाली राशि

मकान निर्माण नहीं होने का दावा, कलेक्टर से की शिकायत

प्रधान मंत्री आवास योजना-शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

खैरलांजी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत सेलोटपार में प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मनरेगा कार्यों में कथित फजीर्वाड़े का मामला सामने आया है। ग्राम सेलोटपार निवासी नंदकिशोर हरिनखेड़े ने कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपकर पंचायत के सरपंच एवं सचिव के खिलाफ जांच और कार्रवाई की मांग की है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि ग्राम की निवासी अनिता सुरेन्द्र चौधरी के नाम से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान स्वीकृत हुआ था। योजना के अंतर्गत वर्ष 2022 में अलग-अलग

किश्तों में कुल 85 हजार रुपये से अधिक की राशि जारी की गई, लेकिन आज तक हितग्राही द्वारा गांव में कहीं भी आवास का निर्माण नहीं कराया गया।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पंचायत प्रतिनिधियों और हितग्राही की मिलीभगत से अन्य स्थानों के फोटो लगाकर राशि का आहरण किया गया और शासन को गुमराह किया गया। इसके अलावा शिकायतकर्ता ने मनरेगा के तहत स्वीकृत खेत तालाब निर्माण कार्य में भी अनियमितता का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि लगभग 60 हजार रुपये की राशि स्वीकृत होने के बावजूद केवल 11 हजार रुपये के आसपास का कार्य कराया गया, जबकि शेष राशि के उपयोग पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नंदकिशोर हरिनखेड़े ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि जब उन्होंने पंचायत से कार्यों का हिसाब मांगा तो उन्हें कथित रूप से अपमानित किया गया और कहा गया कि जो करना है कर लो, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने तथा उनके खेत तालाब के शेष कार्य को पूर्ण कराने की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि जिला पंचायत सीईओ एवं जनपद पंचायत खैरलांजी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भी भेजी गई है।

घर से सटे कुएं में मिली नवविवाहिता की लाश

उमरिया। जिले के इंदवार थाना क्षेत्र के ग्राम पनपथा अंतर्गत मझौली गांव में मंगलवार 23 जून की शाम दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया।दरअसल स्थानीय 25 वर्षीय नव विवाहिता उड़नकली पति अतुल जायसवाल का शव घर से सटे कुएं में मिला है। जैसे ही घटना की जानकारी लोगों तक पहुंची,मौके पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी और परिवार में चीख-पुकार मच गई। बताया जाता है कि मंगलवार शाम करीब 5 बजे घर के पास स्थित कुएं में महिला का शव दिखाई दिया,जिसके बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।इस घटना को लेकर फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि महिला किन परिस्थितियों में कुएं तक पहुंची और यह हादसा है या इसके पीछे कोई अन्य वजह। मृतका ने अपने पीछे महज 6 से 7 माह की अपनी मासूम बेटी छोड़ गई है।वह नन्हीं बच्ची अभी इस बात से अनजान है कि उसकी जिंदगी से मां का साया हमेशा के लिए उठ चुका है। गांव में हर किसी की जुबान पर उसी मासूम का जिक्र है, जिसके हिस्से में इतनी छोटी उम्र में यह असहनीय दर्द आ गया।'

पंचायत छोड़कर प्लाटिंग के कारोबार में व्यस्त सहायक सचिव!

8 माह से नहीं पहुंचे पंचायत, ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

ग्राम पंचायत डोंगरिया के पंचायत सहायक सचिव धनराज बाजनघाटे पर पंचायत कार्यों की अनदेखी कर प्लाटिंग के कारोबार में व्यस्त रहने के गंभीर आरोप लगे हैं। नाराज ग्रामीणों, पंचों और सरपंच ने मंगलवार 23 जून की दोपहर 1 बजे करीब को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को शिकायत सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सहायक सचिव पिछले लगभग आठ माह से पंचायत में नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो रहे हैं। इस कारण पंचायत के विकास कार्य ठप पड़े हैं और ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। शिकायत में कहा गया है कि सचिव पंचायत कार्यों के बजाय प्लाटिंग के कार्य में अधिक सक्रिय दिखाई दे रहे हैं, जिससे पंचायत प्रशासन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि 24 जनवरी 2026 को ग्रामसभा एवं पंचायत बैठक में प्रस्ताव पारित कर धनराज बाजनघाटे को ग्राम पंचायत डोंगरिया से हटाने और अन्यत्र स्थानांतरित करने की अनुशंसा की गई थी।

इसके बाद कई बार जिला पंचायत सीईओ और कलेक्टर को शिकायतें भी दी गईं। जनपद पंचायत द्वारा 11 बिंदुओं की जांच कर प्रतिवेदन सौंपे जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि कार्रवाई में हो रही देरी से लोगों में भारी आक्रोश है।

उन्होंने जिला प्रशासन से पूछा है कि जब जांच पूरी हो चुकी है तो आखिर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो वे बड़े जनआंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

शक्ति विद्या मंदिर में 6 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ

शोध पद्धति एवं गुणवत्तापूर्ण रिसर्च पेपर लेखन पर हुआ विशेष व्याख्यान

कटंगी (स्वतंत्र मत)। शक्ति विद्या मंदिर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, कटंगी में 23 जून 2026 से 6 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों एवं शोधार्थियों के शैक्षणिक, अनुसंधान एवं लेखन कौशल को विकसित करना है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में कंकुश कॉलेज ऑफ लॉ, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रखर द्विवेदी ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सहभागिता की। उन्होंने च्चरिसर्च मेथडोलॉजी एंड हाउ टू राइट क्वालिटी रिसर्च पेपरज्ज विषय पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए शोध कार्य की विभिन्न पद्धतियों, अनुसंधान की प्रक्रिया तथा गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र लेखन की महत्वपूर्ण तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने शोध में मौलिकता, संदर्भों के सही उपयोग एवं अकादमिक लेखन की गुणवत्ता बनाए रखने के विभिन्न पहलुओं पर भी प्रकाश डाला।

दोपहर 3 बजे से 4=30 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के प्राचार्य एवं मुख्य संरक्षक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार बिंजड़े, सचिव श्री केसर बिसेन, आईक्यूएसी समन्वयक श्री उमाशंकर देशमुख, आदित्य बिसेन तथा अंजुम मोहम्मद जावेद सहित संस्थान के शिक्षक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विषय विशेषज्ञ से शोध एवं अकादमिक लेखन से जुड़े विभिन्न प्रश्नों पर चर्चा की। संस्थान परिवार ने सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए आगामी सत्रों के सफल संचालन की कामना की। यह छह दिवसीय कार्यक्रम आईक्यूएसी एवं आयोजन समिति, शक्ति विद्या मंदिर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, कटंगी द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न विषय विशेषज्ञ शिक्षकों एवं शोधार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

महिला कांग्रेस पदाधिकारी ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य पर लगाए गंभीर आरोप

अश्लील बातचीत और लगातार फोन कर परेशान करने का मामला दर्ज

बालाघाट ।

जिले की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब महिला कांग्रेस की एक पदाधिकारी ने कांग्रेस से जुड़े पूर्व जिला पंचायत सदस्य पर फोन पर अश्लील बातें करने, अभद्र व्यवहार करने और लगातार कॉल कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए। मामले में कोतवाली पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र की 41 वर्षीय महिला कांग्रेस महिला पदाधिकारी ने 21 जून को थाना कोतवाली पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। उनके अनुसार 19 जून की रात करीब 10 बजे खैरलांजी निवासी एवं

कांग्रेस से जुड़े पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ने उनके मोबाइल पर फोन किया। शिकायत में कहा गया है कि फोन पर आरोपी ने एक महिला के साथ उनके संबंधों को लेकर टिप्पणी करते हुए उससे दूरी बनाने की बात कही। जब पीड़िता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि उन्हें इस प्रकार निर्देश देने का अधिकार किसी व्यक्तिगत व्यक्ति को नहीं है और यदि पार्टी स्तर पर कोई निर्देश मिलेगा तो वे उसका पालन करेंगी, तब आरोपी कथित रूप से भड़क गया। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने फोन पर अश्लील एवं अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया और अभद्र भाषा में बातचीत की।

पीड़िता कांग्रेस नेत्री ने आरोप लगाया है कि आरोपी द्वारा की गई टिप्पणियों से उनके सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। उन्होंने यह भी बताया कि जब उन्होंने आरोपी का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया, तब भी आरोपी लगातार संपर्क करने का प्रयास करता रहा। शिकायत के अनुसार आरोपी द्वारा उन्हें परेशान करने की नीयत से करीब 22 बार फोन किए गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने शिकायत को स्थानीय शिकायत रजिस्टर में दर्ज कर जांच प्रारंभ की। प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया आरोपों में तथ्य पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी रामकुमार नगपुरे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 78(1)(ii) और 79 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रकरण की विस्तृत विवेचना की जा रही है। कॉल डिटेल, मोबाइल रिकॉर्ड और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुरूप वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस मामले के सामने आने के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। वहीं शिकायतकर्ता ने पुलिस से निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

रास्ते के विवाद में सरपंच पर हमला, पुलिस पर गंभीर धाराएं नहीं जोड़ने का आरोप

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। परसवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम चीनी में रास्ते के विवाद को लेकर हुए मारपीट मामले ने तूल पकड़ लिया है। ग्राम पंचायत चीनी की सरपंच प्रमिला उइके ने मंगलवार की 11 बजे करीब पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपकर थाना परसवाड़ा में दर्ज अपराध क्रमांक 84/26 में गंभीर धाराएं जोड़ने की मांग की है। उनका आरोप है कि पुलिस ने घटना की गंभीरता के अनुरूप मामला दर्ज नहीं किया है। शिकायत के अनुसार, गांव में सार्वजनिक आवागमन मार्ग पर कथित अतिक्रमण को लेकर 16 मई को पंचायत सभा आयोजित की गई थी। इस दौरान आरोपित पक्ष को अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने कथित रूप से पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों और अधिकारियों को जान से मारने की धमकी दी तथा कुल्हाड़ी लेकर हमला करने का प्रयास किया, जिससे सभा में अफरा-तफरी मच गई। सरपंच प्रमिला उइके ने आरोप लगाया कि 20 जून की शाम जब वह रास्ते पर खोदे जा रहे गड्ढे को रोकने पहुंचीं, तब आरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की। शिकायत में कहा गया है कि उन्हें जमीन पर गिराकर ईंट और कुल्हाड़ी के बेंट से हमला किया गया। बीच-बचाव करने पहुंचे ग्रामीण अंजीत मसराम, शैलेन्द्र, सरोज मसकोले और सानिया उइके के साथ भी मारपीट की गई। वहीं एक गर्भवती महिला रिना नेवारे को भी चोट पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के दौरान उन्हें जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित किया गया तथा लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं।

सरपंच का कहना है कि आरोपितों के खिलाफ हत्या के प्रयास, गंभीर चोट, धमकी और अन्य प्रासंगिक धाराएं जोड़ी जानी चाहिए थीं, लेकिन पुलिस ने मामला कमजोर करने का प्रयास किया है। प्रमिला उइके ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर अपराध क्रमांक 84/26 में घटना के अनुरूप गंभीर धाराओं का इजाफा करने तथा आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कुएं में मिला व्यक्ति का शव

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जिले के इंदवार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम असोढ़ में सोमवार दोपहर एक कुएं से एक व्यक्ति का शव एवं उसकी बाइक बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कामता पटेल उम्र लगभग 58 वर्ष पिता स्वर्गीय सुग्रीम पटेल, निवासी ग्राम चिमटा 20 जून शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकले थे, जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल रहा था। परिजनों द्वारा उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट

अमरपुर चौकी में दर्ज कराई गई थी,सोमवार को ग्राम असोढ़ स्थित माटिहाई हार मे एक कुएं में बाइक और शव दिखाई देने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक पहचान कामता पटेल के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही इंदवार थाना प्रभारी एवं अमरपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना से परिजनों और क्षेत्र में शोक का माहौल है।

मानपुर में 18 वर्षीय युवती ने लगाई फांसी

उमरिया (स्वतंत्र मत)। नगर परिषद मानपुर के वार्ड क्रमांक 11 में 18 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर जीवन लीला की समाप्त कर ली। जानकारी के मुताबिक मृतिका का नाम खुशी पिता कोमल प्रसाद गुप्ता मानपुर है। परिजनों ने घटना की सूचना थाना मानपुर को दी है। मानपुर पुलिस व्दारा घटना स्थल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही की गई। साथ ही शव को अपने कब्जे में लेते हुए पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर भेजा गया।

मां तुझे प्रणाम योजना के तहत चयनित युवतियों ने किया ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित मां तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत उमरिया जिले की चयनित युवतियों ने अनुभव यात्रा के तहत प्रदेश के प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक स्थलों सांची, भीमबेटका एवं पचमढ़ी, होशंगाबाद का सेठानी घाट, भोजपुर का भ्रमण किया। इस यात्रा का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान तथा प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में

जानकारी विकसित करना है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल तथा युवा कल्याण अधिकारी आलोक कुमार शर्मा ने बताया कि योजना के तहत उमरिया जिले से चयनित अनन्या तोमर, आंशिका पटेल, दीपाली सिंह, अस्मिता पटेल, श्रुति पटेल एवं अंजलि विश्वकर्मा ने इस विशेष अनुभव यात्रा में भाग लिया। भ्रमण के दौरान युवतियों ने सांची स्तूप की ऐतिहासिक महत्ता, भीमबेटका की प्राचीन शैलचित्र कला तथा पचमढ़ी की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों ने बताया कि यह यात्रा उनके लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रही। उन्हें प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, इतिहास और प्राकृतिक धरोहरों को निकट से जानने का अवसर मिला। युवतियों ने इस अभिनव योजना के लिए मध्य प्रदेश शासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी यात्राएं युवाओं के व्यक्तित्व विकास तथा राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला मुख्यालय के जिला चिकित्सालय के सामने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक में जिला भाजपा और नगर मंडल उमरिया के कार्यकर्ताओं के द्वारा डॉक्टर मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया गया। इस दौरान चौराहे में लगी डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस दौरान डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के द्वारा राष्ट्रहित में किए गए कार्यों और उनके विचारों को याद किया गया। इस दौरान जिला भाजपा महामंत्री दीपक छतवानी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों और बलिदान से एक भारत-श्रेष्ठ भारत का संकल्प साकार हो रहा है। देश के विभाजन के दौर में जब पश्चिम बंगाल के बड़े हिस्से को पाकिस्तान में शामिल करने के प्रयास हो रहे थे, तब उन्होंने दृढ़ता के साथ उसका विरोध किया।

मानपुर में कांग्रेस द्वारा निकाली गई किसान रैली

ज्ञापन लेने नहीं पहुंची एसडीएम भड़के कांग्रेसी, धरने पर बैठे कार्यकर्ता

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मंगलवार 23 जून को मानपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन उस समय और गरमा गया, जब धरना स्थल पर ज्ञापन लेने के लिए एसडीएम नहीं पहुंचीं। इससे नाराज सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय का रुख किया और वहां पहुंचकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मानपुर के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में किसानों की समस्याओं को लेकर महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपने की तैयारी की गई थी। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि धरना स्थल पर प्रशासन का कोई जिम्मेदार अधिकारी ज्ञापन

लेने नहीं पहुंचा, जिससे कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैल गई। इसके बाद कांग्रेस नेता कमलेश्वर पटेल और फुन्देलाल मार्को की अगुवाई में कार्यकर्ता जुलूस के रूप में एसडीएम कार्यालय पहुंचे। कार्यालय पहुंचने पर भी स्थिति सामान्य नहीं हो सकी।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि एसडीएम को ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया गया, लेकिन ज्ञापन लेने से मना कर दिया गया। इसके विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यालय परिसर में ही धरने पर बैठ गए और प्रशासनिक व्यवस्था के खिलाफ आवाज बुलंद किया। धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में डीजल-पेट्रोल की बढ़ी हुई कीमतें वापस लेने, किसानों को पर्याप्त मात्रा में डीजल उपलब्ध कराने, खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा टोकन व्यवस्था समाप्त करने की मांग की गई। इसके अलावा सभी किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ देने, ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और घरेलू बिजली बिलों में 50 प्रतिशत छूट प्रदान करने की मांग भी शामिल रही।

कांग्रेस ने समर्थन मूल्य पर फसलों की बिक्री प्रक्रिया को सरल बनाने, किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने, कृषि यंत्रों पर अधिक सब्सिडी देने और जीएसटी समाप्त करने की भी मांग उठाई। वहीं वन्यजीवों के हमलों में मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपये की सहायता राशि, घायलों को 15 लाख रुपये का मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई। धरना स्थल पर मौजूद कांग्रेस नेता कमलेश्वर पटेल ने कहा कि यदि स्थानीय प्रशासन किसानों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लेता है तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अब यह ज्ञापन कलेक्टर उमरिया को सौंपा जाएगा ताकि किसानों की मांगें शासन तक पहुंच सकें। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय कोल, पुष्पराज सिंह, मिथलेश राय,रोशनी सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और किसान मौजूद रहे। पूरे घटनाक्रम को लेकर मानपुर में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् पाली
जिला - उमरिया म.प्र.
ULB Code-802194

क्र. / स्व.भा.मि. / 2026 / 955 दिनांक-23/06/2026

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्व संबंधितो को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 अधिसूचित किए गए हैं, जो दिनांक 01 अप्रैल 2026 से पूर्ण रूप से प्रभावी हो गए हैं, और निकाय सीमा क्षेत्र अंतर्गत नवीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 लागू कर दिये गए हैं।
उक्त नियम के नियम क्र. 3 (झ / i) 6 एवं 10 में थोक कचरा उत्पादक (Bulk Waste Generator (BWG)) की श्रेणी के लिए वर्णित परिभाषा एवं प्रावधानों को जमीनी स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार थोक कचरा उत्पादक की परिभाषा इस प्रकार है।
भारी मात्रा के अपशिष्ट जनित वो इकाइयां जो निम्नलिखत मानदंडों में से कम से कम एक को पूरा करते हो।
(i) 20,000 वर्ग मीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल (Floor Area) वाले भवन या
(ii) प्रतिदिन 40,000 लीटर पानी की खपत या
(iii) प्रतिदिन 100 किलोग्राम ठोस अपशिष्ट उत्पादन सम्मिलित है
उक्तानुसार निकाय सीमा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मैरीज गार्डन, होटल / रेस्टोरेन्ट, धर्मशाला, छात्रावास, सामुदायिक भवन, रहवासी संघ एवं अन्य संस्थान आदि जो कम से कम एक मानदंड को पूरा करते है तो वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम - 2026 के अनुसार थोक कचरा उत्पादक की श्रेणी में माने जावेंगे। ऐसे थोक कचरा उत्पादको को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम - 2026 का पालन किया जाना अनिवार्य है।
थोक कचरा उत्पादक हेतु दिशा निर्देश
1. सभी थोक कचरा उत्पादकों को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तैयार केन्द्रीकृत पोर्टल (Centralised Portal) पर पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है।
2. संस्थान में उत्पन्न गीले, सूखे एवं घरेलु खतरनाक अपशिष्ट को पृथक्कीकृत कर एकत्र करना ।
3. एकत्र गीले कचरे का संस्थान में ही निष्पादन करना ।
4. पिट कम्पोस्टिंग, बायोगेस या ओ. डब्यू. सी. मशीन या अन्य माध्यमों से कचरे का निष्पादन करना।
5. प्रतिदिन उत्पन्न कचरे के नियमानुसार प्रबंधन हेतु केयर टेकर को नियुक्त करना ।
6. निष्पादित गीले कचरे से उत्पन्न खाद का उपयोग करना ।
7. संस्थान से निकलने वाले सूखे एवं अन्य अपशिष्ट को निकाय के अधिकारिक कचरा संग्राहक को सौंपना।
8. प्रतिदिन प्रसंस्कृत किये गये गीले अपशिष्ट एवं उत्पन्न खाद की लॉग बुक का संधारण करना ।
9. यदि संस्थान अपने परिसर में ही गीले कचरे के प्रसंस्करण करने में असमर्थ है, तो नियमानुसार निकाय अथवा निकाय द्वारा अधिकृत संस्थान से गीले कचरे के प्रसंस्करण हेतु अनुबंध निष्पादन कर निकाय से विस्तारित थोक अपशिष्ट जनित उत्तरदायित्व प्रमाण पत्र (Extended Bulk Waste Generator Responsibility (EBWGR) Certificate) प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करें ।
10. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के नियम क. 6 एवं 10 में वर्णित समस्त प्रावधानों का पालन किया जाना अनिवार्य है।
उपरोक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभी थोक कचरा उत्पादक अपने परिसर में ही कचरे का निष्पादन किया जाना सुनिश्चित करें अन्यथा निकाय द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी । यदि उल्लेखित संस्थान आदि उक्त अधिनियम का उल्लंघन करते पाए जाते है, तो संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी एवं राशि रूपये 2007 - (जैसा निकाय द्वारा निर्णय लिया जाये) प्रतिदिन के मान से अर्थदण्ड आरोपित किया जाएगा ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद पाली

कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएं और सुविधाएं पड़ी अधूरी

धरना प्रदर्शन ज्ञापन के बाद भी रेलवे संघर्ष समिति के हाथ खाली

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

जिले की जनता वर्षों से बेहतर रेल सुविधाओं की मांग कर रही है लेकिन आज भी कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाएं और सुविधाएं अधूरी पड़ी हैं। जिले के नागरिकों विद्यार्थियों कर्मचारियों व्यापारियों तथा सामाजिक संगठनों का कहना है कि मंडला जैसे महत्वपूर्ण जिले को अब भी वह रेल सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं जिनकी आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। विशेष रूप से मंडला फोर्ट से पेंचवेली एक्सप्रेस के पुनः संचालन की मांग लगातार उठाई जा रही है लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है।

इससे जिले के हजारों यात्रियों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे संघर्ष समिति ने एक बार फिर जिले की रेल समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए रेलवे मंत्रालय रेलवे प्रशासन तथा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से शीघ्र हस्तक्षेप करने मांग की है। समिति का कहना है कि यदि समय रहते इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।

जिले के लोगों के लिए पेंचवेली एक्सप्रेस एक महत्वपूर्ण रेल सेवा रही है। इस ट्रेन के माध्यम से मंडला क्षेत्र के यात्रियों को जबलपुर, छिंदवाड़ा तथा नागपुर जैसे प्रमुख शहरों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। विद्यार्थियों नौकरीपेशा लोगों व्यापारियों और मरीजों के लिए यह ट्रेन बेहद उपयोगी साबित होगी। वर्तमान में यात्रियों को या तो सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ता है या फिर लंबी और असुविधाजनक रेल यात्राएं करनी पड़ती हैं। रेलवे संघर्ष समिति का कहना है कि पेंचवेली एक्सप्रेस का संचालन केवल एक रेल सुविधा नहीं बल्कि मंडला जिले की

आवश्यकता बन चुका है। समिति के सदस्यों का कहना है कि जिले की जनता लगातार ज्ञापन आवेदन और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी मांग रेलवे प्रशासन तक पहुंचाती रही है लेकिन अब तक कोई संतोषजनक परिणाम सामने नहीं आया है।

मंडला और जबलपुर के बीच प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। इनमें सरकारी कर्मचारी विद्यार्थी व्यापारी मरीज तथा विभिन्न कार्यों से यात्रा करने वाले नागरिक शामिल हैं। हालांकि वर्तमान में रेल सेवा उपलब्ध है लेकिन ट्रेन की गति धीमी होने तथा यात्रा समय अधिक लगने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी होती है। कई यात्रियों का कहना है कि सड़क मार्ग से यात्रा करने में कभी-कभी कम समय लगता है जबकि रेल यात्रा अपेक्षाकृत अधिक समय लेती है। इससे नियमित रूप से यात्रा करने वाले लोगों का समय और आर्थिक संसाधन दोनों प्रभावित होते हैं।

रेलवे संघर्ष समिति ने मांग की है कि जबलपुर-मंडला पैसेंजर अथवा मेमू ट्रेन का यात्रा समय कम किया जाए तथा ट्रैक और परिचालन व्यवस्था में आवश्यक सुधार कर यात्रियों को तेज और सुविधाजनक सेवा उपलब्ध कराई जाए। जिले के लोगों की एक प्रमुख मांग मंडला से भोपाल के लिए सीधी रात्रिकालीन ट्रेन प्रारंभ करने की भी है। राजधानी भोपाल में विभिन्न शासकीय कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सा सुविधाएं तथा रोजगार संबंधी अवसर उपलब्ध हैं।

जिले के अनेक नागरिकों को समय-समय पर भोपाल जाना पड़ता है। वर्तमान में सीधी और सुविधाजनक रेल सेवा उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को कई बार अतिरिक्त समय और धन खर्च करना पड़ता है। यदि मंडला-भोपाल रात्रिकालीन ट्रेन शुरू होती है तो इससे हजारों यात्रियों को लाभ मिलेगा तथा जिले का राजधानी से संपर्क और मजबूत होगा। नागपुर मध्य भारत का एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक, शैक्षणिक और स्वास्थ्य केंद्र है।

मंडला जिले के अनेक लोग शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और चिकित्सा कार्यों के लिए नागपुर जाते हैं। वर्तमान में सीधी और सुविधाजनक रात्रिकालीन रेल सेवा उपलब्ध नहीं होने से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। रेलवे संघर्ष समिति का कहना है कि मंडला-नागपुर रात्रिकालीन ट्रेन शुरू होने से न केवल यात्रियों को सुविधा मिलेगी बल्कि क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे मंडला जिले का संपर्क देश के प्रमुख शहरों से और अधिक मजबूत हो सकेगा। रेलवे संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

मुख्य सचिव लेंगे समीक्षा बैठक

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 25 जून को अपराह्न 4 बजे जिलों की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को समीक्षा बैठक में आवश्यक जानकारी सहित उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। बैठक में स्वास्थ्य एवं पोषण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास शिक्षा सुशासन कानून एवं व्यवस्था, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस कनेक्शन की अद्यतन स्थिति, एमपी ई-सेवा पोर्टल, उल्लास साक्षरता मिशन तथा पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण जैसे विषयों की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर की गई कार्रवाई, संबल योजना अंतर्गत पंजीयन आवेदनों की स्थिति, वर्तमान में पंजीकृत निर्माण स्थलों की जानकारी, डॉग बाइट प्रकरण, सीएम प्रगति एवं पीजी सेल, मोबाइल टॉवर स्थापना तथा भूमि आवंटन, आईबी, सीबीआई, शासकीय विभागों एवं भू-अर्जन से संबंधित प्रकरणों की भी विस्तृत समीक्षा की जाएगी।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विश्व सिकल सेल दिवस के उपलक्ष्य में निजी संस्था पूर्वायु वेलनेस फाउंडेशन की ओर से एक निजी होटल में निःशुल्क सिकल सेल जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आयुष विभाग मंडला की टीम ने सिकल सेल से ग्रसित मरीजों की जांच की और उन्हें बीमारी के लक्षण बचाव व प्रबंधन के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। मरीजों को आयुर्वेदिक औषधियाँ भी निःशुल्क वितरित की गईं। विशेषज्ञों ने बताया कि सिकल सेल अनुवांशिक बीमारी है जिसमें सही खानपान आयुर्वेदिक उपचार और नियमित देखभाल से मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं। शिविर में डॉ. सीमा भवेदी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, डॉ. ममता धुर्वे आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी और डॉ. मुकेश कुमार महाजन होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी ने सेवाएं दीं।

जागरूकता प्रशिक्षण 25 जून को

मण्डला (स्वतंत्र मत)। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले में नशामुक्ति जनजागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 25 जून को प्रातः 10:30 बजे जिला पंचायत परिसर में किया जाएगा। यह प्रशिक्षण मध्यप्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान वाल्मी, भोपाल द्वारा प्रदेश के मास्टर वॉलंटियर्स के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के मास्टर वॉलंटियर्स के साथ-साथ पुलिस विभाग, नारकोटिक्स विभाग, सीएमएचओ, सीईओ जनपद पंचायत, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा।

आज मनायेंगे बलिदान दिवस

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिला कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार वीरांगना रानी दुर्गावती एवं राजा शंकरशाह-रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस के अवसर पर आज प्रातः 9 बजे से रानी दुर्गावती बलिदान दिवस का आयोजन रपटा घाट स्थित रानी दुर्गावती स्मारक परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समुचित व्यवस्थाओं के लिए सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को नोडल अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंडला को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

रोजगार मेले मिलेगा प्रशिक्षण

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिले में प्रस्तावित रोजगार मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने मनेरी क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों से रिक्त पदों की जानकारी एकत्रित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाए जिससे रोजगार मेले के माध्यम से अधिकाधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में टीएल पत्रों की प्रकरणवार समीक्षा करते हुए समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में सुनी समस्याए

मण्डला (स्वतंत्रमत)। राज्य शासन के निर्देशानुसार जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन मंगलवार को जिला योजना भवन में किया गया। इस जनसुनवाई में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने दूर-दराज से आए नागरिकों की समस्याओं को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुना और कुल 117 आवेदनों पर संज्ञान लिया।

बलिदान दिवस पर रज कलश पूजन आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। वीरांगना रानी दुर्गावती के जन्मस्थल कालिंजर किला जिला बांदा उत्तर प्रदेश से पवित्र रज कलश मंडला जिले में पहुंच चुका है। यह रज कलश रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के अवसर पर नारी शक्ति, स्वाभिमान एवं राष्ट्र गौरव के जागरण के उद्देश्य से जिले में लाया गया है। रज कलश का विधिवत पूजन कार्यक्रम आज प्रातः 10 बजे माहिष्मती घाट में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों मातृशक्ति युवाओं एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहेगी। समाजसेवी सुधीर कांसकार ने बताया कि यह रज कलश जिले के विभिन्न ग्रामों में भी भ्रमण करेगा जहां रानी दुर्गावती के अदम्य साहस, त्याग बलिदान एवं स्वाभिमान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में विशेष रूप से महिलाओं के आत्मसम्मान नेतृत्व क्षमता एवं सांस्कृतिक चेतना का जागरण करना है। जिले के समस्त नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित होकर वीरांगना रानी दुर्गावती को श्रद्धांजलि अर्पित करें तथा इस ऐतिहासिक अवसर के सहभागी बनें।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की बैठक सम्पन्न

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भारतीय जनसंघ के संस्थापक प्रख्यात शिक्षाविद एवं राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा सहित उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके तैल्यचित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष श्री मिश्रा ने अपने उद्बोधन में डॉ. मुखर्जी के जीवन चरित्र राष्ट्र निर्माण अखंड भारत एवं राष्ट्रीय एकता के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यकर्ताओं ने

उनके बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्र सेवा एवं संगठन सुदृढ़ीकरण का संकल्प भी लिया।

इसके उपरांत भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की जिला बैठक आयोजित की गई जिसमें अजा मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं संभाग प्रभारी सौरभ बावरिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। श्री बावरिया ने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की शक्ति है। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा अनुसूचित जाति वर्ग के बीच पार्टी की नीतियों और विचारधारा को प्रभावी ढंग से प्रचारित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष जयदत्त झा, जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल, पूर्व विधायक डॉ. शिवराज शाह, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष जुगल किशोर बघेल, रानू राजपूत, अनीता अहिरवार, राधेश्याम झारिया, कृष्ण कुमार झारिया, प्रदीप झारिया, सचिन डेहरिया, छाया सिसोदिया, श्रीमती अनुसुइया महोबिया, श्रीमती ललिता लाहौरिया, लक्ष्मण गोहिया, नीरज कांडरा, अमर झारिया, बसंत चौधरी, शैल जैन, पारस असरानी, आनंद जैन, सुदीप चौरसिया सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वंदनीय हमारा प्रदेश पत्रिका का विमोचन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पर्यावरण जल एवं वायु परिवर्तन आयोग दिल्ली श्री श्याम मंदिर अग्रसेन ट्रस्ट सिलगी बम्हनी सामाजिक संस्था भागीरथ सेवा विकास परिवार तथा स्वयं सिद्ध पैरामेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में योग पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में योगाभ्यास, वृहद पौधारोपण तथा वंदनीय हमारा प्रदेश पत्रिका के विमोचन जैसे महत्वपूर्ण आयोजन संपन्न हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान अपनी बहादुरी और साहस से सैकड़ों लोगों की जान बचाने वाले पूर्व एनएसजी कमांडो एवं दिल्ली के पूर्व विधायक कमांडो सुरेंद्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कमांडो सुरेंद्र सिंह, श्रीश्याम मंदिर अग्रसेन ट्रस्ट अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, वंदनीय हमारा प्रदेश पत्रिका के प्रकाशक

एवं संपादक डॉ. अजय वंशकार सहित अन्य अतिथियों द्वारा श्रीखाटू श्याम के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलित कर किया गया योग दिवस के अवसर पर आयोजित योग सत्र में स्वंय सिद्ध इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल कॉलेज के छात्र छात्राएं और नागरिकों, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम कराए गए। सिलगी श्री खाटू श्याम मंदिर परिसर में पांच फीट से अधिक ऊंचाई वाले पौधों का वृहद पौधारोपण भी किया गया अतिथियों एवं उपस्थित नागरिकों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि कमांडो सुरेंद्र सिंह ने उद्बोधन में योग के महत्व राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका तथा पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर पत्रिका के प्रकाशक एवं संपादक डॉ. अजय वंशकार ने पत्रिका के उद्देश्य विचारधारा एवं सामाजिक सरोकारों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पत्रिका समाज, संस्कृति, शिक्षा, पर्यावरण एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से प्रकाशित करने का कार्य कर रही है कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार समाजसेवी नीरज अग्रवाल समाजसेवी विकास जायसवाल, डॉ समीर साहू श्रीमती वर्षा तिवारी समेत सैकड़ो नागरिक उपस्थित रहे।

झोलाछाप डॉक्टर की क्लीनिक सील

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन में स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मवई क्षेत्र के घुटास उमरिया तिराहा स्थित झोलाछाप डॉक्टर की क्लीनिक पर छापामार कार्यवाही की गई प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई जाँच में क्लीनिक का संचालन अवैध रूप से किए जाने की आशंका पाए जाने पर अग्रिम कार्यवाही तक क्लीनिक को सील कर दिया गया है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने बताया कि मिथुन कुमार लिखाके द्वारा संचालित क्लीनिक के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत के सत्यापन के लिए स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग की संयुक्त निरीक्षण टीम ने मौके पर पहुंचकर क्लीनिक का निरीक्षण किया तथा आवश्यक अभिलेखों एवं तथ्यों की जांच की। इस दौरान उपलब्ध साक्ष्यों का भी संकलन किया गया प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध रूप से चिकित्सा कार्य करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही जारी रहेगी।

राष्ट्रीय शिविर प्रतिभागियों का हुआ सम्मान

मण्डला (स्वतंत्रमत)। काशी विश्वनाथ वैदिक गुरुकुल जिलेहरी घाट ग्राम गयाजीपुर के तत्वाधान में राष्ट्रीय शिविर प्रतिभागियों के स्वागत एवं शौर्य प्रदर्शन समारोह का आयोजन किया गया। गुरुकुल कुरुक्षेत्र हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय शिविर में सहभागिता कर लौटे आर्य वीर एवं आर्य वीरांगनाओं ने अपने अनुशासन साहस आत्मरक्षा कौशल एवं वैदिक संस्कारों का प्रेरणादायक प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संतोष गोयल, समाजसेवी एवं प्रतिष्ठित व्यापारी, बम्हनी तथा विशिष्ट अतिथि कल्पना नामदेव, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुकुल एवं गौशाला समिति के अध्यक्ष प्रेमलाल गुप्ता ने की।

साथ ही उनके सभी सहपाठी पूर्व सैनिकों, पतंजलि समिति के सभी सदस्य, आर्य समिति के अध्यक्ष विभू आर्य, सनातन धर्मोत्सव समिति अध्यक्ष रंजीत कछवाहा, ओम मॉडल स्कूल प्राचार्य एवं गुरुकुल समिति के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों की उपस्थिति ने कार्यक्रम किया गया। सभी अतिथियों ने राष्ट्रीय शिविर से लौटे प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन अनुशासन राष्ट्रभक्ति एवं वैदिक संस्कृति के प्रति समर्पण की सराहना की। अतिथियों ने बच्चों को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने संस्कारयुक्त शिक्षा ग्रहण करने तथा समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

नैनपुर में ईंधन संकट : तीन पंप सूखे, नागरिक बेहाल

सड़क किनारे खुले में बिक रहा है पेट्रोल

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर में इन दिनों पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि तीन-तीन पेट्रोल पंप होने के बावजूद सभी पंप सूखे पड़े हैं, जिससे वाहन चालकों और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रोजमर्रा के कामकाज के लिए ईंधन की उपलब्धता न होने से वे खासे परेशान हैं। स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र हों या कामकाजी लोग, सभी इस संकट से जूझ रहे हैं। किसानों के लिए भी यह स्थिति किसी मुसीबत से कम नहीं है, क्योंकि डीजल के अभाव में कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

हैरानी की बात यह है कि नैनपुर से सटे सिवनी जिले के केवलारी और छोटे से गांव खैररांजी के पेट्रोल पंपों पर ईंधन आसानी से उपलब्ध है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर नैनपुर में ही इस तरह की किल्लत क्यों बनी हुई है।

इस संकट का एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि नगर में खुलेआम अवैध रूप से पेट्रोल की बिक्री हो रही है। सड़कों के किनारे बोतलों और डिब्बों में पेट्रोल बेचने का सिलसिला धड़ल्ले से जारी है, जहां उपभोक्ताओं से मनमाने दाम वसूले जा रहे हैं। मजबूरी में लोग अधिक कीमत चुकाकर भी यह पेट्रोल खरीदने को विवश हैं, जिससे उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस गंभीर समस्या को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से अब तक कोई ठोस पहल या जांच नजर नहीं आ रही है। न तो किल्लत के कारणों का खुलासा हो पाया है और न ही इसके समाधान के लिए कोई ठोस कदम उठाए गए हैं।

नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द ईंधन आपूर्ति सुचारु कराई जाए, अवैध बिक्री पर रोक लगाई जाए और इस समस्या के पीछे के कारणों की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

‘ऑपरेशन यात्री सुरक्षा’ विशेष अभियान

मोबाइल चोरी प्रकरण के दो फरार आरोपी गिरफ्तार

नैनपुर प्लेटफार्म में चोरी की वारदात को दिया अंजाम

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा ‘ऑपरेशन यात्री सुरक्षा’ अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत यात्रियों की सुरक्षा एवं उनके सामान की चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण देखने मिल रहा है। यात्री सुरक्षा अभियान के तहत मोबाइल चोरी के एक मामले में फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। बताया गया कि दिनांक 06 जून को नैनपुर रेलवे स्टेशन के फुटओवर ब्रिज पर एक यात्री का मोबाइल चोरी हो गया था। इस संबंध में शासकीय रेल पुलिस (जीआरपी), नैनपुर में अपराध क्रमांक 09/2026, धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे सुरक्षा बल एवं शासकीय रेल पुलिस द्वारा आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में 16 जून को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर जीआरपी नैनपुर एवं आरपीएफ की संयुक्त टीम ने घंसौर क्षेत्र के ग्राम रूपदौन में कार्रवाई करते हुए महेश तुलसीराम परते, निवासी बिजटोला, चौकी रूपदौन, तहसील घंसौर, जिला सिवनी को हिरासत में लिया। उसके कब्जे से चोरी गया मोबाइल बरामद किया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने उक्त मोबाइल को घंसौर स्थित एक मोबाइल दुकान से खरीदा जाना बताया। प्राप्त जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई करते हुए संबंधित दुकान पर दबिश दी गई, किंतु दुकान संचालक मौके पर नहीं मिला। इसके पश्चात लगातार निगरानी एवं खोजबीन के दौरान दिनांक 19 जून को उक्त मोबाइल दुकान, घंसौर के संचालक अशोक यादव (उम्र 37 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को प्रकरण में संलिप्त पाए जाने पर जीआरपी नैनपुर द्वारा नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई।

यह कार्रवाई मुन्नवर खुर्शीद, महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के निर्देशन तथा चेतन दिलीपराव जिजकार, मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, नागपुर मंडल के मार्गदर्शन में संपन्न की गई। रेलवे सुरक्षा बल, नागपुर मंडल द्वारा ‘ऑपरेशन यात्री सुरक्षा’ के अंतर्गत रेलगाड़ियों एवं रेलवे परिसरों में यात्रियों के सामान की चोरी की घटनाओं की रोकथाम तथा अपराधियों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान निरंतर चलाया जा रहा है।

रेलवे सुरक्षा बल ने यात्रियों से अपील की है कि रेलगाड़ियों, रेलवे स्टेशनों एवं स्टेशन परिसरों में किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, संदिग्ध गतिविधि अथवा लावारिस वस्तु दिखाई देने पर तत्काल निकटतम आरपीएफ पोस्ट, ड्यूटी पर तैनात रेलवे कर्मचारी, टीटीई अथवा रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर सूचना दें । ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं लखन तीतुस बर्मन(LAKHAN TITUS BARMAN) पिता मंगल सिंह बर्मन, (MANGAL SINGH BARMAN) माता सुत्ती बाई बर्मन(SUTTI BAI BARMAN) निवासी ग्राम सकरी, ग्राम पंचायत कौंआडोंगरी, तहसील घुघरी जिला मंडला का स्थाई निवासी हूं। यह है कि मेरे कुछ दस्तावेजों में (पुराना नाम) लखन लाल बर्मन (LAKHAN LAL BERMAN), (LAKHAN LAL BARMAN) लिखा है एवं पिता का नाम मंगल सिंह (MANGAL SINGH) और माता का नाम सुक्ती बाई (SUKTI BAI)दर्ज है, जबकि मेरा सही वर्तमान नाम लखन तीतुस बर्मन(LAKHAN TITUS BARMAN) एवं पिता मंगल सिंह बर्मन, (MANGAL SINGH BARMAN) और माता सुत्ती बाई बर्मन(SUTTI BAI BARMAN) है। अतः मैं यह घोषणा करता हूं कि लखन तीतुस बर्मन(LAKHAN TITUS BARMAN) एवं लखन लाल बर्मन (LAKHAN LAL BERMAN), (LAKHAN LAL BARMAN) एक ही व्यक्ति के नाम है दोनो नाम मेरे ही हैं लेकिन मेरा सही नाम लखन तीतुस बर्मन(LAKHAN TITUS BARMAN) है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाता है। इस बात की मैं शपथ करता हूं।

शपथकर्ता
लखन तीतुस बर्मन
(LAKHAN TITUS BARMAN)
नवासी ग्राम सकरी, ग्राम पंचायत
कौंआडोंगरी तहसील घुघरी जिला मंडला

संपादकीय

क्या ट्रस्ट भी 'दैवीय' है

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा-चोरी के संदर्भ में अब यह अहम सवाल है कि ट्रस्ट को भंग क्यों नहीं किया गया? ट्रस्ट के सदस्यों और उनके पालतू चंपुओं पर सिर्फ चढ़ावे की चोरी-डकैती के ही आरोप नहीं हैं, बल्कि भगवान राम को पहनाए गए, हीरे-जवाहरात के हार, चांदी की चरण-पादुका, अन्य गहने-आभूषण गायब करने के भी संवेदनशील आरोप हैं। फिर आरोपित राम मंदिर के ट्रस्ट में क्यों हैं? ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा पर राम मंदिर में ही इंजीनियर रहे दीनानाथ वर्मा के भ्रष्ट आरोप हैं कि वह निर्माण-कार्यों में 40 फीसदी कमीशन मांगते थे। फर्जी बिल बना कर निर्माण-कार्यों में मोटा घोटाला किया गया है। हम इन आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन कीचड़ तो उछला है! सबसे अधिक आपत्तिजनक और अवैध यह माना जा रहा है कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'नजूल की जमीन' कैसे और क्यों खरीदी? एक उदाहरण सामने आया है कि 2.92 करोड़ रुपए की नजूल-भूमि 23-24 करोड़ रुपए में क्यों खरीदी गई? नजूल की जमीन सरकारी संपत्ति होती है, जो राज्य सरकार को सौंपी जाती है। यह जमीन लीज, पट्टे पर तो दी जा सकती है, लेकिन इसे बेचा-खरीदा नहीं जा सकता। जमीन से जुड़ी ऐसी भ्रष्ट विसगतियों के आरोप तब से लगाए जा रहे हैं, जब राम मंदिर का निर्माण शुरू भी नहीं हुआ था। अभी दो-तीन दिन पहले उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के प्रवास पर थे, लेकिन ट्रस्ट को स्पष्ट आदेश दिए गए थे कि चंपत राय और अन्य आरोपितों, संदिग्धों को उनसे दूर रखा जाए। आखिर क्यों? क्या विशेष जांच टीम ने मुख्यमंत्री को कुछ 'विस्फोटक खुलासे' किए हैं? चंपत राय समेत अनिल मिश्रा, गोपाल राव, सुभाष श्रीवास्तव आदि पर संगीन आरोप हैं और सभी आरएसएस के पदाधिकारी रह चुके हैं। क्या सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और प्रधानमंत्री मोदी इसीलिए खामोश हैं? प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव रह चुके एवं राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र ने टीवी चैनलों के साक्षात्कारों में चढ़ावा-चोरी को 'डाका' करार दिया है और नजूल की जमीन खरीदने पर सवाल उठाए हैं। इसके बावजूद चंपत राय की चारित्रिक निष्ठाएं गाई जा रही हैं कि वह पूजा की थाली का चावल तक चुरा नहीं सकते। फकत फकीर और संत किस्म के व्यक्ति हैं। सवाल है कि जिस मंदिर में करोड़ों रुपए का दान आता हो, करोड़ों रुपए निर्माण और व्यवस्था पर खर्च किए जाते रहे हों, क्या उसके प्रशासन का दायित्व किसी 'संत-फकीर' को सौंपा जा सकता है? क्या ट्रस्ट भी 'दैवीय' है अथवा ट्रस्ट के सदस्य या संबद्ध लोग खास 'राम-भक्त' हैं? सर्वोच्च अदालत के निर्देश पर, प्रधानमंत्री मोदी के आदेश पर, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह ट्रस्ट गठित किया था। ऐसे क्या सुर्खाव के पर लगे हैं, जो इसे खंडित नहीं किया जा सकता? वैसे अब चर्चा सुनी जा रही है कि एक हालिया सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी को राम मंदिर ट्रस्ट का सीईओ बनाया जा सकता है, लिहाजा कुछ चेहरों पर गाज भी गिर सकती है। दरअसल हमारी अगाध आस्था है कि प्रभु राम देश की आत्मा हैं, प्राण हैं, जिंदगी हैं, मन-विचार हैं, प्रार्थना हैं और असीमित मर्यादा हैं। करोड़ों राम-भक्तों की ऐसी आस्थाओं, भक्ति को धोखा नहीं दिया जा सकता। यह धारणा पैदा नहीं की जा सकती कि राम मंदिर भी लूट, चोरी-चकारी का अड्डा है। राम के प्रति जरा-सा भी मोहभंग यह देश बर्दाश्त नहीं करेगा। यहां कोई 'राम-नाम' की लूट नहीं मची है कि कोई भी लूट ले!

युद्धों का चेहरा बदलता अदना-सा ड्रोन

गुरबचन जगत

लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर के डीजीपी रहे हैं

तेरहवीं सदी में इंग्लिश लॉन्गबो (एक किस्म का लंबा धनुष) खतरनाक हथियार के तौर पर उभरा। इसको 13वीं और 15वीं सदी के बीच इंग्लैंड की सैन्य ताकत के दबदबे का प्रतीक माना जाता है। मध्ययुगीन युद्धों में लड़ाई की तकनीक में भी यह एक बड़ा बदलाव लेकर आया-इंग्लैंड की सैन्य ताकत कवच धारी कुलीनों से हटकर आम लोगों से बने तीरंदाजों की भुजाओं में आ गई। यह बदलाव इतना अहम था कि एडवर्ड तृतीय ने शाही फरमान जारी किया- '...प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति रविवार व छुट्टियों के दिन तीरंदाजी का अभ्यास करेगा, और अन्य सभी खेलों पर रोक होगी।'

एजिनकोर्ट की लड़ाई (सन 1415) शायद इस शक्ति परिवर्तन की बेहतरीन मिसाल है, जिसमें लगभग 7,000 सैनिकों की (इनमें 5,000 तीरंदाज थे) की छोटी सी इंग्लिश सेना ने कवच से लैस घुड़सवार योद्धाओं वाली विशाल फ्रांसीसी सेना (जिसमें करीब 20,000 सैनिक थे) को हरा दिया। लॉन्गबो ने आम लोगों को सैन्य ताकत का अहम हिस्सा बना दिया और व्यापार व कारीगरी की पूरी इकॉनोमी को आगे बढ़ाया।

शेक्सपियर ने अपने नाटकों में, एजिनकोर्ट की लड़ाई से पहले किंग हेनरी पंचम के संवादों से इस बदलाव को अमर बना दिया- 'हम कुछ लोग, चंद खुशकिस्मत लोग हैं, भाइयों से बना हमारा समूह है; जो कोई आज मेरे साथ अपना खून बहाएगा वह मेरा भाई होगा; चाहे वह कितने भी निम्न तबके से क्यों न हो, आज का दिन उसकी हैसियत ऊंचा उठाने वाला होगा।' वर्तमान में ड्रोन एक खतरनाक हथियार बन चुका है। यह आधुनिक युद्ध के तौर-तरीकों को बदल रहा है, जिसमें, कहीं छोटे देश भी महाशक्तियों की सैन्य ताकत का मुकाबला कर रहे और धूल चटा रहे हैं। यह होते हमने रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-इस्राइल-ईरान संघर्ष में देखा है।

गोलियथ (विशालकाय योद्धा) का मुकाबला डेविड इसलिए कर पाया कि उसने पास नए मारक हथियार के रूप में गुलेल थी, आज वही गुलेल ड्रोन का रूप धर चुकी है। सस्ते और बड़े पैमाने पर बनने वाले ड्रोनों ने विशाल सेनाओं व जंगी बेड़ों का मुकाबला करने में कामयाबी हासिल की है।

आइए रूस का उदाहरण लें। रूस लंबे समय से यूक्रेन पर हमला करने और कब्जे में लेने की योजना बना रहा था। निरंतर अपना विस्तार कर रहे नाटो ने उसे ऐसा करने का बहाना दे दिया; नाटो ने यूक्रेन को सदस्य बनाकर, रूसी सीमाओं तक पहुंचकर उसके लिए खतरनाक बनना चाहा। रूसियों ने 'विशेष सैन्य अभियान' शुरू किया, जो कि दरअसल एक पूर्ण-स्तरीय हमला था।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की थी कि कुछ ही दिनों में यह अभियान पूरा हो जाएगा। टीवी पर बख्तरबंद गाड़ियों के काफिले यूक्रेन में घुसते देखे गए। हालांकि, उन्होंने दुश्मन को कमतर आंकने की बड़ी गलती की। यूक्रेन को अमेरिका और नाटो का समर्थन मिला, खासकर हथियार, गोला-बारूद और खुफिया जानकारी के मामले में। धीरे-धीरे रूसी सेना मुश्किलों में फंसती गई। यूक्रेन ने शनैः-शनैः विशाल रूसी सेना की बढ़त रोक दी। 'द हिंदू' के हालिया लेख में कहा गया : 'यूक्रेन ने आम ड्रोन, जो आम लोगों के इस्तेमाल के लिए बनाए गए थे, को तेजी से जासूसी और हमलावर प्रणाली में बदल दिया। जो फौरन निर्णायक युद्ध क्षमता में बदल गई, क्योंकि छोटे क्वाडकॉप्टर और फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन को हथियारों से लैस कर कम लागत वाली किंतु सटीक निशाना लगाने वाली हथियार प्रणाली के तौर पर प्रयोग किया।' ड्रोन तबाही मचाने वाले सक्रिय हथियार बन गए और 2024 तक, यूक्रेनी सेना की लगभग हर टुकड़ी उससे लैस हो गई। तब से ड्रोन का विकास बहुत तेज़ी से हुआ। ड्रोन ने युद्ध की दिशा-दशा बदल दी; बचाव की मुद्रा में रहने के बजाय, यूक्रेन अब रूस के गहरे अंदर तक हमले कर रहा। 'तीन दिन' का अभियान ऐसे युद्ध में बदल गया है, जो अब पांचवें साल में है।

इस संदर्भ में ईरान के साथ अमेरिका-इस्राइल युद्ध का ज़िक्र करना भी ज़रूरी है। अमेरिकियों ने खाड़ी क्षेत्र में विशाल सैन्य बेड़े भेजे, सैनिक जमा किए और अपनी ताकतवर वायु सेना को तैनात किया, साथ ही ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की। इसके बाद, इस्राइल संग मिलकर हवाई हमले किए और ईरान के आध्यात्मिक, सैन्य और खुफिया नेतृत्व को खत्म कर दिया, और ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटाने तक की धमकी दी। अमेरिका ने ईरानियों की सभ्यतागत जीवट और इतिहास, तथा लाखों ड्रोन और मिसाइलों बनाने में उनकी तरक्की, उनके दूसरे एवं तीसरे स्तर के उनके नेतृत्व, और रणनीतिक व सामरिक सूझबूझ को अनदेखा किया-अहंकार और गलतियों ने फिर एक महाशक्ति को मात दे दी।

ईरानियों ने ड्रोन और मिसाइलों से खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों और अमेरिकी सहयोगियों के बुनियादी ढांचे पर हमले किए। इस्राइल पर भी ऐसे हथियारों से लगातार हमले किए। व्यापारिक जहाजरानी पर ड्रोन व मिसाइल हमलों के भय का इस्तेमाल कर होर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद कर देना, रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक रहा; इसने पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला दिया। पुनः, एक प्रतिबद्ध सेना के हाथ में बड़ी संख्या में आम ड्रोनों ने क्षमता से कहीं ज़्यादा असर दिखाया और एक महाशक्ति व उसके सैन्य तंत्र को ठप कर डाला।

जैसे-जैसे ड्रोन से शक्ल पाकर 'अनघड़ लड़ाई' युद्धक्षेत्र का स्वरूप बदल रही है, इतिहास में इस किस्म की उथलपुथल से आगे चलकर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन होते आए हैं। अंग्रेज़ों का 'लॉन्गबो' इसका उदाहरण था। इतिहास में ऐसे अन्य उदाहरण भी हैं। जैसे-जैसे सत्ता का संतुलन बदलता है और पुरानी व्यवस्था टूटती है, नए साम्राज्य और गठबंधन बनते हैं। इस प्रक्रिया में कितना समय लगेगा, कोई नहीं जानता, लेकिन 'बदलाव' की प्रक्रिया अपरिहार्य है। सवाल है कि इन सबका भारत पर क्या असर पड़ेगा। मैंने अपने पिछले लेखों में चीन-पाकिस्तान-बांग्लादेश गठजोड़ के बारे में जिक्र किया है। जैसे-जैसे अमेरिका और चीन पर पाकिस्तान का प्रभाव बढ़ेगा, वैसे-वैसे उसकी महत्वाकांक्षाएं बढ़ेंगी (इस बाबत उसने जम्मू-कश्मीर को लेकर कई बार खुलकर कहा)। अमेरिका और रूस की गलतियों का फायदा चीन को ही होगा और वह उत्तर-पूर्व और लद्दाख में इलाकाई विवाद के अलावा भारत के साथ व्यापार के मामले में भी आक्रामक रुख अपनाए है। 21वीं सदी में जो एआई, रोबोट, ड्रोन और उर्जा उपयोग परिवर्तन का युग है- सैन्य और आर्थिक नए गठबंधन बनेंगे। अमेरिका पहले ही पुरानी मुक्त-व्यापार व्यवस्था भंग कर नए बदलाव लागू कर रहा है। चीन व उसकी औद्योगिक-व्यापारिक ताकत ने ही बदलाव करने को मजबूर किया। 18वीं और 19वीं सदी में, 'बड़ी ताकतों' में दुनिया को अपना उपनिवेश बनाने और उनके संसाधन उड़ाने की होड़ थी। आज, एक बार फिर सत्ता का पहिया घूम रहा है क्योंकि बड़ी ताकतें नियंत्रण और दबदबे के लिए होड़ कर रही हैं। इस उथल-पुथल भरे दौर में भारत को फौरन अपनी दिशा खोजनी होगी। बेरोजगारों की बढ़ती संख्या से हमारी अर्थव्यवस्था 'मध्य आय जाल' में फंसती जा रही है। स्नातक शिक्षित अधिकांश युवाओं की तन्खवाह इतनी नहीं जो आयकर योग्य सीमा में आ सके और उन्हें महंगाई से जूझना पड़ रहा है। महंगाई संग बेरोज़गारी, एक खतरनाक मिश्रण है, जिसका इस्तेमाल हमारे हितों के खिलाफ काम करने वाले तत्व अशांति फैलाने को कर सकते हैं। एफवीपी ड्रोन ने दिखाया है कि एकल ऑपरेटर द्वारा चालित यह उपकरण कितना नुकसान पहुंचा सकता है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात और उत्तर-पूर्व में लगातार ड्रोन घुसपैठ कर रहे हैं जिनका इस्तेमाल हथियार, गोला-बारूद और ड्रग्स की तस्करी के लिए किया जा रहा है। उत्तर-पूर्व, जम्मू-कश्मीर आदि में जारी तनावपूर्ण मुद्दों को सबको साथ लेकर चलने की भावना के साथ सुलझाना चाहिए। एकजुट होकर, देश को रणनीतिक साझेदारी और कूटनीति के ज़रिए अपने गठबंधनों को मज़बूत करने चाहिये। रूस और अमेरिका के अनुभवों को देखते हुए, भारत को अपनी लघु और दीर्घ कालीन सैन्य रणनीतियों पर पुनर्विचार करने और नए हथियार प्रणाली खरीदने के अलावा नूतन प्रतिकार उपाय अपनाने की ज़रूरत है।

हमेशा मानवता ने चुकाई है महत्वाकांक्षी युद्धों की कीमत

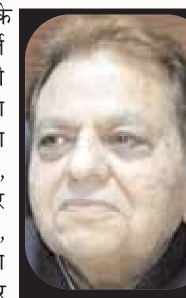

सुरेश सेठ

लेखक साहित्यकार हैं

पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से विश्व अलग-अलग क्षेत्रों में युद्ध की विभीषिका झेल रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध? के चलते दोनों देशों की संपत्ति और विश्व आपूर्ति शृंखला को नुकसान हुआ। दुनिया की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई और श्रम शक्ति का विस्थापन हुआ। लेकिन लड़ाई समाप्त होने का नाम नहीं ले रही। पश्चिमी एशिया में अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी तनाव और अस्थिर संघर्ष, भले ही टलने की स्थिति में दिखे, लेकिन यह मानवता के लिए गंभीर क्षति पहुंचा रहा है। साथ ही चीन-ताइवान तनाव से एक और वैश्विक युद्ध का खतरा बढ़ता दिखता है। यदि यह संघर्ष भारत की सीमाओं तक पहुंचा, तो न केवल विश्व अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि भारत भी तमाम आर्थिक चुनौतियों का सामना कर सकता है। अमेरिका-ईरान युद्ध से यूं तो पूरी दुनिया प्रभावित है, लेकिन विकासशील अर्थव्यवस्थाएं गहरे तक प्रभावित हो रही हैं। यह युद्ध 28 फरवरी को अमेरिका द्वारा खाड़ी स्थित ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने और संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा करने के कथित लक्ष्य के साथ शुरू हुआ। वास्तव में इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का युद्ध में कूदने का उद्देश्य अपनी राजनीतिक सुरक्षा था। अमेरिका ने अपनी शक्ति पर गुमान करते हुए युद्ध छेड़ा, लेकिन इसके परिणामस्वरूप संघर्ष की विभीषिका से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा गई। इस संघर्ष का परिणाम यह हुआ कि अमेरिका-ईरान युद्ध में 14 देश प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हो गए, क्योंकि खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डे स्थित थे। ईरान ने मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। दो महीने बाद शांति वार्ता शुरू हुई, लेकिन दोनों पक्ष बातचीत के लिए तैयार नहीं थे। अमेरिका संवर्धित यूरेनियम पर कब्जा और होर्मुज मार्ग खुलवाना चाहता है, जबकि ईरान के फ्रीज खातों को खोलने और प्रतिबंध हटाने पर सहमति नहीं दे रहा था। दूसरी ओर, ईरान ने होर्मुज के मुहाने पर नाकाबंदी कर दी है, जिससे तेल और गैस के टैंकर अटक गए हैं। अमेरिका भी ओमान की खाड़ी में नाकाबंदी कर रहा है। इससे दुनिया भर में कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति का संकट पैदा हुआ है, जिससे तमाम देशों में महंगाई और ऊर्जा संकट उत्पन्न हो गया है। आर्थिक विश्लेषक कहते हैं कि इस युद्ध? के कारण दुनिया को इस समय तक अनुमानित 474 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो चुका है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन चेताता है कि अगर यूं ही ऊर्जा आपूर्ति बाधित रही तो पूरी दुनिया की जीडीपी घट जाएगी और रोजगार के अवसर समाप्त हो जाएंगे। ईरान की परमाणु शक्ति, होर्मुज मार्ग, फ्रीज की गई संपत्तियां और लेबनान में हिज्बुल्लाह से जुड़े मुद्दे शांति स्थापना में प्रमुख बाधाएं हैं। यद्यपि अमेरिका और ईरान ने युद्धविराम बढ़ाया था, फिर भी परमाणु कार्यक्रम और फ्रीज फंडों को लेकर दोनों के मतभेद लंबे समय तक बने रहे। इन विवादों के कारण संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हो पा रहा था। विश्व की शक्तियों को समझना चाहिए कि युद्ध को लंबे समय तक नहीं चलाया जा सकता। अमेरिकी संसद बार-बार कहती रही है कि यह युद्ध तुरंत बंद होना चाहिए लेकिन ट्रम्प अपनी विजेता की छवि बनाकर ही इस युद्ध से निकलना चाह रहे थे, जो तत्काल संभव नजर नहीं आता था। ईरान ने अमेरिका जैसी महाशक्ति और इस्राइल की एकजुटता से मुश्किल लड़ाई लड़ी है, लेकिन अमेरिका का लगातार प्रतिरोध किया है। किसी भी समाधान के लिए दोनों पक्षों को लचीलापन दिखाना चाहिए, ताकि युद्ध की विभीषिका खत्म हो। तभी विश्व की आपूर्ति श्रृंखला को सामान्य बनाया जा सकता है।

यूसीसी: मसौदे के बिना परामर्श या परामर्श के बिना मसौदा?

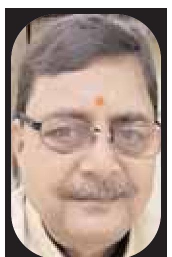

भूपेन्द्र गुप्ता

(लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं)

समान नागरिक संहिता भारत के संवैधानिक विमर्श के सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषयों में से एक है। संविधान के अनुच्छेद 44 में इसका उल्लेख राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत के रूप में किया गया है और दशकों से यह राजनीतिक तथा वैचारिक बहस का विषय रहा है। किंतु यूसीसी पर चल रही चर्चा का एक ऐसा पहलू है जिस पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया गया है-क्या सरकार को जनता और संगठनों से सुझाव मांगने से पहले कानून का मसौदा सार्वजनिक करना चाहिए था?

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में परामर्श की प्रक्रिया का उद्देश्य केवल राय इकट्ठा करना नहीं होता, बल्कि नागरिकों को नीति-निर्माण में सार्थक भागीदारी का अवसर देना भी होता है। यह भागीदारी तभी प्रभावी हो सकती है जब नागरिकों के सामने विचाराधीन प्रस्ताव का स्वरूप स्पष्ट हो। यदि लोगों को यह ही न मालूम हो कि प्रस्तावित कानून में क्या प्रावधान होंगे, किन परंपराओं को समाप्त किया जाएगा, किन्हें संरक्षित रखा जाएगा और किन मामलों में अपवाद दिए जाएंगे, तो उनके सुझाव कितने सार्थक हो सकते हैं?

यूसीसी के संदर्भ में यही सबसे बड़ी समस्या दिखाई देती है। जनता से व्यापक सुझाव मांगे गए हैं, लेकिन लंबे समय तक यह स्पष्ट नहीं किया गया कि प्रस्तावित संहिता का वास्तविक स्वरूप क्या होगा। परिणामस्वरूप, चर्चा एक ठोस विधायी प्रस्ताव के बजाय आशंकाओं, अनुमानों और राजनीतिक नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। कोई इसे लैंगिक न्याय का उपकरण मानता रहा, तो कोई सांस्कृतिक विविधता पर आघात। लेकिन दोनों पक्षों के पास चर्चा के लिए कोई आधिकारिक मसौदा उपलब्ध नहीं था। विधायी प्रक्रिया की स्थापित परंपराओं पर नजर डालें तो अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में बड़े और व्यापक प्रभाव वाले कानूनों के लिए पहले एक मसौदा या विचार-पत्र जारी किया जाता है। इसके बाद नागरिकों, विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों और प्रभावित समुदायों से टिप्पणियां आमंत्रित की जाती हैं। इससे बहस भावनाओं के बजाय प्रावधानों पर केंद्रित रहती है। लोग यह बता सकते हैं कि किसी विशेष धारा का क्या प्रभाव होगा, उसमें क्या संशोधन अपेक्षित हैं और उसके क्या अनपेक्षित परिणाम हो सकते हैं। मध्यप्रदेश में ऐसा नहीं हुआ। उदाहरण के लिए, भारत के विभिन्न हिस्सों में केवल धर्मों के बीच ही नहीं, बल्कि एक ही धर्म के भीतर भी अनेक प्रकार की वैवाहिक और पारिवारिक परंपराएं प्रचलित हैं। मध्य प्रदेश सहित देश के कई क्षेत्रों में जनजातीय समुदायों की विशिष्ट विवाह प्रणालियां और उत्तराधिकार संबंधी प्रथाएं हैं। यदि यूसीसी लागू होगा तो क्या इन परंपराओं को समाप्त कर दिया जाएगा? क्या अनुसूचित जनजातियों को अपवाद मिलेगा? क्या गोवा मॉडल अपनाया जाएगा या कोई नया ढांचा बनेगा? इन प्रश्नों के उत्तर जाने बिना सुझाव मांगना कुछ वैसा ही है जैसे किसी भवन के निर्माण पर राय मांग ली जाए लेकिन उसका नक्शा दिखाया ही न जाए।

इस स्थिति ने एक विचित्र विरोधाभास पैदा किया है। सरकार कहती रही कि वह सभी पक्षों की राय सुनना चाहती है, जबकि नागरिक और संगठन पूछते रहे कि आखिर किस प्रस्ताव पर राय दी जाए। परिणामस्वरूप, परामर्श की प्रक्रिया ठोस विधायी विमर्श के बजाय वैचारिक समर्थन और विरोध की गणना में बदलने का खतरा पैदा करती है। यह तर्क दिया जा सकता है कि मसौदा तैयार करने से पहले सुझाव लेना भी एक वैध प्रक्रिया है। इससे सरकार को विभिन्न समुदायों की चिंताओं और अपेक्षाओं को समझने का अवसर मिलता है। यह तर्क अपने स्थान पर कुछ हद तक उचित हो सकता है। लेकिन यूसीसी जैसा जटिल विषय केवल सामान्य सुझावों के आधार पर नहीं सुलझ सकता। यहां समस्या यह है कि बिना मसौदे के प्राप्त सुझाव अक्सर इतने व्यापक और परस्पर विरोधी होते हैं कि उनसे किसी स्पष्ट कानूनी दिशा का निर्धारण कठिन हो जाता है।

लोकतंत्र में केवल लोगों की राय लेना पर्याप्त नहीं है; लोगों को सूचित राय देने का अवसर देना भी उतना ही आवश्यक है। यदि सरकार वास्तव में व्यापक सहमति बनाना चाहती है, तो उसे पहले कम-से-कम एक विस्तृत अवधारणा-पत्र या प्रारंभिक मसौदा जारी करना चाहिए था। उसमें यह स्पष्ट किया जा सकता था कि विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने, जनजातीय प्रथाओं और धार्मिक परंपराओं के संबंध में प्रस्तावित व्यवस्था क्या होगी। इसके बाद प्राप्त सुझाव अधिक तथ्याधारित, उपयोगी और रचनात्मक होते। मेरे एक हिंदु पत्रकार मित्र ने एक समस्या सामने रखी कि मान लो कि मौसी या मामा की बेटी से विवाह अवैध माना जाये और एक मुस्लिम मामा की बेटी से शादी कर ले और दक्षिण का एक हिंदु भी ऐसा ही कर ले तब यूसीसी इसे कैसे डील करेगा। किसका विवाह अवैध घोषित करेगा?

इसलिए यूसीसी का प्रश्न केवल कानून का प्रश्न नहीं है; यह भारत की विविधता, समानता, सांस्कृतिक अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों के बीच संतुलन का प्रश्न है। ऐसे विषय पर परामर्श की प्रक्रिया जितनी पारदर्शी और स्पष्ट होगी, उसका परिणाम उतना ही व्यापक रूप से स्वीकार्य होगा। इसलिए यूसीसी पर सबसे प्रासंगिक प्रश्न शायद यह नहीं है कि देश को समान नागरिक संहिता चाहिए या नहीं। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या इतने व्यापक प्रभाव वाले कानून पर जनता से राय मांगने से पहले सरकार को अपना प्रस्तावित खाका सार्वजनिक नहीं करना चाहिए था? लोकतंत्र में परामर्श का वास्तविक अर्थ तभी है जब नागरिकों को यह पता हो कि वे किस विषय पर अपनी राय दे रहे हैं। अन्यथा परामर्श, सहभागिता का माध्यम कम और औपचारिकता अधिक बनकर रह जाता है और नीयत पर संशय बना रहता है।

युवाओं को जीवटता से जीने की सीख मिले

विवेक शर्मा

(वरिष्ठ पत्रकार)

आज देश के लाखों परिवार अपने बच्चों की सफलता के सपने कोचिंग संस्थानों के भरोसे बुन रहे हैं। डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने की आकांक्षा में किशोर उम्र से ही बच्चे ऐसी प्रतिस्पर्धा में उतर जाते हैं, जहां हर परीक्षा भविष्य का फैसला और हर रैंक पहचान का पैमाना बन जाती है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सीमित अवसरों और सामाजिक अपेक्षाओं ने कोचिंग संस्कृति को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। लेकिन इस चमकदार सफलता के पीछे एक दूसरा सच भी छिपा है, जिसमें बढ़ता मानसिक दबाव, सिमटता बचपन और अंकों तक सीमित होती शिक्षा शामिल है। तो क्या हम युवाओं को जीवन के लिए शिक्षित कर रहे हैं या केवल परीक्षाओं के लिए तैयार कर रहे हैं? भारत दुनिया के सबसे अधिक युवाओं वाले देशों में शामिल है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह स्थिति भारत को जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर देती है, लेकिन इसके साथ एक बड़ी चुनौती भी जुड़ी हुई है। हर वर्ष करोड़ों युवा उच्च शिक्षा और रोजगार के सीमित अवसरों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। वर्ष 2025 में जेईई मेन परीक्षा में करीब 15 लाख विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जबकि आईआईटी में सीटें लगभग 20 हजार हैं। इसी प्रकार सरकारी मेडिकल कॉलेजों की एक लाख से कम सीटों के लिए लगभग 25 लाख अभ्यर्थियों ने नीट यूजी परीक्षा दी। ये आंकड़े बताते हैं कि प्रतियोगिता अब केवल कठिन नहीं, बल्कि अत्यधिक तीव्र और तनावपूर्ण हो चुकी है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार भारत का कोचिंग उद्योग 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद और प्रयागराज जैसे शहर प्रमुख कोचिंग केंद्र बन गए हैं। हजारों विद्यार्थी घरों से दूर रहकर तैयारी करते हैं और अनेक परिवार अपनी बचत का बड़ा हिस्सा इस पर खर्च कर देते हैं। शिक्षा अब ऐसा निवेश बनती जा रही है, जिसके बदले सफलता की कोई निश्चित गारंटी नहीं होती। कोचिंग संस्थानों ने अनेक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराया है। छोटे शहरों के कई छात्रों ने इनके माध्यम से राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। लेकिन इसके साथ डमी एडमिशन जैसी प्रवृत्ति भी बढ़ी है। इससे खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास के अवसर सीमित हो जाते हैं। इस पूरी व्यवस्था का सबसे गंभीर असर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर दिखाई देता है। नियमित टेस्ट, रैंकिंग, प्रदर्शन की तुलना और लगातार बेहतर करने का दबाव बच्चों को मानसिक रूप से थका देता है। असफलता का भय उन्हें चिंता, तनाव और अवसाद की ओर धकेलता है। कई विद्यार्थियों को यह महसूस होने लगता है कि उनका पूरा भविष्य एक परीक्षा के परिणाम पर निर्भर है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। सफलता की यह दौड़ कई बार युवाओं के लिए असहनीय बोझ बन जाती है। हालांकि इस स्थिति के लिए केवल कोचिंग संस्थानों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अभिभावकों और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अधिकांश माता-पिता बच्चों का भविष्य सुरक्षित देखना चाहते हैं, लेकिन कई बार उनकी अपेक्षाएं अनजाने में दबाव का कारण बन जाती हैं। हमारे समाज में आज भी डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने को ही सफलता का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता है। परिणामस्वरूप अनेक विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के बजाय सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप करियर चुनने के लिए विवश हो जाते हैं। वास्तविकता यह है कि नई अर्थव्यवस्था ने अवसरों के अनेक नए द्वार खोले हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मीडिया और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में तेजी से संभावनाएं बढ़ रही हैं। युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। कोचिंग संस्कृति का बढ़ता प्रभाव हमारी औपचारिक शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि स्कूल विद्यार्थियों को मजबूत शैक्षणिक आधार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और तार्किक समझ प्रदान कर पा रहे होते, तो कोचिंग की आवश्यकता इतनी व्यापक नहीं होती। स्कूलों में शिक्षकों की कमी, रटने पर आधारित शिक्षा और व्यावहारिक ज्ञान की उपेक्षा ने इस निर्भरता को बढ़ाया है। नई शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने की दिशा में पहल की है, लेकिन उसके प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है। आज जरूरत शिक्षा व्यवस्था में संतुलन स्थापित करने में है। स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार, प्रभावी करियर परामर्श, अभिभावकों में जागरूकता और सफलता की व्यापक परिभाषा विकसित करना समय की मांग है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे आत्मविश्वासी, संवेदनशील और रचनात्मक नागरिक तैयार करना है जो बदलती दुनिया की चुनौतियों का सामना कर सकें। किसी भी समाज का भविष्य अंततः उन युवाओं पर निर्भर करता है जो संतुलित, मानवीय और जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने वाले भी हों।

ब्रिटेन में अपने ही नेता का विरोध करना 'बगावत' या 'गद्दारी' नहीं

भारत को पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र मजबूत करने की जरूरत

नई दिल्ली

'मेरी पार्टी मुझसे सवाल कर रही है कि क्या मैं अगले चुनाव में उन्हें नेतृत्व देने के लिए सबसे सक्षम हूं? इस सवाल का जवाब मैंने अपनी पार्टी से सुन लिया और मैं उसे पूरी गरिमा से स्वीकार करता हूं' – ये बातें ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री पद और लेबर पार्टी का नेता पद छोड़ते हुए कही। दिलचस्प ये है कि 2024 में स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ब्रिटेन का संसदीय चुनाव जीता, और पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाई। लेकिन, अब उन्हीं की पार्टी के सौ सांसदों ने उनसे इस्तीफा देने को कहा, और उन्होंने इसे गरिमा के साथ मान लिया। बिना किसी को बागी या गद्दार कहे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री पद और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वे अगले नेतृत्व के चुनाव पूरा होने तक पद पर बने रहेंगे और अपने उत्तराधिकारी को पूरा समर्थन देंगे। एक व्यवस्थित तरीके से सत्ता हस्तांतरण सुनिश्चित करेंगे। लेबर पार्टी के अंदर उनका समर्थन घटने और हालिया बाई-इलेक्शन में एंडी बर्नहम की बड़ी जीत के बाद यह दबाव बढ़ गया था। ये घटनाक्रम ब्रिटेन और भारत की संसदीय व्यवस्था के बीच अंतर को और साफ करता है। जबकि, दोनों ही एक तरह की संसदीय प्रणाली को फॉलो करते हैं। भारत में इन दिनों टीएमसी और शिवसेना जैसी पार्टियों में नेतृत्व को लेकर कलह, पार्टी

की टूट और बल-बदल चर्चा में है। जबकि, ब्रिटेन से ऐसी खबरें नहीं आतीं। बस देखते ही देखते नेतृत्व बदल जाता है। ब्रिटेन में पिछले कुछ सालों में छह प्रधानमंत्री समय से पहले इस्तीफा दे चुके हैं। डेविड कैमरन (ब्रेक्सिट के बाद), थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस (केवल 49 दिन) और ऋषि सुनक, ये सब पार्टी के अंदर घटते समर्थन या संसद में मुश्किलों के चलते चले गए। अब स्टार्मर भी उसी लिस्ट में शामिल हो गए। उनकी लेबर पार्टी 2024 में भारी बहुमत से जीती थी, लेकिन लोकप्रियता घटी। पार्टी के अंदर से कई सांसद उन्हें इस्तीफा देने को कह रहे थे। एंडी बर्नहम अब सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। ब्रिटेन में पीएम रहने के लिए संसद का विश्वास जरूरी है। अगर बिल पास न हों या पार्टी विद्रोह करे तो इस्तीफा देना पड़ता है। अलोकप्रियता के बावजूद पीएम टिक सकता है, लेकिन बिना सपोर्ट के काम करना व्यावहारिक रूप से नामुमकिन है। भारत में ऐसा कम ही होता है। यहां प्रधानमंत्री हों या मुख्यमंत्री, अक्सर पार्टी के अंदर विरोध के बावजूद टिके रहते हैं। बल्कि, विरोध जताने की गुंजाइश ही नहीं होती। भारत में एंटी-डिफेक्शन लॉ (10वीं अनुसूची) 1985 में आया। अगर कोई सांसद या विधायक अपनी पार्टी के खिलाफ वोट दे या दूसरी पार्टी जॉइन करे तो उसकी सदस्यता छिन जाती है (कुछ अपवादों के साथ)। इसका मकसद अस्थिरता रोकना था, लेकिन अब ये कानून पार्टी हाई कमांड को ज्यादा पावर देता है। असहमति को बागी या गद्दारी कह दिया जाता है। ब्रिटेन में कोई सख्त कानून नहीं है। सांसद अपनी पार्टी में रहते हुए नेतृत्व का खुलकर विरोध कर सकता है। यहां वोटर व्यक्ति (सांसद) को वोट देते हैं, पार्टी को नहीं। अगर कोई लेबर सांसद कंजर्वेटिव में चला जाए तो उसकी सीट नहीं जाती। पार्टी व्हिप का उल्लंघन होता है लेकिन कानूनी सजा नहीं। ये सिस्टम सांसद को अपनी अंतरात्मा और वोटर की इच्छा के अनुसार काम करने की आजादी देता है। ब्रिटेन में पार्टियों का नेतृत्व ज्यादा लोकतांत्रिक तरीके से तय होता है। लेबर पार्टी में सदस्यों और संसद सदस्यों का वोट होता है। कंजर्वेटिव में सांसद उम्मीदवार चुनते हैं, फिर पार्टी सदस्य वोट देते हैं। आंतरिक असहमति को सामान्य माना जाता है। इसे विश्वास मत से सुलझाया जाता है। नेता को विरोध का सामना करना पड़ता है, लेकिन इसे गद्दारी नहीं कहा जाता। भारत में कई पार्टियां परिवार-केंद्रित हैं। कांग्रेस, टीएमसी, शिवसेना आदि में संस्थापक परिवार का दबदबा रहता है। विरोध करने वाले को बागी या गद्दार कहा जाता है। पार्टी प्राइवेट लिमिटेड की तरह चलती है।

टीएमसी का हाल

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी 2026 चुनावों में चुनौतियों का सामना कर रही है। कई विधायक और सांसद विद्रोह कर रहे हैं, कुछ भाजपा की ओर जा रहे हैं। आंतरिक कलह, भ्रष्टाचार के आरोप और नेतृत्व पर सवाल उठ रहे हैं। अभिषेक बनर्जी पर भी असंतोष है।

शिवसेना का ब्योरा

2022 में एकनाथ शिंदे के विद्रोह से पार्टी दो फाड़ हो गई। उद्धव ठाकरे की यूबीटी शिवसेना अब फिर स्प्लिट की कगार पर है। कुछ सांसद शिंदे गुट में जाने की तैयारी में हैं। उद्धव ने भावुक अपील की, लेकिन पार्टी में असंतोष गहरा है।

ये उदाहरण दिखाते हैं कि भारत में असहमति को दबाया जाता है, जबकि ब्रिटेन में इसे खुले में सुलझाया जाता है। भारत में पार्टी चुनकर सरकार बनती है। सांसद/विधायक पार्टी लाइन फॉलो करते हैं। ब्रिटेन में व्यक्ति को वोट मिलता है, इसलिए सांसद ज्यादा स्वतंत्र हैं। पीएम अलोकप्रिय होने पर भी टिक सकता है, लेकिन बिल पास न हो तो मजबूरन जाना पड़ता है। भारत में मजबूत बहुमत होने पर पीएम ज्यादा सुरक्षित रहता है। ब्रिटेन की व्यवस्था ज्यादा लचीली और जवाबदेह है, लेकिन अस्थिरता भी लाती है। स्टार्मर का इस्तीफा इसका ताजा उदाहरण है। भारत की व्यवस्था स्थिरता देती है, लेकिन आंतरिक लोकतंत्र कमजोर भी कर देती है। टीएमसी और शिवसेना इसके ताजा उदाहरण हैं। राजनीति में बदलाव जरूरी है। भारत को पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र मजबूत करने की जरूरत है, ताकि नेता पार्टी के प्रति जवाबदेह रहें। ब्रिटेन का सिस्टम सबक है। खुली बहस और सदस्यों की भागीदारी बढ़ाने के लिए।

कतर की एलएनजी फैक्ट्री में भीषण धमाका

12 भारतीयों समेत 13 लोगों की मौत, 66 घायल

दोहा। कतर के रास लफ्फान एलएनजी कॉम्प्लेक्स में हुए भीषण धमाके में 13 लोगों की मौत हुई है जिनमें भारतीयों की संख्या 12 बताई जा रही है। वहीं, इस हादसे में 66 लोग घायल हुए हैं। भारतीय दूतावास ने भी इस घटना पर चिंता जताई है। ये हादसा उस समय हुआ जब ईरानी मिसाइल हमले से प्रभावित गैस फैसिलिटी में काम दोबारा शुरू किया जा रहा था। कतर के अधिकारियों ने इस घटना को बरजान लोकल गैस सप्लाई फैसिलिटी में हुआ एक टेक्निकल एक्सीडेंट बताया है। यह सुविधा देश के सबसे बड़े एलएनजी प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट हब रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी का हिस्सा है। कतर के एनर्जी मंत्रालय ने बताया कि हादसे में 13 लोगों की मौत हुई है। दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने इस हादसे पर गहरी चिंता जताई है। दूतावास ने कहा कि कई लोग घायल हुए हैं और कुछ लोगों के लापता होने की भी जानकारी सामने आई है। कतर के एनर्जी मिनिस्टर साद शेरिदा अल-काबी ने सोमवार को दोहा में मृतकों की संख्या की पुष्टि करते हुए इंडस्ट्रियल हादसा बताया। ईरान के होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण के बाद कतर ने अपना प्रोडक्शन को रोक दिया था। इसका असर ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर पड़ा था। कतर अपने क्लाइंट्स को एलएनजी शिपमेंट नहीं भेज पा रहा था। युद्ध को खत्म करने के लिए बातचीत शुरू होने और ईरान की पकड़ कमजोर होने के बाद एक्सपोर्ट टर्मिनल शुरू करने की कोशिश की जा रही थी। सरकारी कंपनी कतरएनर्जी के मुताबिक, रविवार रात बरजान गैस सप्लाई फैसिलिटी में काम के दौरान धमाका हुआ।

मजबूत इरादे के साथ राष्ट्र-निर्माण के लिए खुद को समर्पित करें युवा अधिकारी : मोदी

नई दिल्ली (वार्ता)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवा सिविल सेवकों से आग्रह किया है कि वे एक मज़बूत इरादे, नवाचार, और नागरिक-केंद्रित शासन के ध्येय के साथ राष्ट्र-निर्माण के लिए खुद को समर्पित करें। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को यहां सेवा तीर्थ में भारतीय प्रशासनिक सेवा 2024 बैच के 183 प्रशिक्षु अधिकारियों से बातचीत की। इन अधिकारियों को यहां अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के तौर पर तैनात किया गया है। युवा अधिकारियों ने फील्ड प्रशिक्षण और मंत्रालयों में अपनी तैनाती के दौरान के अनुभवों को साझा किया। अधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दो साल के फील्ड अनुभव और प्रशासनिक सीख के बाद, वे अब एक ऐसे अहम पड़ाव पर हैं जहां उनके फैसले न सिर्फ़ उनके अपने करियर को, बल्कि करोड़ों नागरिकों के भविष्य को भी आकार देंगे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जनसेवा की असली परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ असल ज़िंदगी की स्थितियों को संभालने से शुरू होती है। प्रधानमंत्री ने युवा अधिकारियों से आग्रह किया कि वे मज़बूत इरादे, नवाचार और नागरिक-केंद्रित शासन के साथ राष्ट्र-निर्माण के लिए खुद को समर्पित करें। उन्होंने कहा कि वे हर प्रशासनिक फ़ाइल के पीछे मानवीय पहलू को हमेशा याद रखें। उन्होंने कहा कि हर फ़ाइल अनगिनत नागरिकों की उम्मीदों, चिंताओं और ज़िंदगी का प्रतिनिधित्व करती है। नागरिक देवो भव के मंत्र पर ज़ोर देते हुए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे हर फ़ैसले में नागरिकों को केंद्र में रखें और यह सुनिश्चित करें कि शासन संवेदनशील, जवाबदेह और समावेशी बनी रहे। पूरे सरकारी तंत्र के मिलकर काम करने के नज़रिए पर ज़ोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास से जुड़ी बड़ी चुनौतियों को अलग-अलग विभागों में बांटकर हल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सार्थक और स्थायी नतीजे पाने के लिए विभागों के बीच बेहतर तालमेल ज़रूरी है। विकसित भारत 2047 के विज़न पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले दशकों में हर नीति और प्रशासनिक फ़ैसले का उद्देश्य विकसित भारत का निर्माण करना होना चाहिए। उन्होंने ज़ोर कहा कि कि आज भारत की प्राथमिकताओं में आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, विनिर्माण में बढ़ोतरी, ऊर्जा सुरक्षा और युवाओं के लिए मौके पैदा करना शामिल है।

चीन ने नया संचार उपग्रह लांच किया

बीजिंग (वार्ता)। चीन ने मंगलवार को हैनान प्रांत में वेनचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल से एक नया संचार प्रौद्योगिकी परीक्षण उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, लांग मार्च-7 रॉकेट के एक संशोधित संस्करण के जरिए प्रक्षेपित किया गया यह उपग्रह सफलतापूर्वक अपनी कक्षा में प्रवेश कर गया है। इस उपग्रह का उपयोग मुख्य रूप से उपग्रह संचार, रेडियो व टेलीविजन प्रसारण और डेटा ट्रांसमिशन जैसी सेवाओं के साथ-साथ संबंधित प्रौद्योगिकी परीक्षण के लिए किया जाएगा।

बंगलादेश के लिए भारत एवं चीन के साथ रिश्तों को संतुलित करने की चुनौती

नई दिल्ली (वार्ता)। बंगलादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का सोमवार रात चीन के बंदरगाह शहर डालियान पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत कूटनीतिक औपचारिकताओं से कहीं आगे का महत्व रखता है। चीन बंगलादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और विकास कोष में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। अपनी इस महत्वपूर्ण यात्रा के दौरान रहमान द्वारा चीन के नेतृत्व के साथ कई परियोजनाओं को अंतिम रूप दिए जाने और जे-17 लड़ाकू विमानों की खरीद पर चर्चा करने की संभावना है। इस यात्रा को बेहद सावधानी से तैयार किया गया है, जिसके तहत श्री रहमान का पहला पड़ाव कुआलालंपुर था, जिसके बाद वह डालियान में एक सम्मेलन में शामिल हुए और फिर वह बीजिंग में द्विपक्षीय वार्ता के लिए आगे बढ़ेंगे। ऐसा इसलिए किया गया ताकि भारत असहज न हो, जिसने खुद भी बंगलादेशी प्रधानमंत्री को यात्रा का निमंत्रण दिया है। विदेश मंत्रालय में पूर्व सचिव (पूर्व) रीवा गांगुली दास ने यूनीवार्ता को बताया, चीन द्वारा तैयार की जाने वाली कूटनीतिक रूपरेखा और चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग व राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठकों में श्री रहमान जिन मुख्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे, वे बेहद महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि बंगलादेश के प्रधानमंत्री के इस वर्ष के अंत में दिल्ली आने की भी उम्मीद है। राजनयिकों का मानना है कि रहमान की राजनयिक यात्राओं का यह क्रम न केवल भारत और चीन के बीच संतुलन बनाने के लिए है, बल्कि यह उनकी बंगलादेश फर्स्ट विदेश नीति को भी मजबूत करता है।

ईरान पर तेल से जुड़े प्रतिबंध कुछ समय के लिए हटाए गये : वेंस

बुर्गेनस्टॉक (वार्ता)

अमेरिका ने सोमवार को ईरान पर तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों को कुछ समय के लिए हटा लिया है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ईरान संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निरीक्षकों को देश में वापस लौटने की अनुमति देगा। अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस ने कल कहा कि ईरान पर तेल से जुड़े प्रतिबंध कुछ समय के लिए हटाए गये है। पश्चिमी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि यह कदम तब उठाया गया जब ईरान, संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निरीक्षकों को देश में वापस आने की इजाज़त देगा। स्विट्जरलैंड के आलीशान बुर्गेनस्टॉक रिज़ॉर्ट में बातचीत के बाद श्री वेंस ने पत्रकारों से कहा, हमने एक सफल अंतिम समझौते के लिए बहुत अच्छी नींव रखी है। इस बातचीत का मकसद ईरान के साथ अमेरिका-इज़रायल युद्ध को खत्म करना है। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि परमाणु मुद्दे पर बहुत संक्षिप्त चर्चा हुई लेकिन विस्तार से कोई बातचीत नहीं हुई। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य, जो दुनिया के ज़्यादातर तेल के लिए एक अहम रास्ता है- अब जहाजों की आवाजाही के लिए पूरी तरह से खुला है। ईरान ने युद्ध की शुरुआत में ही इस जलमार्ग को बंद कर दिया था, जिससे पूरी दुनिया में आर्थिक हलचल मच गई थी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

राज बब्बर: संघर्ष से स्टारडम और संसद तक का सफर

हिंदी सिनेमा के दमदार अभिनेता और राजनेता राज बब्बर आज 74 वर्ष के हो गए।23 जून 1952 को उत्तर प्रदेश के टुंडला में जन्मे राज बब्बर ने अभिनय की पढ़ाई नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा (एनएसडी) से की। वर्ष 1975 में स्नातक होने के बाद वह अभिनेता बनने का सपना लेकर मुंबई पहुंचे। शुरुआती दिनों में उनके पास रहने तक की उचित व्यवस्था नहीं थी। उस दौर में वह प्रसिद्ध निर्माता-निर्देशक प्रकाश मेहरा के कार्यालय के एक छोटे से कमरे में रहते थे और फिल्मों में अवसर पाने के लिए संघर्ष करते थे। यही संघर्ष आगे चलकर उनके मजबूत व्यक्तित्व की पहचान बना। राज बब्बर ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत वर्ष 1980 में प्रदर्शित फिल्म 'सौ दिन सास के' से की, लेकिन उन्हें वास्तविक पहचान उसी वर्ष रिलीज हुई बी. आर.चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म इंसाफ का तराजू से मिली। इस फिल्म में उन्होंने एक बलात्कारी की नकारात्मक भूमिका निभाई। उस समय कई कलाकार इस किरदार को निभाने से बच रहे थे, लेकिन राज बब्बर ने चुनौती स्वीकार की और अपने प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों को चौंका दिया। फिल्म की सफलता ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इसके बाद वह निर्माता-निर्देशक बी. आर.चोपड़ा के पसंदीदा अभिनेताओं में शामिल हो गए। 'निकाह', 'दहलीज', 'आवाम', 'आज की आवाज', 'कल की आवाज' और 'किरायेदार' जैसी फिल्मों में उन्होंने यादगार अभिनय किया। खलनायक की छवि मिलने के बावजूद उन्होंने रोमांटिक फिल्मों में भी अपनी अलग पहचान बनाई। 'प्रेम गीत', 'पूनम', 'अगर तुम ना होते' और 'मजदूर' जैसी फिल्मों ने उन्हें संवेदनशील अभिनेता के रूप में स्थापित किया। राज बब्बर की गिनती उन अभिनेताओं में होती है जिन्होंने नायक, खलनायक और चरित्र अभिनेता के रूप में समान सफलता हासिल की। हिंदी फिल्मों के अलावा उन्होंने पंजाबी सिनेमा में भी अपनी छाप छोड़ी। पंजाबी फिल्म 'चन्न परदेसी' को आज भी क्लासिक फिल्मों में गिना जाता है। उनका निजी जीवन भी हमेशा चर्चा में रहा। उनकी पहली शादी प्रसिद्ध रंगकर्मी नादिरा बब्बर से हुई, जिनसे उन्हें दो संतानें आर्या बब्बर और जूही बब्बर हैं। बाद में उनकी नजदीकियां अभिनेत्री स्मिता पाटिल से बढ़ीं और दोनों ने विवाह किया। स्मिता पाटिल और राज बब्बर की प्रेम कहानी हिंदी फिल्म जगत की चर्चित प्रेम कहानियों में शामिल रही। उनके पुत्र प्रतीक बब्बर आज बॉलीवुड में सक्रिय हैं। वर्ष 1986 में स्मिता पाटिल के असामयिक निधन ने राज बब्बर को गहरा आघात पहुंचाया। राज बब्बर ने अभिनय के साथ-साथ राजनीति में भी महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया।

'राख' में दमदार अभिनय से चर्चा में आए विवान शर्मा

युवा अभिनेता विवान शर्मा अपनी हालिया सीरीज 'राख' में निभाए गए साहिल के किरदार को लेकर सुर्खियों में हैं। महज 14 वर्ष की उम्र में विवान ने अपने प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है। विवान शर्मा इससे पहले 'चल ज़िंदगी', 'सोशल मंडिया' और वेब सीरीज 'शहर लखोट' में अपने अभिनय का हुनर दिखा चुके हैं। इसके अलावा वह कई प्रतिष्ठित ब्रांड अभियानों का हिस्सा भी रहे हैं। उनकी शॉर्ट फिल्म 'टेल मी व्हाय?' को विभिन्न फिल्म समारोहों में सराहना मिली थी। वर्ष 1978 के चर्चित रंगा-बिल्ला मामले से प्रेरित सीरीज 'राख' में विवान ने साहिल नामक बालक की भूमिका निभाई है। कहानी एक ऐसे मासूम बच्चे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बहन के साथ एक अनजान सवारी में बैठने के बाद भयावह घटनाओं का सामना करता है। विवान ने इस चुनौतीपूर्ण किरदार को संवेदनशीलता और सहजता के साथ निभाया है। रिलीज के बाद से 'राख' को दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला है। सोशल मीडिया पर भी विवान के कई दृश्य चर्चा का विषय बने हुए हैं और दर्शक उनके अभिनय की सराहना कर रहे हैं। सीरीज में विवान ने अली फज़ल, सोनाली बेंद्रे, आमिर बशीर और राकेश बेदी जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ काम किया है। अभिनय जगत के जानकारों का मानना है कि 'राख' में उनका प्रदर्शन उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकता है।

वेलकम टू द जंगल : बरेली एयरपोर्ट पर दिशा पाटनी के पापा को नहीं मिली एंट्री, अक्षय के लिए लाए थे घर का बना खाना

अक्षय कुमार की मल्टी-स्टारर कॉमेडी-एडवेंचर फिल्म वेलकम टू द जंगल%की रिलीज से ठीक 3 दिन पहले फिल्म के कुछ कलाकार मुरादाबाद पहुंचे। इस दौरान अक्षय कुमार ने दिशा को बरेली में घर का खाना मंगवाने को कहा। उनके पिताजी लेकर भी आए लेकिन सिक्यॉरिटी रीजन से उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया, जिसके बाद पूटी टीम बाहर ही आ गई। अक्षय कुमार की मल्टी-स्टारर कॉमेडी-एडवेंचर फिल्म वेलकम टू द जंगल रिलीज हो रही है। इस फिल्म की रिलीज से तीन दिन पहले फिल्म के कलाकार अक्षय कुमार, दिशा पाटनी, भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह और हास्य कलाकार राजपाल यादव आदि बरेली एयरपोर्ट पहुंचे। तीनों सितारे प्राइवेट जेट से बरेली एयरपोर्ट उतरे और फिर चॉपर से मुरादाबाद रवाना हो गए। फिल्म वेलकम टू द जंगल प्रमोशन में पूरी टीम मुरादाबाद पहुंची है।

हॉरर फिल्म 'रूह' में नजर आयेंगे इमरान हाशमी

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी पांच वर्ष बाद एक बार फिर हॉरर शैली की फिल्म में नजर आएंगे। इमरान हाशमी की नई फिल्म 'रूह' की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है, जो एक म्यूजिकल हॉरर फिल्म होगी। इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'आवारापन 2' की शूटिंग में व्यस्त इमरान हाशमी की नई परियोजना 'रूह' का शीर्षक जारी किया गया है। फिल्म का निर्देशन मयंक शर्मा करेंगे, जबकि इसकी कहानी मयंक शर्मा और विशाल कपूर ने लिखी है। विकेड फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्माण विक्रम खाखर और सनी खन्ना कर रहे हैं। निर्माताओं के अनुसार 'रूह' को वर्ष 2027 में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। इमरान हाशमी को हिंदी सिनेमा में हॉरर फिल्मों के लिए विशेष पहचान मिली है। उन्होंने 'राज', 'राज 3', 'एक थी डायन' और 'राज: रीबूट' जैसी फिल्मों में काम किया है। उनकी पिछली हॉरर फिल्म 'डिब्बुक' थी, जो ओटीटी पर रिलीज हुई थी। फिल्म के बारे में इमरान हाशमी ने कहा कि 'रूह' ने उन्हें पहली नजर में आकर्षित किया क्योंकि यह आधुनिक हॉरर, भावनाओं और संगीत का प्रभावशाली संगम प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा जॉनर है जिससे दर्शक उन्हें लंबे समय से जोड़ते रहे हैं और फिल्म की दुनिया बेहद रोमांचक तथा भावनात्मक है।

मनोकामनेश्वर हनुमान मंदिर में सत्संग व आध्यात्मिक काव्यपाठ

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

अच्छे कार्य करते हुए नियमित सत्संग सहित भगवान के नाम स्मरण से अनंत सुख परम शांति और असीम आनन्द की अनुभूति होती है।भगवान के नाम जाप का बड़ा ही महत्व है।तुलसी बिरवा बाग में सींचत ही कुम्हलाय,राम भरोसे जो रहे पर्वत पे हरिआय।उक्ताशय के विचार ओजस्वी कवि अशोक त्रिपाठी ने मनोकामनेश्वर हनुमान मंदिर नरसिंहपुर मंगलवासरीय सत्संग सभा में व्यक्त किये।मंदिर संचालन समिति की ओर से नारायण प्रसाद साहू ने भी प्रभु नाम की महिमा का बखान यूं किया..कलियुग केवल नाम अधारा,सुमरि सुमरि नर उतरहिं

पारा।चोला वंदन मंदिर पुजारी पं मनीष गिरदोनिया और भक्त प्रेमलाल रजक द्वारा किया गया। आध्यात्मिक काव्यपाठ के क्रम में अखिल भारतीय कवि डा विवेक सक्सेना ने शानदार गरिमामय काव्यपाठ किया।राम नाम की महिमा पर कवि ने पढ़ा..राम राम आठों याम जपो प्यारे सीता राम,यही मंत्र जिंदगी में सदा काम आयेगा, हरिनाम लेकर जो आग में भी बैठ जाओ,पापियों का पाप तुम्हें नहीं जला पायेगा।डा विवेक सक्सेना ने शबरी की भक्ति की मिठास को सुभाषित यूं किया...अवधपुरी में जब भोजन को बैठे राम,चंहुदिशि छाई पकवानों की सुभाष है,व्यंजनों को पाते प्रभु लखन लला से बोले,शबरी के बेर जैसी कहीं न मिठास है।अंत में कवि ने राम नाम के महत्व को यूं उभारा..राम नाम लेकर के कोई भी जो काम करो,मुश्किलों के सारे ही सुमेरु उठ जाते हैं ।श्रीमती भागवती रामायणी ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किया। सत्संग आयोजन में बी डी रूसिया पं मनोज बाजपेई लक्ष्मीकांत सरावगी गिरीश पटेल महेश नेमा एड अजय साहू सुभाष साहू रामचरण कश्यप चौहान साहब जे पी श्रीवास्तव दिनेश श्रीवास्तव गोविंद नेमा एस पी तिवारी टेक सिंह पटेल तनु तरुण साहू अलख सोनकिया पं दयाराम दुबे गंगा राम साहू प्रेम लाल रजक सहित अनेक भक्त जन उपस्थित थे। गिरीश पटेल ने आभार प्रदर्शन किया।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में गोटेगांव में अनुभाग स्तरीय जनसुनवाई सम्पन्न

75 आवेदनों की हुई सुनवाई, निराकरण के दिए निर्देश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में जनपद पंचायत गोटेगांव में मंगलवार को अनुभाग स्तरीय जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में नागरिकों ने विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई के दौरान कुल 75 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सुनवाई करते हुए कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। शेष आवेदनों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए

तथा आमजन को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। खंड स्तरीय आयोजित जनसुनवाई में एसडीएम गोटेगांव श्रीमती संघमित्रा गौतम सहित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय तक लंबी दूरी तय न करनी पड़े, इस उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा अनुभाग स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर ही नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी निराकरण सुनिश्चित हो रहा है।

विकास पथ यात्रा के तहत सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने किया एनटीपीसी, कोल माइंस का अवलोकन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता कर विकास कार्यों का अवलोकन किया तथा जनसंवाद के माध्यम से केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाया। विकास तीर्थ दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने एनटीपीसी गाडरवारा का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। तत्पश्चात क्षेत्रीय नागरिकों एवं एनटीपीसी अधिकारियों के साथ

संवाद कर विकास एवं जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की। सांसद चौधरी ने एनटीपीसी की कार्यप्रणाली का अवलोकन करने के साथ-साथ निर्माणाधीन एनटीपीसी फेस-2 परियोजना का भी निरीक्षण किया। इसके पश्चात सांसद चौधरी ने गुटीटोरिया स्थित कोल माइंस का अवलोकन कर वहां संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा क्षेत्र के विकास एवं रोजगार सृजन में परियोजनाओं की भूमिका पर चर्चा की। कार्यक्रमों की श्रृंखला में ग्राम चांदनखेड़ा में प्राकृतिक खेती विषय पर किसान संवाद आयोजित किया गया, जिसमें किसानों को प्राकृतिक कृषि के लाभों एवं केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्राम चारगांव खुर्द में हितग्राही सम्मेलन आयोजित कर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद किया गया। वहीं ग्राम सूखाखैरी में वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं सम्मानित नागरिकों के सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त सांईखेड़ा में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर संगठन की गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है, जिससे विकसित भारत के संकल्प को नई गति मिली है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्राचीन बावड़ी की साफ- सफाई कर दिया जल संरक्षण का संदेश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन और सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में बावड़ी उत्सव मनाया जा रहा है। इसी क्रम में बावड़ी उत्सव के तहत ग्राम जगन्नापुर के समीप स्थित ग्राम चौकी में प्रसिद्ध प्राचीन बावड़ी के संरक्षण और सौंदर्यीकरण का कार्य सम्पन्न हुआ। इस कार्य नवांकुर संस्था श्री स्वामी साधना सेवा समिति बिल्थारी एवं भारद्वाज जन कल्याण समिति ईश्वरपुर के नेतृत्व में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चावरपाठा, चरगुआं एवं जगन्नाथपुर समिति तथा स्थानीय नागरिकों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। जिला

समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद श्री जयनारायण शर्मा ने बताया कि बावड़ी उत्सव के अंतर्गत उक्त बावड़ी में एक सप्ताह तक श्रमदान कर बावड़ी की साफ-सफाई, मरम्मत, रंगाई-पुताई एवं आकर्षक पेंटिंग का कार्य किया गया, जिससे इस ऐतिहासिक जल संरचना को नवीन स्वरूप प्रदान किया गया। उत्सव के दिन बावड़ी परिसर में जल चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। रंगोली के माध्यम से बावड़ी परिसर की आकर्षक सजावट की गई। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन एवं विधिवत पूजन-अर्चन कर बावड़ी के संरक्षण का संकल्प लिया गया। उपस्थित ग्रामीणों ने जल बचाने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने तथा पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण हेतु सामूहिक शपथ ली। जल चौपाल के दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्राचीन बावड़ियां, कुएं एवं अन्य जल स्रोत हमारी सांस्कृतिक धरोहर होने के साथ-साथ जल सुरक्षा के महत्वपूर्ण आधार हैं। इनके संरक्षण एवं पुनर्जीवन से जल संकट की समस्या का प्रभावी समाधान संभव है। जलगंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य न केवल जल स्रोतों का पुनर्जीवन करना है, बल्कि समाज में जल के प्रति संवेदनशीलता, जिम्मेदारी एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देना भी है।

जनसुनवाई में भूमि और योजना से जुडे विषयों को लेकर हुई शिकायतें, कलेक्टर ने दिए निराकरण के निर्देश

बालाघाट (स्वतंत्रमत)। मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 23 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जहां अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। बिरसा तहसील के ग्राम भड़गांव निवासी काशीराम चिचाम राष्ट्रीय बांस मिशन के तहत नर्सरी स्थापित करने के लिए बैंक ऋण अथवा सहायता राशि प्रदान किए जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि वे आदिवासी वर्ग से हैं, 12वीं उत्तीर्ण हैं तथा नर्सरी संचालन का अनुभव रखते हैं, लेकिन आर्थिक संसाधनों के अभाव में कार्य प्रारंभ नहीं कर पा रहे हैं। काशीराम ने पर्यावरण संरक्षण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बांस नर्सरी स्थापित करने की इच्छा जताई है। साथ ही प्रशासन एवं संबंधित विभाग से शीघ्र वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि उनका स्वरोजगार का सपना साकार हो सके। इस प्रकरण में उत्तर सामान्य वनमण्डल अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत ग्राम बहियाटिकुर निवासी श्यामलाल रंगारे अपनी स्वामित्व की भूमि पर अवैध नाली निर्माण हटाने की मांग लेकर आये थे। श्यामलाल का कहना था कि उसके स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि पर बने उसके मकान के सामने नाली निर्माण की गई है। इस नाली से गॉव भर का पानी आने से उसके मकान को क्षति पहुंच रही है। अत~ शीघ्र इस नाली को बंद कराया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लालबर्रा को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। वही लामता तहसील अंतर्गत ग्राम भोंडवा निवासी दीनदयाल हिरेन्द्रवार खसरा नंबर 45 की 70़90 की भूमि दिलाने की माँग लेकर आये थे। दीनदयाल हिरेन्द्रवार का कहना था कि उनके खसरा नंबर 45 की भूमि में 70़90 कड़ी पर रामप्रसाद कावरे द्वारा कब्जा कर लिया गया है। इसकी सूचना तहसीलदार व पटवारी कों भी उन्होने दी थी

परन्तु उनके द्वारा कब्जा हटाने कों लेकर कोई निश्चित तारीख न बताते हुए मामले कों टालने का प्रयास किया जा रहा है। उनकी इस समस्या कों सुनते हुए कलेक्टर श्री मीना नें तहसीलदार लामता कों इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम लोहारा के सालिकराम बिसेन माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम के अंतर्गत सहायता, वृद्धावस्था पेंशन बहाल एवं प्रताडित करने वाले बेटो पर दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने की मांग लेकर आये थे। सालिकराम का कहना था कि उसके बेटो ने उसके साथ मारपीट तथा प्रताडित करके घर तोड दिया है और अब वह बेघर हो चुका है व रैन बसेरा बालाघाट में रहता है। इसके साथ ही उसे मिलने वाली वृद्धावस्था पेंशन योजना भी कुछ महीनों में बंद हो गई है। उसकी स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। इस प्रकरण में एसडीएम लांजी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। जनसुनवाई में ग्राम ठेमा निवासी प्रणिता शिवेदी आशा कार्यकर्ता के पद पर नियुक्ति दिलाए जाने की मांग लेकर आयी थी। प्रणिता का कहना था कि वर्ष 2022 में चयन एवं नियुक्ति पत्र मिलने के बाद भी उन्हें नियमित नियुक्ति एवं मानदेय का लाभ नहीं मिला है। इसके साथ ही अपर कलेक्टर के आदेश की प्रति संबंधित अधिकारियों को सौंपने के बावजूद भी कार्रवाई नहीं की गई है। अत~ शीघ्र नियुक्ति प्रदान कर लंबित मानदेय दिलाया जाए। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

विनोद मेहरा जिला महामंत्री नियुक्त

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार एवं भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार व जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक की सहमति से तथा

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा नरसिंहपुर के जिलाध्यक्ष कमल खटीक द्वारा भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा,जिला नरसिंहपुर के जिला महामंत्री की घोषणा की गई जिसमें नवनियुक्त विनोद मेहरा को जिला महामंत्री बनाया गया है। श्री मेहरा की इस नियुक्ति पर उनके इष्ट मित्रों शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री मेहरा पर पूर्ण विश्वास है कि आप सभी संगठन की रीति-नीति, विचारधारा एवं जनसेवा के संकल्प को मजबूती प्रदान करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जिले में 23 जून तक 16 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज, पिछले वर्ष से कम बारिश

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 1 जून से 23 जून 2026 तक कुल 16 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि में दर्ज 30 मिलीमीटर औसत वर्षा की तुलना में काफी कम है। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है। कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 जून को प्रात~ 8 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में औसतन 3 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 4 मिलीमीटर, वारासिवनी में 5 मिलीमीटर, लांजी में 3 मिलीमीटर, किरनापुर में 2 मिलीमीटर, लालबर्रा में 3 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 8 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वहीं बैहर, कटंगी, खैरलांजी एवं बिरसा तहसीलों में वर्षा नहीं हुई है। चालू वर्ष में 01 जून से 23 जून तक सबसे अधिक 40 मिलीमीटर वर्षा बालाघाट तहसील में दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम 2.5 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में वारासिवनी में 33 मिलीमीटर, बैहर में 23 मिलीमीटर, लांजी में 12 मिलीमीटर, कटंगी में 11 मिलीमीटर, किरनापुर में 4 मिलीमीटर, लालबर्रा में 10 मिलीमीटर, बिरसा में 3 मिलीमीटर, परसवाड़ा एवं तिरोड़ी में 18-18 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान बालाघाट तहसील में 63 मिलीमीटर, वारासिवनी में 44 मिलीमीटर, बैहर में 55 मिलीमीटर, लांजी में 25 मिलीमीटर, कटंगी में 8 मिलीमीटर, किरनापुर में 38 मिलीमीटर, खैरलांजी में 11 मिलीमीटर, लालबर्रा में 24 मिलीमीटर, बिरसा में 50 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 15 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 3 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। मौसम के इस रुझान पर कृषि विशेषज्ञों की नजर बनी हुई है। आगामी दिनों में मानसून की सक्रियता बढ़ने के साथ ही जिले में वर्षा की मात्रा में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समक्ष में की सुनवाई

बालाघाट (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर मृणाल मीना ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समक्ष सुनवाई कर शिकायतकताओं की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित निराकरण कर प्रकरणों का संतोषजनक निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब एवं लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश भी जारी किए।

सुनवाई के दौरान खैरलांजी तहसील के ग्राम चिचोली निवासी आदेश चौरे द्वारा पात्रता पर्ची के अनुसार खाद्यान्न नहीं मिलने संबंधी 256 दिनों से लंबित शिकायत पर खाद्य विभाग ने बताया कि शिकायत का निराकरण कर दिया गया है। इसके बाद कलेक्टर ने शिकायत बंद करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार बालाघाट विकासखंड के ग्राम सेरवी निवासी रामदयाल अमूले ने उपार्जन केंद्र चरेगांव से धान बोनस की कम राशि मिलने की शिकायत दर्ज कराई थी, जो 260 दिनों से लंबित थी। जांच में पाया गया कि शासन के नियमानुसार बोनस राशि का भुगतान किया जा चुका है। कलेक्टर ने शिकायत बंद करने के साथ ही शिकायत के निराकरण में विलंब के लिए नागरिक आपूर्ति निगम के कंप्यूटर ऑपरेटर रविन्द्र चौहान एवं संबंधित कनिष्ठ सहायक का वेतन काटने के निर्देश

दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित शिकायतों की सुनवाई में बैहर विकासखंड की गर्भवती महिला अभिलाषा चौहान द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की राशि नहीं मिलने की शिकायत पर बताया गया कि राशि उनके बैंक खाते में जमा कर दी गई है। इसके बाद शिकायत बंद करने के निर्देश दिए गए। कटंगी विकासखंड के ग्राम अजुर्नी निवासी जीवनलाल वासनिक ने अपने अनाथ नाती सनाम वासनिक को मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की थी। सुनवाई के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेन्द्र सुन्द्रीयाल ने बताया कि बालक के भरण-पोषण हेतु जून माह से जनसहयोग के माध्यम से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी तथा उसे योजना का लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस पर शिकायत का निराकरण करते हुए उसे बंद करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग की शिकायतों में बैहर तहसील के ग्राम डोंगरिया निवासी सुकवंती मरकाम ने नसबंदी ऑपरेशन असफल होने पर मुआवजा राशि दिलाने की मांग की थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि प्रकरण में 30 हजार रुपये की मुआवजा राशि स्वीकृत हो चुकी है और शासन से राशि प्राप्त होते ही लाभार्थी के खाते में जमा कर दी जाएगी। वहीं परसवाड़ा तहसील के ग्राम सुरवाही की दिव्या द्वारा दर्ज कराई गई समान शिकायत की जांच में उन्हें मुआवजा राशि के लिए अपात्र पाया गया। इसके अलावा विक्की मेश्राम ने अपनी पत्नी निधिमा मेश्राम को प्रसव उपरांत संबल योजना की प्रसूति सहायता राशि नहीं मिलने की शिकायत की थी। जांच में पाया गया कि राशि का भुगतान किया जा चुका है, लेकिन पोर्टल पर सही जानकारी दर्ज नहीं की गई थी। इस पर कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में संतोषजनक कार्य नहीं करने के कारण जिला चिकित्सालय के अस्पताल प्रबंधक के वेतन से 5 हजार रुपये की राशि काटकर रेडक्रॉस में जमा कराने के निर्देश दिए।

बंगाली कॉलोनी में सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का हुआ भूमिपूजन

क्षेत्रवासियों को मिलेगी बेहतर आवागमन एवं जल निकासी की सुविधा

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर के संतकवर राम वार्ड अंतर्गत बंगाली कॉलोनी में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर पालिक निगम कटनी द्वारा स्वीकृत सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन महापौर प्रीति संजीव सूरी एवं स्थानीय पार्षद गोविंद चावला की विशेष मौजूदगी में किया गया। नगर विकास की इस सौगात के कार्यक्रम के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चमनलाल आनंद, पूर्व पार्षद राजकुमार माखीजा महेश होतवानी, मंडल महामंत्री सतीश मोटवानी, समाजसेवी मोहनलाल नागवानी, सोनल आडवाणी, खुख्खू राय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की काफी संख्या में गरिमामई मौजूदगी रही।

नागरिक सुविधाओं के विकास हेतु नगर निगम प्रतिबद्ध- महापौर

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में नागरिक सुविधाओं के विकास हेतु नगर निगम प्रतिबद्ध है। सड़क एवं नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की आधारशिला होती हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से बंगाली कॉलोनी के रहवासियों को बेहतर आवागमन के साथ-साथ जल निकासी की समस्या से भी राहत मिलेगी। महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा वार्डों में विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए लगातार अधोसंरचनात्मक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इससे नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के साथ-साथ क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित हो रहा है। भूमिपूजन के तहत संतकवर राम वार्ड स्थित बंगाली कॉलोनी में प्रीति इलेक्ट्रॉनिक्स से माता मंदिर होते हुए सामुदायिक भवन तक 28.66 लाख रुपये की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य तथा 16.06 लाख रुपये की लागत से सी.सी. नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। दोनों कार्यों पर कुल लगभग 44.72 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी।

आवागमन एवं जल निकासी सुविधा होगी सुगम

क्षेत्रीय पार्षद गोविंद चावला ने बताया कि लंबे समय से अपेक्षित इन निर्माण कार्यों के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर निगम एवं जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में आवागमन अधिक सुगम होगा तथा वर्षाकाल के दौरान जलभराव और गंदे पानी की निकासी संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान हो सकेगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में निगम के अधिकारी-कर्मचारी, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन क्षेत्र के सर्वांगीण विकास एवं जनसुविधाओं के विस्तार के संकल्प के साथ हुआ।

संधारण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

मुख्य अभियंता संधारण ने समय पर संधारण के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

22 जून को मुख्य महाप्रबंधक (संधारण) संजय निगम कार्पोरेट कार्यालय जबलपुर के द्वारा कटनी व्रत के अंतर्गत समस्त कार्यपालन अभियंता के साथ संधारण कार्यो की समीक्षा बैठक की गयी, मुख्य महाप्रबंधक के द्वारा कटनी व्रत के अंतर्गत प्री मानसून संधारण किए गए कार्यो की समीक्षा बैठक की गई एवं जमीनी स्तर पर किए गए कार्य का औचक निरीक्षण भी किया गया मुख्य महाप्रबंधक के द्वारा आगामी वर्षा ऋृतु के पूर्व संधारण सामग्री का स्टॉक रखने एवं आंधी एवं तेज बारिश के समय पर तूफान के कारण लाइनों में आने वाले ववधान को कम से कम समय में विद्युत आपूर्ति बहाल करने हेतु निर्देशित किया गया, मुख्य महाप्रबंधक संधारण द्वारा कटनी शहर संभाग के अंतर्गत दो नंबर 33/11 केवी उपकेंद्र का औचक निरीक्षण किया गया, 33/11 केवी उपकेंद्र अमकुई एवं 33/11 केवी उपकेंद्र चाका में

औचक निरीक्षण किया उपकेंद्र में संधारित किए गए दस्तावेजों का अवलोकन किया गया ट्रिपिंग रजिस्टर, लोग बुक, लोड रागिटर इत्यादि की जानकारी ली उन्होंने दोनों उपकेंद्र में यार्ड का निरीक्षण किया एव पावर ट्रांसफॉर्मर पर लोडिंग की जानकारी ली, रिले के कॉर्डिनेशन सही करने ऐबी स्विच का संधारण करने के निर्देश दिए गए, इंडस्ट्रियल फीडरों में ट्रिपिंग की जानकारी ली साथ ही इंडस्ट्रियल फीडरों के संधारण करने हेतु निर्देश दिए जिससे कि औद्योगिक उपभोक्ताओं को कम से कम ट्रिपिंग एवं गुणवत्ता पूर्वक विद्युत आपूर्ति की जा सके, समस्त घरेलू फीडरों पर 24 घंटे गुणवत्ता पूर्वक विद्युत आपूर्ति की जा सके एवं कृषि फीडरों पर कृषि उपभोक्ताओं को 10 घंटे विद्युत प्रदान करने हेतु निर्देश प्रदान किए गए समीक्षा बैठक के दौरान कार्यपालन अभियंता ग्रामीण शरद विश्वकर्मा, कार्यपालन अभियंता साउथ संभाग सिंह चौहान, कार्यपालन अभियंता शहर संभाग मुकेश महोबे एवं कार्यपालन अभियंता एसटीसी एसडीएम संभाग सुशील सिंह उपस्थित रहे।

महापौर जनसुनवाई में 33 आवेदनों पर हुई सुनवाई

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर, महापौर ने अधिकारियों को तय की समयसीमा

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से आयोजित साप्ताहिक महापौर जनसुनवाई मंगलवार को मेयर इन काउंसिल सभागार में संपन्न हुई। जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे और पेयजल, साफ-सफाई, सड़क मरम्मत, नाली निर्माण, अतिक्रमण तथा राजस्व संबंधी समस्याओं से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई के दौरान कुल 33 आवेदनों पर सुनवाई की गई। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करना नगर निगम की प्राथमिकता है। जनहित से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान कई आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गएए वहीं शेष प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित विभागों को समयसीमा निर्धारित कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए। महापौर ने अधिकारियों से अपने स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग करते हुए नागरिक समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारी एक ही मंच पर उपस्थित रहे, जिससे नागरिकों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए अलग-अलग शाखाओ के चक्कर नहीं लगाने पड़े। इस व्यवस्था से आमजन को त्वरित सुनवाई एवं सरल समाधान का लाभ मिला।

कलेक्टर जनसुनवाई में सुन रहे लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को दे रहे निराकरण के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर आशीष तिवारी कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण के निर्देश दे रहे हैं। कलेक्टर अब तक 56आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को सुन कर निराकरण के निर्देश दे चुके हैं। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी प्रमोद चतुर्वेदी, जिला प्रबंधक लोकसेवा दिनेश विश्वकर्मा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद हैं।

कन्हवारा में स्थित मित्रा फार्मेसी का लाइसेंस 7 दिवस के लिए निलंबित

कटनी (स्वतंत्रमत)। मेडिकल स्टोर और केमिस्टों का सतत् औचक निरीक्षण करने के कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा दिए गए निर्देश के पालन में मे गठित दल द्वारा विगत 10 जून को कन्हवारा स्थित मित्रा फार्मेसी के किये गये निरीक्षण के दौरान मिली अनियमिततायें और विसंगतियों के मद्देनजर मित्रा फार्मेसी का लायसेंस 7 दिवस के लिए निलंबित कर दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राज सिंह ठाकुर ने बताया कि बीते 10 जून को कन्हवारा के मित्रा फार्मेसी का ड्रग इंस्पेक्टर सोनम जैन, डॉ समीर सिंघई जिला स्वास्थ्य अधिकारी कटनी और नितिन तपा इंचार्ज नर्सिंग होम की संयुक्त टीम ने आकस्मिक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोर में भारी अनियमिततायें पायी गयी। जिसमे फार्मासिस्ट उपस्थित नहीं पाया गया। कोई भी दस्तावेज संधारित नहीं पाए गए एवं बिना डाक्टर के पर्चे के दवाओं का विक्रय किया जाना पाया गया। मेडिकल स्टोर की आड़ में इलाज करते हुए मौके पर डॉक्टर पाए गए। इसको देखते हुए

मौके पर ही निरीक्षण टीम द्वारा मेडिकल स्टोर बंद कराया गया था। इसके बाद 11 जून को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया था। मित्रा फार्मेसी द्वारा प्रस्तुत जवाब संतुष्टिपूर्ण नहीं पाये जाने पर ड्रग इंस्पेक्टर सोनम जैन द्वारा सात दिनों के लिए लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही की गयी है।

एमपी ई-सेवा पोर्टल के माध्यम से घर बैठे प्राप्त करें शासकीय सेवाओं का लाभ

कटनी (स्वतंत्रमत)। राज्य शासन द्वारा नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी एवं त्वरित रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एमपी ई-सेवा पोर्टल एवं मोबाइल एप संचालित किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के नागरिक अब विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए स्वयं सिटीजन लॉगिन के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। एमपी ई-सेवा पोर्टल पर राजस्व, कृषि एवं ग्रामीण विकास, सामाजिक कल्याण, शिक्षा, नगरीय विकास, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यटन सहित विभिन्न विभागों की नागरिक-केंद्रित सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध हैं।

कचौरी मोड़ पर भीषण सड़क हादसा

खेत में 100 मीटर घिसटने के बाद पेड़ से टकराया ट्रक, परिचालक की मौत, चालक गंभीर

कटनी (स्वतंत्रमत)

शाहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कचौरी मोड़ के पास २३ जून को एक सडक़ हादसा हो गया, जिसमें परिचालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक क्रमांक सीजी 31 सी 5946 कटनी से पन्ना की ओर जा रहा था। सुबह करीब 3 बजे कचौरी मोड़ के पास ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सडक से नीचे खेतों में उतर गया। बताया जा रहा है कि ट्रक करीब 100 मीटर तक खेतों में घिसटता हुआ आगे बढ़ा और अंततः एक जामुन के पेड़ से जा टकराया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के दौरान चालक और परिचालक दोनों ट्रक में बुरी तरह फंस गए। चालक राम सजीवन पिता समय लाल यादव 22 वर्ष निवासी बुड़वा तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं परिचालक शेषमणि 35 वर्ष निवासी निवासी बुडवा तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डायल 112 के माध्यम से पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही शाहनगर थाना प्रभारी परसराम डाबर मय स्टाफ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए क्रेनन मशीन की सहायता से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें थाना प्रभारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। घायल चालक को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी शाहनगर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

जनसुनवाई में कटनी पुलिस अधिकारियों ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में 23 जून को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुना। इस दौरान शिकायत सुनवाई एवं समाधान हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी, डीएसपी हेडक्कार्टर रत्नेश मिश्रा जनसुनवाई में उपस्थित रहे एवं उन्होंने प्रत्येक आवेदक की समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी एवं को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कुछ प्रकरणों में साइबर संबंधी शिकायतों के प्राप्त होने पर, फरियादियों को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने एवं साइबर अपराधों से जागरूक रहने की हिदायत भी पुलिस अधिकारियों द्वारा फरियादियों को दी गई। एवं आवश्यक कार्यवाही के निर्देश सायबर सेल को दिये गये। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्यत: पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन से संबंधित मामले, पुलिस द्वारा सुनवाई न होने की शिकायतें, भूमि/प्लॉट संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध एवं अन्य पुलिस से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। कुछ समस्याएं अन्य विभागों से संबंधित होने पर, आवेदको को संबंधित विभाग में जाने की समझाइश भी दी गई। इस अवसर सभी अधिकारियों द्वारा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आवेदकों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुनकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

समाजसेवी सतीश सोनी ने अथक परिश्रम से दो गुहेरे एक कोबरा पकडा

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर के प्रतिष्ठित युवा समाजसेवी एवं जीव जंतुओं के रक्षक सर्प विशेषज्ञ सतीश सोनी द्वारा मानवसेवा-जीवजंतुओं की सेवा में अनुकरणीय कार्य किया जा रहा हैं। सोमवार की सायं ख्यातिलब्ध हास्य व्यंग्य साहित्यकार मनोहर मनोज के निवास पर एक करीब 6 फीट लंबा जहरीला कोबरा पकडा, काला कोबरा को पकडने में भारी मशक्कत की गयी। इसके पूर्व दो दिन पहले समाजसेवी सतीश सोनी ने एक एक दिन छोडकर डरावने गुहेरे को पकडा। घर में जहरीले जीव घुसने की सोनी को तत्काल सूचना दी गयी तो चंद मिनिटों में घर पहुंचकर उन्होंने अथक परिश्रम के बाद अंततरूपलक झपकते ही गुहेरे एवं कोबरा सर्प को पकड लिया। तेज स्पीड के साथ भागने वाले कोबरा एवं गुहेरा को पकडना बेहद कठिन होता है। गुहेरे एवं कोबरा के पकडे जाने के बाद परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली और डर दहशत खत्म हुई। इसके पहले भी सतीश सोनी द्वारा यहां करीब 7 फीट लंबा घोडापछाड सर्प पकडा था। आपको बता दे सोनी द्वारा समाजसेवा के लिये विगत लंबे समय से दृढ संकल्प के साथ कार्य किया जा रहा उनके नेक कार्य के प्रति समाजसेवी संस्थाओं द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया गया है। निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य में जुटे सतीश सोनी द्वारा जीव जंतुओं को पकडकर सुरक्षित जंगली इलाके में छोड दिया जाता है।

कलेक्टर की नागरिकों से अपील

सांप या जहरीले कीड़े के काटने पर झाड-फूंक नहीं, करायें इलाज

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिलेवासियों विशेष कर ग्रामीण अंचलों में रहने वाले लोगों से आग्रह किया है कि इन दिनों तेज गर्मियों और मानसूनी मौसम की वजह से सर्पदंश और जहरीले कीड़े के काटने की घटनाओं के मद्देनजर इनके काटने पर तत्काल नजदीकी अस्पताल मे पीड़ित को पहुंचाने और झाड-फूक में व्यर्थ समय नहीं गंवाने का आग्रह किया है। कलेक्टर ने कहा है कि अस्पताल ले जाने पर और समय पर एंटी वेनम इंजेक्शन लगने से सर्पदंश पीड़ित की जान बचाई जा सकती है। कलेक्टर ने वर्तमान मे तेज गर्मी और इसके बाद बारिश शुरू होते ही ग्रामीण क्षेत्रों मे सर्पदंश की अधिक होने वाली घटनाओं के मद्देनजर सावधानी बतौर नागरिकों से अपील की है कि सर्पदंश या जहरीले कीड़े के काटने की घटना होने पर झाड़-फूंक से मरीज को ठीक कराने के चक्कर मे नहीं पड़ें, बल्कि मरीज को उपचार के लिए तत्काल निकटतम अस्पताल पहुंचाने का प्रयास करने का लोगों से आग्रह किया है। कलेक्टर ने कहा है कि सांप के काटने पर झाड़-फूंक से नहीं बल्कि एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन से ही मरीज की जान बचाई जा सकती है। जिले के जिला चिकित्सालय सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों मे एंटी स्नैक वेनम इंजेक्शन की उपलब्धता है। इसलिए सर्पदंश पीड़ित को यदि समय पर उपचार मिल जाये तो उसकी जान बचाई जा सकती है।

गर्मियों मे सांप काटने के मरीज अधिक

सांप काटने के केस ग्रामीण क्षेत्र से अधिक आते है। इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से आमजन की तरह ही जीव जंतु भी अधिक परेशान है। वे अपने बिलों से बाहर निकलते है और खेतों आदि में काम करने वाले लोग अनजाने में सर्पदंश का शिकार बन जाते है। सांप अगर काट ले तो बिल्कुल भी देर नहीं करे और ना घबरायें। कोशिश करें कि जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचे। सांप कांटने वाली जगह पर किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें। उस जगह को कपड़े से भी न बांधे और न ही सांप के जहर को मुंह से बाहर निकालें।

हर सांप विषैला नहीं होता

विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ बीके प्रसाद के मुताबिक काटने वाले सभी सांप विषैले नहीं होते है। इसलिए सर्पदंश पीड़ित को घबराना नहीं चाहिए। सामान्यत: जहरीले सांपों के काटने पर दांतों के दो निशान अलग ही दिखाई देते है। जबकि गैर विषैले सांप के काटने पर दो से ज्यादा निशान हो सकते है। परंतु ये निशान दिखाई नहीं देते है। इसलिए सांप के काटने पर निशान नहीं दिखाई देने पर यह सोचना गलत होगा कि सांप ने नहीं काटा है। सांप के काटने पर करीब- करीब 95 प्रतिशत मामलों मे पहला लक्षण नींद का आना है। इसके साथ ही निगलने या सांस लेने मे तकलीफ होती है। आमतौर पर सांप काटने के आधे घंटे बाद लक्षण दिखाई देने लगते है।

एम्बाप्पे का शानदार प्रदर्शन, फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया

फिलाडेल्फिया (वार्ता)।

कप्तान किलियन एम्बाप्पे के शानदार प्रदर्शन की बदौलत फ्रांस ने सोमवार रात बारिश से बाधित मुकाबले में इराक को 3-0 से शिकस्त दी। फ्रांस के स्टार खिलाड़ी एम्बाप्पे ने दो गोल किए। एक मौसम संबंधी देरी से पहले और एक उसके बाद। जिससे 2018 विश्व कप चैंपियन टीम ने कमजोर इराकी टीम के खिलाफ 3-0 से आसान जीत हासिल की। इन दो गोलों के साथ एम्बाप्पे के इस साल के टूर्नामेंट में कुल गोलों की संख्या चार हो गई, लेकिन शायद इससे भी अधिक प्रभावशाली बात यह है कि इससे उनके करियर में विश्व कप के कुल गोलों की संख्या 16 हो गई – जो जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोस के बराबर है, जिनके सर्वकालिक गोलों के रिकॉर्ड की बराबरी लियोनेल मेस्सी ने अर्जेंटीना के पहले दो मैचों के दौरान की और फिर उसे तोड़ दिया। विश्व कप में रिकॉर्ड छठी बार एक से अधिक गोल करने के रिकॉर्ड के साथ, एम्बाप्पे ने ब्राजील के महान खिलाड़ी रोनाल्डो को भी पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम 15 गोल हैं। मैच की शुरुआत से ही फ्रांस की टीम ने गेंद पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। मूसलाधार बारिश के बीच

फ्रांस के खिलाड़ियों ने इराक लगातार हमले किए और 14वें मिनट में उन्हें सफलता उस समय जब माइकल ओलिस के बेहतरीन पास पर कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने बॉक्स के ठीक बाहर से एक शानदार लेफ्ट-फुटेड कर्लिंग शॉट लगाकर फ्रांस को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिला दी। इसके बाद इराक ने भी गोल के कई प्रयास किए, लेकिन वे विफल रहे। जैसे ही खेल हाफ टाइम के करीब पहुंचा,तेज बारिश होने लगी और खिलाड़ी और दर्शक पूरी तरह भीग गए। खिलाड़ियों के ब्रेक के लिए ड्रेसिंग रूम में जाने के कुछ ही देर बाद, फीफा ने घोषणा की कि मैच कम से कम 15 मिनट के लिए स्थगित किया जाएगा। इसके बाद खिलाड़ी और प्रशंसक सुरक्षित स्थानों पर चले गए। दो घंटे से अधिक के लंबे इंतजार के बाद मौसम साफ हुआ और खिलाड़ियों को वार्म-अप के बाद मैदान पर उतारा गया। यह इस विश्व कप इतिहास का मौसम के कारण रुकने वाला पहला मुकाबला रहा। दो घंटे के ब्रेक के बाद भी फ्रांस ने लय नहीं खोई और गीले मैदान पर आक्रामक खेल दिखाया। 54वें मिनट में इराकी रक्षापंक्ति और गोलकीपर के बीच गलतफहमी का फायदा उठाते हुए उस्मान डेम्बेले ने एम्बाप्पे को पास दिया, जिन्होंने बिना गलती किए गोल दागकर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद 66वें मिनट में माइकल ओलिस के असिस्ट पर डेम्बेले ने अपने करियर का पहला गोल करते हुए टीम को 3-0 की निर्णायक बढ़त दिला दी। मैच के अंत में मिले एक शानदार मौके पर एम्बाप्पे के पास हैट्रिक बनाने का मौका था, लेकिन वह चूक गए।

मेसी का रिकॉर्ड डबल, अर्जेंटीना नॉक आउट दौर में

डलास (वार्ता)। सुपर स्टार लियोनेल मेसी एक पेनल्टी चूके लेकिन उनके रिकॉर्ड दो गोलों की मदद से पिछले चैम्पियन अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को फुटबॉल विश्व कप के ग्रुप जे मैच में सोमवार को 2-0 से हराकर नॉक आउट दौर में प्रवेश कर लिया। मेसी इन दो गोलों के साथ विश्व कप के इतिहास में शीर्ष गोल स्कोरर बन गए। उनके मौजूदा विश्व कप में पांच गोल हो चुके हैं। उन्होंने अल्जीरिया के खिलाफ़ 3-0 की जीत में हैट्रिक दागी थी। फुटबॉल के भगवान समझे जाने वाले मेसी 24 जून को 39 साल के होने वाले हैं। उन्होंने अपनी टीम को नॉक आउट में पहुंचाकर खुद को जन्मदिन का अग्रिम तोहफा दे दिया है। मेसी ने पहले हाफ के शुरू में एक पेनल्टी पर शॉट गोल के बाहर मार दिया। लेकिन उन्होंने वापसी करते 38 वें मिनट में गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी, मेसी ने फिर मैच के इंजरी समय के पांचवें मिनट में दूसरा बेहतरीन गोल दागकर जीत पक्की कर दी। अपने पहले गोल के साथ मेसी ने मिरोस्लाव क्लोज का विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक 16 गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस मैच के बाद उनके अब 18 गोल हो गए हैं।

हालैंड के दो गोलों से नॉर्वे विश्वकप के नॉकआउट में

न्यूयॉर्क (वार्ता)। नॉर्वे ने एर्लिंग हालैंड के दो गोलों की बदौलत सेनेगल को 3-2 से हराकर फीफा विश्वकप 2026 के राउंड-ऑफ-32 में अपनी जगह पक्की कर ली। न्यू जर्सी स्टेडियम में सोमवार रात खेले गये मुकाबले में एर्लिंग हालैंड के शानदार गोल की बदौलत नॉर्वे ने सेनेगल पर जीत दर्ज की। सेनेगल की रक्षात्मक गलतियों का फायदा उठाते हुए मार्कस पेडरसन ने नॉर्वे को बढ़त दिलाई, हाफ टाइम के तुरंत बाद हालैंड ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। सेनेगल के इस्माइला सार ने एक गोल करके स्कोर कम किया, लेकिन हालैंड ने शानदार फिनिशिंग के साथ स्कोर 3-1 कर दिया। इसके बाद नॉर्वे ने दबाव झेलने और अपनी बढ़त बनाए रखने के लिए रक्षात्मक रुख अपनाया, लेकिन सार ने स्टॉपेज टाइम में एक शानदार गोल करके स्कोर 3-2 कर दिया। हालांकि, तब तक बहुत देर हो चुकी थी क्योंकि नॉर्वे ने ऐतिहासिक जीत हासिल कर ली।

अल्जीरिया ने जार्डन को 2-1 से हराया

सैन फ्रांसिस्को (कैलिफोर्निया), 23 जून (वार्ता) अल्जीरिया ने पहले हॉफ में पिछड़ने के बाद शानदार खेल का प्रदर्शन करे हुए पहली बार खेल रही जॉर्डन की टीम को 2-1 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 में नॉकआउट चरण में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। मैच की शुरुआत से पहला हाफ जॉर्डन के नाम रहा। 36वें मिनट में निजार अल-रशदान के गोल की मदद से जॉर्डन 1-0 की बढ़त हासिल की और अल्जीरिया पर दबदबा बनाये रखा। लेकिन दूसरा हाफ में अल्जीरिया ने जबर्दस्त वापसी की 7 69वें मिनट में नादिर बेनबुआली ने हेडर से गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया 7 इसके बाद, 82वें मिनट में एमाइन गुइरी ने शानदार गोल करके अल्जीरिया को 2-1 से बढ़त दिलाई और जो अंततः निर्णायक गोल साबित हुआ इस जीत के साथ ही अल्जीरिया ने टूर्नामेंट में तीन अंक से अपना खाता खोल लिया है और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। जबकि जॉर्डन को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है और वह ग्रुप जे में सबसे निचले पायदान पर पहंच गया है।

भारत की स्पिनर श्रीचरणी पहली बार नंबर 1 टी 20 बॉलर बनीं

दुबई (वार्ता)। भारत की युवा खिलाड़ी श्री चरणी को आईसीसी महिला टी 20 वर्ल्ड कप में शानदार शुरुआत का इनाम मिला है और वह महिला टी 20 रैंकिंग में नंबर 1 गेंदबाज बन गई हैं। चरणी ने इंग्लैंड की स्पिनर लिंसी स्मिथ को पीछे छोड़ दिया है और अपने शुरुआती करियर में पहली बार टॉप स्थान हासिल किया है। वह अब तक टी 20 वर्ल्ड कप में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज़ हैं; इस बाएं हाथ की गेंदबाज़ ने टूर्नामेंट में अब तक खेले गए तीन मैचों में 10 विकेट लिए हैं। 21 वर्षीय चरणी ने सिर्फ़ 12 महीने पहले ही इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था, लेकिन लीड्स में नीदरलैंड के खिलाफ़ करियर में दूसरी बार चार विकेट लेने और फिर मैनचेस्टर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ हार के बावजूद तीन और विकेट लेने के बाद, आईसीसी की ताज़ा रैंकिंग में वह स्मिथ को पीछे छोड़कर टॉप पर पहुँच गईं। स्मिथ टी 20 वर्ल्ड कप में अपने ऊँचे स्टैंडर्ड के हिसाब से धीमी शुरुआत के कारण तीसरे स्थान पर खिसक गई हैं, जबकि इंग्लैंड की उनकी साथी स्पिनर चार्ली डीन टूर्नामेंट के तीन मैचों में पांच विकेट लेकर दूसरे स्थान पर पहुँच गई हैं। पूर्व टॉप-रैंक वाली गेंदबाज़ सोफी एक्लेस्टोन भी आगे बढ़ रही हैं और टी 20 बॉलर्स की रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुँच गई हैं। आईसीसी के अनुसार, वेस्टइंडीज़ की कप्तान हेली मैथ्यूज (नौ स्थान ऊपर चढ़कर 11वें), ऑस्ट्रेलिया की तेज़ गेंदबाज़ किम गार्थ (25 स्थान ऊपर चढ़कर 20वें), पाकिस्तान की कप्तान फ़ातिमा सना (10 स्थान ऊपर चढ़कर 25वें) और आयरलैंड की ऑलराउंडर ओर्ला प्रेंडरगास्ट (10 स्थान ऊपर चढ़कर 26वें) ने भी कड़ी रैंकिंग कैटेगरी में अपनी स्थिति बेहतर की है।

न्यूज़ीलैंड ने स्कॉटलैंड को हराकर अपनी उम्मीदें कायम रखीं

ब्रिस्टल (वार्ता)

एमेलिया कर (17 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद इज़ी शार्प (62) के बेहतरीन अर्धशतक से न्यूज़ीलैंड ने स्कॉटलैंड को महिला टी 20 विश्व कप के ग्रुप दो मैच में मंगलवार को छह विकेट से हराकर अपनी उम्मीदों को जिन्दा रखा। स्कॉटलैंड ने सात विकेट पर 131 रन बनाये जबकि न्यूज़ीलैंड ने 182 ओवर में चार विकेट पर 132 रन बनाकर जीत अपने नाम की। न्यूज़ीलैंड की चार मैचों में यह दूसरी जीत है जबकि स्कॉटलैंड को तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। इज़ी शार्प को उनकी शानदार अर्धशतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। स्कॉटलैंड का 131 का स्कोर कभी भी काफ़ी नहीं होने वाला था। हालाँकि स्कॉटलैंड ने पावरप्ले में शानदार गेंदबाज़ी की, लेकिन कम रन बनने की वजह से न्यूज़ीलैंड को समझदारी से लक्ष्य का पीछा करने और बिना किसी परेशानी के जीत हासिल करने का मौका मिल गया। छह ओवर के बाद 31/3 के स्कोर पर न्यूज़ीलैंड को वापसी के लिए एक अच्छी साझेदारी की ज़रूरत थी, और शार्प और हैलिडे की जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए चौथे विकेट के लिए 101 रनों की मैच जिताऊ साझेदारी की।

शिवा नरवाल ने रजत, युग प्रताप सिंह ने कांस्य पदक जीता

सुहल (जर्मनी) (वार्ता) भारतीय निशानेबाजों शिवा नरवाल और युग प्रताप सिंह राठौड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में सोमवार को पुरुषों के 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। एशियन गेम्स 2023 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम के सदस्य शिवा नरवाल, आठ लोगों के निशानेबाजी फाइनल में 239.1 का स्कोर करके दूसरे स्थान पर रहे। नरवाल के साथी युग प्रताप सिंह राठौड़, जो फाइनल में शुरुआती दो राउंड के बाद आगे चल रहे थे।

मेसी बने फुटबॉल विश्वकप इतिहास के टॉप स्कोरर

डलास (वार्ता)। मैच की शुरुआत में पेनल्टी चूकने के बाद, लियोनेल मेसी ने दो गोल किए और मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने सोमवार को ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर विश्वकप के नॉकआउट स्टेज में जगह बनाई। मेसी के इन गोलों के साथ विश्वकप में उनके कुल गोलों की संख्या 18 हो गई है, जिससे वे जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोज से आगे निकलकर टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। किलियन एम्बापे और एर्लिंग हालैंड ने भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा; फुटबॉल के कुछ बड़े सितारों ने ग्रुप-स्टेज के दूसरे दौर में बेहतरीन खेल दिखाया और अपनी टीमों को आगे बढ़ने में

मदद की। डलास स्टेडियम में, मेसी ने पहले पेनल्टी चूकने के बाद 38वें मिनट में गोल किया और क्लोज के विश्वकप स्कोरिंग रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 38 वर्षीय खिलाड़ी ने 95वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया और पांच गोल के साथ टूर्नामेंट की स्कोरिंग लिस्ट में अस्थायी रूप से शीर्ष पर पहुंच गए।

रुपये में लगातार दूसरी गिरावट डॉलर की तुलना में 13 पैसे टूटा

मुंबई (वार्ता)।

अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 13 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 94.76 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा लगातार दूसरे दिन कमजोर हुई है। पिछले कारोबारी दिवस पर यह 30 पैसे गिरकर 94.63 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में मजबूती से रुपये पर दबाव रहा। डॉलर सूचकांक आज 0.2 प्रतिशत चढ़कर 101.22 पर पहुंच गया। यह एक साल से अधिक का इसका उच्चतम स्तर है। दूसरी तरफ, कच्चे तेल में नरमी से रुपये की गिरावट सीमित रही। कच्चे तेल का मानक लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा आज 1.3 फीसदी गिरकर 77 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर गया। इससे रुपये को समर्थन मिला। भारतीय मुद्रा आज शुरू से ही दबाव में रही। यह 10 पैसे नीचे 94.73 रुपये प्रति डॉलर पर खुली। बीच कारोबार में ऊपर 94.63 रुपये प्रति डॉलर और नीचे 94.92 रुपये प्रति डॉलर तक गयी। अंत में यह 94.76 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई।

ईवी कंपनी विनफास्ट इंडिया ने श्रीराम फाइनेंस के साथ की साझेदारी

नयी दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता विनफास्ट की भारतीय इकाई विनफास्ट इंडिया ने उसके वाहनों की खरीद पर वित्तपोषण उपलब्ध कराने के लिए खुदरा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं। विनफास्ट भारतीय बाजार में कार और एसयूवी बेचती है। इस साझेदारी के तहत उसके ग्राहकों को श्रीराम फाइनेंस की विशेष रूप से तैयार की गयी वित्तीय सेवाओं का लाभ मिलेगा। इसमें वाहन की ऑन-रोड कीमत का शत-प्रतिशत तक वित्तपोषण, आकर्षक ब्याज दरें तथा

लचीले पुनर्भुगतान विकल्प शामिल हैं। श्रीराम फाइनेंस देशभर में तीन हजार से अधिक शाखाओं के नेटवर्क के माध्यम से 90 लाख से अधिक ग्राहकों को ऋण एवं अन्य वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। अपनी ग्रीन फाइनेंस पहलों के माध्यम से श्रीराम फाइनेंस भारत में स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन समाधानों को बढ़ावा देने के विनफास्ट के दृष्टिकोण को साझा करती है।

इस समझौते पर विनफास्ट इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तपन घोष और श्रीराम ग्रीन फाइनेंस के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कारोबार प्रमुख नंदगोपाल आर. ने हस्ताक्षर किये। श्री घोष ने कहा कि भारत का इलेक्ट्रिक परिवहन की ओर बढ़ना केवल मजबूत उत्पादों से नहीं, बल्कि उन्हें समर्थन देने वाले मजबूत तंत्र से भी निर्धारित होगा। श्रीराम फाइनेंस के साथ साझेदारी ईवी अपनाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने, वित्तीय पहुंच को बेहतर बनाने और विभिन्न बाजारों में ग्राहकों को अधिक सहज स्वामित्व अनुभव प्रदान करने की विनफास्ट इंडिया की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। श्री नंदगोपाल ने इस साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे देश में हरित परिवहन समाधानों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

टेक महिंद्रा टेलीफोनिका जर्मनी के साथ मिलकर करेगी प्राइवेट क्लाउड प्लेटफ़ॉर्म का निर्माण

पुणे (वार्ता)।

देश की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टेक महिंद्रा ने अगली पीढ़ी के प्राइवेट क्लाउड प्लेटफ़ॉर्म के निर्माण के लिए जर्मनी की दूरसंचार कंपनी टेलीफोनिका जर्मनी के साथ अपनी साझेदारी के विस्तार की घोषणा की है। टेक महिंद्रा ने मंगलवार को बताया कि इस साझेदारी का उद्देश्य क्लाउड-नेटिव परिवर्तन को तेज करना और तकनीकी एवं व्यावसायिक विकास के लिए प्लेटफ़ॉर्म-एज़-ए-सर्विस उपलब्ध कराना है। इस साझेदारी के तहत टेक महिंद्रा की आद्यांत प्लेटफॉर्म इंजीनियरिंग और एआई-प्रथम संचालन क्षमताओं को टेलीफोनिका जर्मनी के दूरसंचार अवसंरचना आधुनिकीकरण लक्ष्यों के साथ जोड़कर प्लेटफॉर्म-एज-ए-सर्विस तैयार किया जायेगा, जो परिपूर्ण प्राइवेट क्लाउड की आधारशिला बनेगा। यह प्लेटफ़ॉर्म उद्यमों के लिए ओपन डिजिटल अवसंरचना को अपनाने के लिए एक विस्तार योग्य ब्लूप्रिंट के रूप में काम करेगा, जिसमें कंप्यूट, स्टोरेज, बैकअप, कंटेनर्स, ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) और रैनसमवेयर प्रोटेक्शन-एज़-ए-सर्विस जैसे घटक शामिल होंगे।

महत्वपूर्ण खनिज मिशन को मिली रफ्तार

सातवीं किस्त में 10 खनिज ब्लॉक की सफल नीलामी

नयी दिल्ली (वार्ता)। महत्वपूर्ण खनिज मिशन के तहत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में हाल में 10 खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी की गयी। महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी की यह सातवीं किस्त थी। इसके संपन्न होने के साथ सफल नीलाम किये गये महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की कुल संख्या 56 हो गयी है। यह 63 प्रतिशत से अधिक की सफल नीलामी दर को दर्शाता है। केंद्र सरकार ने नीलामी के लिए महत्वपूर्ण खनिजों के 88 ब्लॉकों रखे हैं। खान मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि यह घरेलू खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और देश के महत्वपूर्ण खनिज मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सातवीं किस्त में केंद्र सरकार ने गुजरात, उत्तराखंड और तेलंगाना में पहली बार महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी की। इसमें ग्रेफाइट, रेयर अर्थ एलिमेंट, वैनेडियम, टाइटेनियम, ग्लौकोनाइट, रॉक फॉस्फेट और संबंधित खनिज शामिल थे। नीलामी का सातवां चरण 23 मार्च को जारी निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) के माध्यम से शुरू किया गया। इसमें महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों वाले 19 ब्लॉकों की पेशकश की गयी।

महत्वपूर्ण खनिज नीलामी के साथ-साथ मंत्रालय ने अन्वेषण लाइसेंस नीलामी का दूसरा चरण भी सफलतापूर्वक संपन्न किया। केंद्र सरकार द्वारा पहली बार अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में अन्वेषण लाइसेंस ढांचे का विस्तार किया गया है इन राज्यों में भी महत्वपूर्ण और गहरे भंडारों में स्थित खनिजों का अन्वेषण संभव हो सकेगा।

अडानी के मुंद्रा एयरपोर्ट से शुरू हुईं वाणिज्यिक उड़ानें

मुंद्रा (वार्ता)। अडानी समूह के मुंद्रा एयरपोर्ट से मंगलवार को मुंबई और गोवा को जोड़ने वाली पहली निर्धारित उड़ान सेवा शुरू हुई।

स्टार एयर ने यहां से उड़ानों की शुरुआत की है। हवाई अड्डा शुरू होने के बाद मुंद्रा पूर्ण रूपेण एकीकृत मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स और व्यावसायिक केंद्र के रूप में विकसित होगा। स्टार एयर मुंद्रा को हिंडन, सूरत, बेलगावी, बेंगलुरु, कोल्हापुर और नांदेड़ सहित अन्य शहरों से भी जोड़ेगी।

वैश्विक दबाव में शेयर बाजारों में बिकवाली

प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत लुढ़के

मुंबई (वार्ता)। विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को बड़ी गिरावट देखी गयी और प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक टूट गये। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स हल्की गिरावट में खुलने के कुछ ही देर बाद हरे निशान में चला गया। हालांकि दोपहर बाद अचानक बिकवाली हावी हो गयी और कारोबार की समाप्ति पर सूचकांक 893.39 अंक (1.16 प्रतिशत) लुढ़ककर 76,200.68 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 278.80 अंक यानी 1.16 प्रतिशत नीचे 23,824.10 अंक पर रहा। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का 12 जून

के बाद का निचला स्तर है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा आने वाले समय में महंगाई को काबू करने के लिए कठोर उपायों की आशंका में आज दुनिया भर के शेयर बाजारों में गिरावट रही। भारतीय शेयर बाजारों पर भी उसी का असर देखा गया, विशेषकर आईटी सेक्टर की कंपनियों में बिकवाली अधिक रही। आईटी कंपनियों के शेयर सुबह से ही काफी दबाव में थे। वृहत बाजार में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.90 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.48 प्रतिशत टूट गया। फार्मा और स्वास्थ्य को छोड़कर सभी सेक्टरों पर दबाव देखा गया। आईटी, धातु, बैंकिंग, वित्त, रियल्टी, मीडिया, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और तेल एवं गैस समूहों में ज्यादा गिरावट रही। एनएसई में जिन 3,399 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2.280 के शेयर लाल निशान में और 1,020 के हरे निशान में रहे। अन्य 99 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस का शेयर 3.36 फीसदी और टीसीएस का 3.16 फीसदी टूट गया। बीईएल का शेयर 2.67 प्रतिशत, टाटा स्टील का 2.66 प्रतिशत और अडानी पोर्ट्स का 2.42 प्रतिशत गिर गया। इटरनल ने 1.84 फीसदी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने 1.79 , भारतीय स्टेट बैंक ने 1.63, टाइटन ने 1.53, एचडीएफसी बैंक ने 1.48, टेक महिंद्रा ने 1.38, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 1.30, ट्रेंट ने 1.18, हिंदुस्तान यूनीलिवर ने 1.16, बजाज फिनसर्व ने 1.03 और आईसीआईसीआई बैंक तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा दोनों ने 1.01 प्रतिशत का नुकसान उठाया। अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, एलएंडटी, एशियन पेंट्स और आईटीसी के शेयर भी लाल निशान में रहे।

विधायक की जमीन तक सड़क बनाने गरीबों के आशियाने उजाड़े

लालटेक में फूटा जनाक्रोश, 3 घंटे तक रहा चक्का जाम

हटा (स्वतंत्र मत)।

नगर के शास्त्री वार्ड स्थित गढ़िया लालटेक क्षेत्र में मंगलवार को उस समय भारी जनाक्रोश फूट पड़ा, जब विधायक के परिजनों की निजी भूमि तक पहुंच मार्ग बनाने के लिए कथित रूप से गरीबों के मकान तोड़े जाने के विरोध में सैकड़ों लोग सड़क पर उतर आए। आक्रोशित रहवासियों ने पर केंद्रीय विद्यालय के पास चक्का जाम कर दिया जिससे लगभग तीन घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि विधायक एवं उनके परिजनों की लगभग चार एकड़ निजी भूमि तक पहुंचने के लिए शासकीय भूमि से सड़क निकालने की तैयारी की जा रही है। इसी उद्देश्य से सोमवार.मंगलवार की दरमियानी रात निजी पोकलेन मशीन लगाकर लालटेक क्षेत्र में वर्षों से निवासरत गरीब परिवारों के आधा दर्जन से अधिक मकान तोड़ दिए गए। सबसे गंभीर तथ्य यह सामने आया कि जिन लोगों को अतिक्रमण संबंधी नोटिस जारी किए गए थे, उन्हें सुनवाई का अवसर तक नहीं मिला। राजस्व अभिलेखों के अनुसार पटवारी की रिपोर्ट पर तहसीलदार न्यायालय द्वारा संबंधित लोगों को केवल

उपस्थित होने के नोटिस जारी किए गए थे जबकि मामला अभी न्यायालय में प्रारंभिक स्तर पर ही लंबित है।

40 साल से रह रहे, अब सड़क के लिए बेघर

चक्का जाम में शामिल सोमवती बाई, प्रेमवती बाई, सोनकली बाई और रामबती बाई सहित अनेक महिलाओं ने आरोप लगाया कि वे लगभग 40 वर्षों से उक्त भूमि पर निवास कर रही हैं। उनके पास शासकीय दस्तावेज भी हैंए लेकिन जब से विधायक परिवार ने आसपास की निजी भूमि खरीदी है, तब से उन्हें हटाने का दबाव बनाया जा रहा था। महिलाओं ने आरोप लगाया कि विधायक का पुत्र अंकुश खटीक एक दिन पहले भी मौके पर आया था और जगह खाली करने की चेतावनी देकर गया था। उन्होंने बताया कि तीन दिन पहले भी पोकलेन मशीन लाई गई थी लेकिन विरोध के कारण लौटना पड़ा। रात के अंधेरे में हुई कार्रवाई ने कई परिवारों को खुले आसमान के नीचे ला खड़ा किया।

तहसीलदार बोले : हटाने के आदेश नहीं दिए

मौके पर पहुंचे तहसीलदार डॉ. आलोक जैन ने स्पष्ट कहा कि न्यायालय में मामला अभी प्रारंभिक अवस्था में है और संबंधित लोगों को सुनवाई का अवसर देने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। न्यायालय द्वारा किसी भी प्रकार की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के आदेश नहीं दिए गए। उन्होंने कहा कि यदि किसी ने निजी तौर पर मकान हटाए हैं तो उसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

एफआईआर के आश्वासन पर खुला जाम

स्थिति बिगड़ती देख नायब तहसीलदार राजेश सोनी एवं नगर निरीक्षक सुधीर बेगी मौके पर पहुंचे। नगर निरीक्षक ने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा तथा पोकलेन चालक एवं मशीन मालिक के विरुद्ध शिकायत के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद लोगों ने चक्काजाम समाप्त किया।

एसडीएम राकेश सिंह मरकाम बोले, जांच होगी

उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसी किसी शासकीय कार्रवाई की जानकारी नहीं है। यदि किसी व्यक्ति या समूह ने निजी तौर पर यह कार्य किया है तो इसकी जांच कराई जाएगी।

सड़क बनानी है तो होती है कानूनी प्रक्रिया

राजस्व अधिकारियों के अनुसार किसी भी भूमि पर सड़क कायम करने के लिए निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन अनिवार्य है। सुनवाई, आपत्तियों के निराकरण और राजस्व अभिलेखों में संशोधन के बाद ही सड़क वैधानिक रूप से अस्तित्व में मानी जाती है। ऐसे में लालटेक क्षेत्र में यदि निजी भूमि तक पहुंच मार्ग बनाने के लिए शासकीय भूमि का उपयोग किया जा रहा है, तो यह गंभीर प्रशासनिक और कानूनी प्रश्न खड़े करता है।

हटा में सार्वजनिक मंचों से किसी गरीब का अतिक्रमण नहीं तोड़ा जाएगा का आश्वासन देने वाली जनप्रतिनिधि के क्षेत्र में यदि निजी हितों के लिए गरीबों के आशियाने उजाड़े जा रहे हैं, तो यह केवल राजस्व विवाद नहीं बल्कि कानून के राज प्रशासनिक निष्पक्षता और मानवीय संवेदनाओं की भी कठोर परीक्षा है। अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं। क्या रात के अंधेरे में हुई इस कार्रवाई के जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होगी या गरीबों के उजड़े आशियाने राजनीतिक रसूख के सामने एक और मिसाल बनकर रह जाएंगे।

डॉ. मोहन यादव से हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस के अधिकारी हेमंत रुपानी ने की भेंट

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमंत रुपानी ने मंत्रालय में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री रूपानी को प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित योजनाओं गतिविधियों की जानकारी दी। श्री रूपानी ने राज्य सरकार की उद्योग मित्र नीतियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हिंदुस्तान कोका कोला समूह मध्यप्रदेश में 300 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। इससे रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उल्लेखनीय है कि राजगढ़ जिले के पिलूखेड़ी इंडस्ट्रियल एरिया में

हिंदुस्तान कोका कोला समूह मध्यप्रदेश में करेगा 300 करोड़ रुपये का निवेश

हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस की इकाई पहले से ही संचालित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट के दौरान हिंदुस्तान कोका-कोला के नेशनल हेड विवेक झा, राज्य प्रमुख अश्विनी यीलेने तथा औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

आधुनिक एवं स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में जीआरपी का महत्वपूर्ण कदम

तकनीकी दक्षता एवं संवेदनशील पुलिसिंग पर दिया गया विशेष बल

भोपाल (स्वतंत्र मत)। बदलते अपराध स्वरूपों और आधुनिक चुनौतियों के अनुरूप पुलिस बल को अधिक सक्षम, तकनीकी रूप से दक्ष एवं जनोन्मुख बनाने के उद्देश्य से शासकीय रेल पुलिस (जीआरपी) द्वारा आयोजित 15 दिवसीय विशेष पुलिस प्रशिक्षण शिविर का समापन विशेष पुलिस महानिदेशक दूरसंचार संजीव कुमार शमी तथा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल, भोपाल राजाबाबू सिंह के मुख्य आतिथ्य में पी.टी.आर.आई. प्रशिक्षण केंद्र, भोपाल में सम्पन्न हुआ। 08 जून से 22 जून तक आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में जीआरपी भोपाल, इंदौर एवं

जबलपुर इकाइयों के आरक्षक से निरीक्षक स्तर तक के कुल 30 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस बल को आधुनिक अधिक स्मार्ट, तकनीकी रूप से सक्षम, और संवेदनशील बनाना था।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को साइबर अपराधों की जांच एवं रोकथाम, फॉरेंसिक विज्ञान, मानवाधिकार संरक्षण, तनाव प्रबंधन तथा नागरिकों के साथ बेहतर संवाद एवं जनसंपर्क स्थापित करने संबंधी विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बाघ के हमले में युवक घायल

पटना मोहली गांव में खेत पर कार्य के दौरान हुई घटना

दमोह (स्वतंत्र मत)।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के मोहली परिक्षेत्र अंतर्गत पटना मोहली गांव में सुदामा यादव नामक 32 वर्षीय युवक को 22 जून को प्रात: 6 बजे के लगभग उसके खेत में बाघ द्वारा हमला करके घायल कर दिया गया। श्री यादव के चिल्लाने पर समीप के गांव वाले आवाज करते हुए आए और उनकी आवाज से बाघ जंगल की ओर भाग गया। स्थानीय बीट गार्ड

और अन्य वन कर्मियों द्वारा सुदामा को रहली शासकीय अस्पताल ले जाया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है सुदामा को हाथ में और कमर में चोट आई है। उन्हें सागर जिला चिकित्सालय हेतु रेफर कर दिया गया है। पटना मोहली गांव मे मुनादी करके अन्य ग्रामीणों को भी सचेत रहने बाबत समझाइश दी जा रही है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का त्याग और समर्पण हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है : शिवहरे

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस पर भाजपा ने श्रद्धांजलि अर्पित की

दमोह (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता पार्टी दमोह द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस 23 जूनद्ध पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने बलिदान दिवस पर कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान

नहीं चलेंगे के संकल्प के साथ देश की एकता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दियाए जिसे देश सदैव स्मरण रखेगा। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का त्याग और समर्पण हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है।

दमोह विधायक जयंत मलैया ने कहा कि डॉ. मुखर्जी एक दूरदर्शी नेता, शिक्षाविद एवं राष्ट्रनायक थे। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए जो संघर्ष कियाए वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका बलिदान भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उनके विचारों को आत्मसात कर ही हम सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला महामंत्री रामेश्वर चौधरी, महामंत्री महेश पटेल, महामंत्री अरूण तिवारी, जिला उपाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह परिहार, जिला उपाध्यक्ष अमित बजाज, जिला उपाध्यक्ष मनीष तिवारी, जिला मंत्री कार्यक्रम प्रभारी भरत यादव, जिला कार्यालय मंत्री देवकीनंदन पटैल, सह कार्यालय मंत्री दिलीप चौरसिया, जिला मीडिया प्रभारी प्रिंस जैन, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष बिजेंद्र अहिरवार, मंडल अध्यक्ष रमाकांत वाजपेई, मंडल अध्यक्ष बृजेश सिंह, पार्षद विजय जैन सहित उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अपने श्रृद्धा सुमन अर्पित किए।

जनसुनवाई में 280 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 280 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 18 आधार अपडेशन एवं 200 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही जनसुनवाई के दौरान कुछ सामूहिक आवदेन भी दिए गए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे, एसडीएम सौरभ गंधर्वए डिप्टी कलेक्टर ब्रजेश सिंहए डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति, लोकसेवा प्रबंधक चक्रेश पटेल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। जनसुनवाई में पहुंचे हिण्डोरिया निवासी दिव्यांग युवक नितिन साहू की समस्या का जिला प्रशासन द्वारा त्वरित निराकरण किया गया। नितिन साहू ने बताया कि उन्हें सेंट्रल स्तर का जाति प्रमाण पत्र बनवाना है तथा अगले दिन उनके दस्तावेजों का सत्यापन डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन निर्धारित है। सामान्य प्रक्रिया के अनुसार जाति प्रमाण पत्र बनने में लगभग तीन दिन का समय लगता है जिससे उन्हें चिंता थी कि समय पर दस्तावेज उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। युवक की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर यादव ने एसडीएम को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर उसी दिन जाति प्रमाण पत्र तैयार कर नितिन साहू को उपलब्ध करा दिया गया। समस्या के त्वरित समाधान पर नितिन साहू ने कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

धूमा-बर्तलाई सौर ऊर्जा प्लांट में करोड़ों की धोखाधड़ी

हटा (स्वतंत्र मत)।

प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत खेतों में सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित करने के लिए बर्तलाई-धूमा क्षेत्र में लगाए जा रहे सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में मगरोन थाना पुलिस ने सुनंदा सोलर एनर्जी प्रालि बुरहानपुर के एमडी वीरेन्द्र कोटवे के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया एन्यायालय ने उसे जैल भेज दिया। जानकारी के अनुसार श्रीकृष्ण कन्हैया फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत बर्तलाई धूमा में 2.25 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित किया जाना था। इसके लिए कंपनी ने सुनंदा सोलर एनर्जी प्रालि बुरहानपुर के साथ करीब 7 करोड़ 87 लाख रुपए की लागत का अनुबंध किया था। आरोप है कि अनुबंध के बाद कंपनी के एमडी वीरेन्द्र कोटवे ने किसानों और प्रोड्यूसर कंपनी को गुमराह कर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की।

जांच में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

मामले में श्री कृष्ण कन्हैया फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सीईओ मनीष पिता कन्हैयालाल पटेल निवासी कुंवरपुर, थाना रनेह ने शिकायत

7.87 करोड़ के प्लांट के नाम पर 9.32 करोड़ रुपए ट्रांसफर कराने का आरोप, मगरोन पुलिस जांच में जुटी

दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि सौर ऊर्जा प्लांट की लागत 7.87 करोड़ रुपए तय होने के बावजूद आरोपी ने 11.55 करोड़ रुपए का डीपीआर तैयार कराया और यह भरोसा दिलाया कि इसी आधार पर 7 करोड़ रुपए का लोन स्वीकृत होगा तथा शेष राशि वापस कर दी जाएगी। शिकायत और जांच के दौरान प्राप्त बैंक दस्तावेजों के अनुसार आरोपी ने कंपनी के दस्तावेजों के आधार पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया हटा से ऋण स्वीकृत कराकर श्री कृष्ण कन्हैया फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के खाते में कुल 9.32 करोड़ रुपए ट्रांसफर कराए। इसके अलावा 20 लाख रुपए नगद लेने का भी आरोप है। बताया गया कि आरोपी ने प्लांट में केवल करीब 42 लाख रुपए का काम कराया और 55 प्रतिशत भागीदारी का अनुबंध लिखवाने के बाद काम अधूरा छोड़कर फरार हो गया।

अधूरा पड़ा प्लांट, कंपनी पर किस्तों का बोझ

धोखाधड़ी के चलते बर्तलाई-धूमा का सौर ऊर्जा प्लांट अधूरा पड़ा हुआ है। वहीं ऋण स्वीकृत होने के बाद प्रोड्यूसर कंपनी के सीईओ मनीष कुमार पटेल को हर माह करीब 7 लाख रुपए की किस्त एसबीआई हटा में जमा करनी पड़ रही है। इससे किसानों और कंपनी पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

इन धाराओं में मामला दर्ज

मगरोन थाना पुलिस ने शिकायतए गवाहों के बयान और बैंक ट्रांजेक्शन की जांच के बाद आरोपी वीरेन्द्र कोटवे, एमडी सुनंदा सोलर एनर्जी प्रालि बुरहानपुर के खिलाफ धारा 316 (5) और 318 (4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार किया और मंगलवार को न्यायालय मे पेश किया जहा से उसे जैल भेज दिया गया।

तीन माह से कमीशन प्राप्त न होने पर विक्रेताओं ने समस्याओं के निदान हेतु सौंपा ज्ञापन

दमोह (स्वतंत्र मत)। शासकीय उचित मूल्य दुकानो से संचालको को पिछले 3 माह से कमीशन का भुगतान संस्था के खातो मे नही हुआ है कमीशन राशि न आने से दुकान संचालको विक्रेताओ को आर्थिक समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है। इसी पैसों मे से भवनहीन व निजी संस्थाओ से संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकानो को किराए पर ली हुई दुकानों का किराया देना पड़ता है एवं बिजली बिल, दुकान विक्रेताओं को तुलईयो (मजदूरो) का पारिश्रामिक राशि आदि का भुगतान करना पड़ता है। कई महीनो तक कमीशन राशि का संस्था के खातों में भुगतान न होने से विक्रेताओं की स्थिति अत्यंत चिंताजनक व दयनीय हो चुकी है। शासकीय उचित मूल्य दुकानो के कमीशन का भुगतान एवं विक्रेताओं को घोषित पूर्ण कमीशन राशि जल्द से जल्द दिलवाने हेतु मांग की गई और ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने वाले में दीपक सिंह ठाकुर, रोहित, संतोष, दशरथ, कमलेश साहू, राकेश दुबे, प्रेमनारायण, इंदुर सिंह आदि उपस्थित रहे।

पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा की बैठक संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा जिला दमोह की बैठक स्वामी अशोक तिवारी, अध्यक्ष संयुक्त मोर्चा एवं अध्यक्ष प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन दमोह के आव्हान पर संयुक्त मोर्चा के संरक्षक एवं प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश चौबे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन केसी जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष संयुक्त मोर्चा द्वारा किया गया। उपस्थित पेंशनर संघों के प्रतिनिधियों को जगदीश चौबे, स्वामी अशोक तिवारी तिवारी, कमल सिंघई वरिष्ठ पेंशनर एवं संरक्षक पेंशनर समाज एवं संयुक्त मोर्चा, घन सिंह राजपूत, अध्यक्ष

पुलिस पेंशनर संघ, आदि सदस्यों ने संबोधित किया। बैठक में प्रोग्रेसिव पेंशनर्स ऐसोसिएशन के प्रांतीय आवाहन पर 30 जून को दिए जाने वाले ज्ञापन के समर्थन एवं सहभागिता के संबंध में विचार किया गया। सभी उपस्थित पेंशनर संघों ने एक मत से उनके ज्ञापन कार्यक्रम में न्यू कलेक्ट्रेट दुर्गावती भवन में अधिकाधिक संख्या में दोपहर 12:30 पर सभी संघों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो कर सहभागिता एवं समर्थन का निर्णय लिया गया। भविष्य में सभी पेंशनर संघों ने इसी तरह आगे भी पेंशनर की समस्याओं के लिए एक साथ लड़ाई लड़ने का भी निर्णय लिया गया।

PUBLIC NOTICE

This is to inform that Lamps India is registered partnership firm having Registration No. 1080 dated 23/11/1983.

Vide amendment deed of partnership dated 21/04/2026, Smt Divya Shah joined the partnership as a legal heir of Shri Dilip Kumar Popatlal Shah due to his demise, with effect from 27/07/2018.

Also with effect from 21/04/2026, partnership firm has shifted its registered office from 1A, Bharat Housing Society, Nagpur Road, Jabalpur, Madhya Pradesh to:-

C/O Simplex Metalica, Simplex Estate, Nagpur Road, Jabalpur, Madhya Pradesh

Now the partners of the firm are Chandrakant Shripal Shah, Nitin Shripal Shah, Suresh Lalji Ganger and Divya Shah.

This public notice is being published for the purpose of registration of change in composition of the firm and change in registered office of the firm with the office of Registrar of Firms and Society.

For, Lamps India partner

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 23/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गौरव मुक्ता पिता श्री प्रमोद कुमार गुप्ता (2) श्रीमती आकांक्षा गुप्ता पति गौरव मुक्ता ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 151 एसआरएस लेण्ड मार्क सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1003052723 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 1030 व.फु. प्रथम तल 1030 व.फु. द्वितीय तल 50 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र दानपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र, वसीयतनामा, त्यागपत्र, रिजीज डीड, बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज मेसर्स एसआरएस लेण्ड मार्क (अमरीक सिंह) का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 23/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती बिंदु उपाध्याय पिता त्रिलोकी उपाध्याय ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 194 शिव मंदिर के पास चग्गर फार्म सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1003258724 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 950 व.फु. प्रथम तल 950 व.फु. द्वितीय तल 100 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र दानपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र, वसीयतनामा, त्यागपत्र, रिजीज डीड, बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती हेमंत मूलचंदानी पिता श्री परसराम मूलचंदानी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 23/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती शिखा प्रजापति पति श्री मोहन प्रजापति ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 208 द्वितीय मंजिल राजुल पार्क व्यू सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000378722 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित द्वितीय तल 1111 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती रत्ना गांगुली पति मोली कुमार गांगुली का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा रीना लाल गौंड पति श्री रिचर्ड लाल ईसाई, निवासी- म.नं.-176 / 2ए. सी.एम.एस. चर्च कम्पाउंड, घमापुर जबलपुर ने मौजा सकरी, प.ह.न. 66/71. रा.नि.म. चरगंवा विकासखंड व तहसील शहपुरा जिला जबलपुर स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर- 208/2, कुल रकवा 0.350 हे. क्रय की है जिसकी दिनांक 20/12/ 2010 में रजिस्ट्री हो चुकी है एवं उसका नामांतरण भी हो चुका है तथा मेरी पक्षकारा उक्त कृषि भूमि की मालिक स्वामी एवं कब्जाधारी काबिज है । ऐसा संज्ञान में आया है कि कुछ संदिग्ध लोग बसोरीलाल से मिलकर कूटरचित तरीके से उक्त भूमि को बेचने का प्रयास कर रहे है ।

इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि जो भी व्यक्ति इस भूमि को क्रय करेगा व इसका स्वंय जिम्मेदार होगा तथा उस पर कानूनी कार्यवाही की जावेगी ।

दिनांक 23/6/2026

जुगल ताम्रकार, अधिवक्ता,
म. प्र.. उच्च न्यायालय. जबलपुर
आफिस / निवास का पता मकान नंबर 482, तमरहाई चौक जबलपुर (म.प्र.)
मोबाईल नंबर - 9165769060

▶▶ कलेक्टर की जनसुनवाई में 104 आवेदनों पर हुई सुनवाई

अतिक्रमण, अवैध कब्जे की शिकायत लेकर पहुंचे लोग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों से कुल 104 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 30 दोबारा आए आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में आए अधिकांश आवेदन अतिक्रमण, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रिकॉर्ड सुधार, अवैध कब्जा, बीपीएल कार्ड, राशन कार्ड, अवैध कब्जा, छात्रवृत्ति, स्कूल में प्रवेश, संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता, पीएम आवास, आपसी विवाद, आर्थिक सहायता तथा भूमि डायवर्सन से संबंधित थे। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर नीता राठौर, आरआर राय सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

▶▶ मानसून से पहले नगर निगम की कार्यवाही

जर्जर भवन पर चलाया बुल्डोजर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर नगर निगम अतिक्रमण टीम ने संभाग क्रमांक 10 के अंतर्गत आने वाले लाला लाजपतराय वार्ड में नाले के किनारे स्थित एक अत्यंत जर्जर और खतरनाक हो चुके भवन को सुरक्षित रूप से हटाने का काम सफलतापूर्वक किया गया। जनसुरक्षा के लिए त्वरित कदम मानसून के समय या अत्यधिक जर्जर स्थिति के कारण ऐसे भवनों से हमेशा किसी अप्रिय घटना या जनहानि का अंदेशा बना रहता है। नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निगमायुक्त के आदेश पर नगर निगम की टीम ने तुरंत कार्यवाही की।

समाज में विश्वास, नैतिक मूल्यों को भी प्रभावित कर रहे आर्थिक अपराध

हितकारिणी लॉ कॉलेज में कानून विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी लॉ कॉलेज में महाविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष स्व. संत कुमार तिवारी व्याख्यान माला के अंतर्गत भारत में आर्थिक अपराधों के होने के कारण एवं उन पर नियंत्रण हेतु संबंधित कानून विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आर्थिक अपराधों की प्रकृति, उनके कारणों तथा उनसे निपटने के लिए बनाए गए विधिक प्रावधानों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला न्यायाधीश अनिल पारे थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता हितकारिणी सभा के वरिष्ठ सदस्य योगेश चंद्र उपरीत ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं परिचय के साथ किया गया। मुख्य वक्ता अनिल पारे ने अपने विस्तृत व्याख्यान में कहा कि आर्थिक अपराध वर्तमान समय में समाज और राष्ट्र के समक्ष एक गंभीर चुनौती के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने बताया कि तकनीकी विकास, डिजिटल बैंकिंग, ऑनलाइन लेनदेन तथा वैश्विक आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के साथ आर्थिक अपराधों के स्वरूप में भी निरंतर परिवर्तन हो रहा है। साइबर धोखाधड़ीए बैंकिंग फ्रॉड, धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) कर चोरी, भ्रष्टाचार तथा वित्तीय अनियमितताएं आज के प्रमुख आर्थिक अपराध हैं, जिनसे न केवल व्यक्तियों बल्कि पूरे राष्ट्र की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।

अपराधों के बारे में सचेत करना जरूरी

उन्होंने विद्यार्थियों को आर्थिक अपराधों की रोकथाम के लिए बनाए गए विभिन्न कानूनों एवं संस्थाओं की जानकारी देते हुए धन शोधन निवारण अधिनियमए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता के प्रासंगिक प्रावधानों तथा अन्य वित्तीय अपराध नियंत्रण संबंधी विधिक व्यवस्थाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कानून के विद्यार्थियों और भावी अधिवक्ताओं की यह जिम्मेदारी है कि वे विधिक जागरूकता को बढ़ावा दें और समाज को ऐसे अपराधों के प्रति सचेत करें।

बड़ी संख्या में विद्यार्थी रहे उपस्थित

कार्यक्रम का मंच संचालन महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक जॉली जैन द्वारा किया गया। उन्होंने पूरे कार्यक्रम का संचालन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं रोचक ढंग से करते हुए वक्ताओं एवं अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण मोनिका सिंह, राजेश सेन्, अभिषेक नेमा, शिवांगी गोलछा, यामिनी मिश्रा, स्वाती यादव, प्रशांत वर्मा, अश्विनी दोशी, कीर्ति कोरी, फरहाना खान, उर्वशी, शैली गुप्ता, नवीन जैन, सुधांशु जैन, रामबाबू एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के ज्ञानवर्धक आयोजनों के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

समाजहित में करें विधिक ज्ञान का उपयोग

अध्यक्षीय उद्बोधन में योगेश चंद्र उपरीत ने कहा कि आर्थिक अपराध केवल वित्तीय हानि तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे समाज में विश्वास, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे कानून के अध्ययन के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व को भी समझें तथा विधिक ज्ञान का उपयोग समाजहित में करें। उन्होंने स्व संत कुमार तिवारी के शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि इस प्रकार की व्याख्यान मालाएं विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विकाश सिंह ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में आर्थिक अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए इस विषय पर विद्यार्थियों का जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हितकारिणी लॉ कॉलेज समय-समय पर ऐसे शैक्षणिक एवं विधिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं समसामयिक विषयों की जानकारी प्राप्त हो सके। आभार प्रदर्शन महाविद्यालय की उप प्राचार्य डॉ भावना वर्मा ने किया।

बरगी बांध में बचा सिर्फ 13 प्रतिशत पानी नर्मदा घाटों पर दिखने लगीं चट्टानें

मानसून देरी से आने पर हो सकता है गहरा जल संकट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र के बड़े बांधों में शुमार शहर का बरगी बांध इन दिनों भारी जलस्तर की कमी से झूंझ रहा है। हालात यह हैं कि बांध में अब लगभग 13 प्रतिशत पानी ही बचा है। अगर जल्द ही अच्छी बारिश नहीं हुई तो आने वाले दिनों में पीने के पानी को लेकर संकट खड़ा हो सकता है। पानी की कमी का असर नर्मदा नदी पर भी दिखाई देने लगा है। कई घाटों पर चट्टानें नजर आने लगी हैं और नदी का बहाव कम होने से पानी गंदा भी होने लगा है। उल्लेखनीय है कि नर्मदा मप्र की जीवन रेखा मानी जाती है। इससे जबलपुर सहित कई शहरों और गांवों में जलापूर्ति होती है। कमजोर मानसून के चलते इस बार बरगी बांध और नर्मदा नदी की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है।

जानकारी के मुताबिक बरगी बांध की समुद्र तल से ऊंचाई 402 मीटर से शुरू होकर 422.75 मीटर तक है। बांध में 21 मीटर तक पानी का भराव हो सकता है। बरगी बांध परियोजना के अधिकारी शैलेंद्र राठौर के मुताबिक वर्तमान में बांध का जलस्तर 407.65 मीटर है। यानी बांध में अब लगभग 5 मीटर पानी ही बचा है, जबकि बरसात के मौसम में जलस्तर 422.75 मीटर तक पहुंच गया था।

खोली गई बाईं तट की नहर

बरगी बांध से नर्मदा नदी में पानी बिजली संयंत्र के जरिए छोड़ा जाता है। लेकिन बिजली संयंत्र की एक इकाई मेंटेनेंस के कारण बंद है और दूसरी इकाई भी पानी की कमी के चलते सीमित समय के लिए चलाई जा रही है। इसका सीधा असर नर्मदा नदी के जल प्रवाह पर पड़ा है। अधिकारियों के मुताबिक 3 साल पहले भी ऐसी स्थिति बनी थी। वर्ष 2025 में इसी समय बरगी बांध का जलस्तर 409.95 मीटर था, जबकि इस साल यह घटकर 407.65 मीटर रह गया है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि मानसून सक्रिय होने पर केवल दो दिन में जलस्तर 410 मीटर तक पहुंच सकता है। गर्मी के मौसम में किसानों की मांग को देखते हुए मंगलवार सुबह से बरगी बांध की बाईं तट नहर खोल दी गई है। इससे लगभग 10 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यह मुख्य नहर लगभग 137 किलोमीटर लंबी है और लगभग 1.57 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की क्षमता रखती है।

एसटीएफ के एसपी बने एवी सिंह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पुलिस विभाग में महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल के तहत एवी सिंह को स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) जबलपुर का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। यह पदस्थापना पुलिस मुख्यालय भोपाल स्थित एसटीएफ के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक द्वारा की गई है। एवी सिंह इससे पहले आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर में लगभग 3 वर्षों तक पदस्थ रहे, जहां उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों में प्रभावी कार्यवाही की। उनकी कार्यशैली और अनुभव को देखते हुए उन्हें पदोन्नति के बाद पुलिस मुख्यालय भोपाल में एआईजी कंप्लेंट के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसके अलावा वे पुलिस अधीक्षक (अजाक) नर्मदापुरम के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अब उन्हें एक बार फिर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए एसटीएफ जबलपुर का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। उनकी इस नई पदस्थापना से विभाग में एक बार फिर सख्त और प्रभावी कार्यप्रणाली की उम्मीद जताई जा रही है, खासकर संगठित अपराध और विशेष मामलों में एसटीएफ की भूमिका और मजबूत होने की संभावना है।

बीच सड़क पत्नी से मारपीट जमकर चला हाईवोल्टेज ड्रामा

गोरा बाजार क्षेत्र की घटना, वीडियो वायरल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गोरा बाजार थाना क्षेत्र के बिलहरी इलाके में बीच सड़क पति-पत्नी के विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक युवक सड़क पर महिला से विवाद करता और उसके साथ मारपीट करता दिखाई दे रहा है। घटना के दौरान काफी देर तक सड़क पर हंगामा चलता रहा। जानकारी के मुताबिक यह घटना मंगलवार दोपहर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक एक युवक ऑटो का पीछा करते हुए बिलहरी तक पहुंचा और ऑटो रुकवाने के बाद उसमें से उतरी महिला से विवाद करने लगा। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और युवक ने सड़क पर ही महिला की पिटाई शुरू कर दी। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। इसी दौरान एक युवक महिला को बचाने के लिए आगे आया तो उसके साथ भी विवाद हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक ने महिला को किसी अन्य युवक के साथ देखा था, जिसके बाद वह उसका पीछा करते हुए बिलहरी तक पहुंचा और विवाद हुआ। हालांकि पुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। घटना की सूचना मिलने पर गोरा बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार जब तक टीम मौके पर पहुंची, पति-पत्नी वहां से जा चुके थे। वहीं पूछताछ के दौरान किसी भी पक्ष ने शिकायत दर्ज नहीं कराई।

रानी दुर्गावती बलिदान दिवस पर शामिल होंगें मुख्यमंत्री

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर 24 जून को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर मंगलवार को कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं एसपी संपत उपाध्याय ने बरगी बांध रोड स्थित ग्राम नरई में रानी दुर्गावती समाधि स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने समाधि स्थल एवं प्रतिमा स्थल के आसपास साफ सफाई, सौंदर्यीकरण तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिसर में स्वच्छता एवं व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर एवं एसपी ने समाधि स्थल पर आयोजित होने वाले मंचीय कार्यक्रम की तैयारियों का भी जायजा लिया। इस दौरान मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था तथा संभावित वर्षा को ध्यान में रखते हुए आगंतुकों एवं आमजन की सुविधा के लिए पर्याप्त एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

उर्वरक और बीजों की गुणवत्ता पर 3 विक्रेताओं को नोटिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले के किसानों को खरीफ के मौसम में किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद, बीज एवं कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार कृषि अधिकारियों ने बुधवार को विकासखंड कुण्डम के अंतर्गत हरिओम कृषि केन्द्र, अमूल्य कृषि केन्द्र, दिनेश ट्रेडर्स, किसान कृषि सेवा केंद्र, गुप्ता कीटनाशक भण्डार का निरीक्षण किया तथा खरीफ फसलों धान एवं मक्का के बीजों के नमूने गुणवत्ता परीक्षण हेतु संग्रहित किये।

साइबर ठग ने खाते से निकाली रकम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। केंट थाने में 55 वर्षीय श्याम लाल रजक निवासी सदर केण्ट ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 12 जून की दोपहर घर पर था उसके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से टैक्स्ट मैसेज आया उसने देखा उसके खाते से 49 हजार 999 रूपये निकलने का, बैंक जाने के लिये निकला बैंक जाते समय उसके खाते से लगातार चार बार में कुल 1 लाख 64 हजार 845 रूपये निकलने का मैसेज आया, बैंक में जाकर बताया तो बैंक खाता फ्रीज कर दिया इस प्रकार उसके खाते से अज्ञात मोबाइल धारक द्वारा आनलाईन धोखधड़ी कर 1 लाख 64 हजार 845 रूपये निकाल लिये।

गली-गली खुले कोचिंग सेंटर्स, बिना सुरक्षा व्यवस्था धड़ल्ले से हो रहा संचालन

लखनऊ में हुए दर्दनाक हादसे के बाद सपा कार्यकर्ताओं ने किया अनोखा प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देश के विभिन्न कोनों से आ रही अग्निकांडों की भयावह तस्वीरों के बाद शहर में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अनोखा प्रदर्शन कर शहर की लचर व्यवस्था को ठीक करने जिला प्रशासन से मांग की है। कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर इकट्ठा हुए सपा कार्यकर्ताओं ने हवा में साबुन के रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे समाजवादी पार्टी के महासचिव आशीष मिश्रा ने बताया कि जिस तरह साबुन के ये चमकीले गुब्बारे हवा में चंद तैरने के बाद हल्की ठेस लगते ही फूट जाते हैं, ठीक उसी तरह हमारी सुरक्षा व्यवस्था भी आपदा के आते ही दम तोड़ देती है। प्रशासन के दावे खोखले हैं और जमीनी हकीकत शून्य है और जांचे सिर्फ औपचारिकता मात्र है ।

जांच करवाने की मांग- सपा कार्यकर्ताओं ने व्यावसायिक इमारतों, मॉल और गली गली में खुले कोचिंग सेंटरों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया की बिना वैध फायर एनओसी के संकरी गलियों में चल रहे ये संस्थान, जिनमें इमरजेंसी एग्जिट तक नहीं है, सीधे तौर पर 'मौत के कुएं' साबित हो रहे हैं। जरूरी सुरक्षा मानकों की लगातार अनदेखी की जा रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। पहले भी संगठन ने अधिकारियों को आई ड्रॉप भेंट किए थे ताकि उनकी आँखें खुल पाए और वह वास्तविकता देख पाए , कुछ समय पहले भी जबलपुर के अस्पताल में आग लग गई थी। इस दुखद दुर्घटना में 8 लोगों की असमय मृत्यु हो गई थी। जिसमें अधिकांश इलाजरत मरीज थे। लखनऊ में हुई घटना के बाद शहर में चल रहे ऐसे सभी प्रतिष्ठानों की जांच होनी चाहिए ।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**